@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

मंगलवार, 12 दिसंबर 2023

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 12 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मोहन यादव बनेंगे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री

सिम्मी कौर बब्बर

भोपाल, 11 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की बैठक से पहले पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पार्टी के पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, पिछड़ा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण, पार्टी की राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। भाजपा कार्यालय का मुख्य द्वार अब बंद कर दिया गया है, कुछ देर बाद शुरू होगी विधायक दल की बैठक। प्रहलाद पटेल और शिवराज सिंह के समर्थकों के बीच हो रही जमकर नारेबाजी। भाजपा दफ्तर के बाहर नारेबाजी शुरू। शिवराज समर्थकों ने शिवराज सिंह चौहान जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू किए। इस बीच, कैलाश विजयवर्गीय भी भाजपा दफ्तर पहुच गए हैं। भाजपा के विधायकों का ग्रुप फोटो हो चुका है। पर्यवेक्षकों ने विधायकों से बातचीत की है। जल्द ही ग्रुप फोटो भी सामने आ सकता है। भाजपा नेताओं के समर्थकों की कार्यालय के बाहर भीड़ बढ़ती जा रही है। समर्थक जमकर नारेबाजी कर रहे हैं, इसको देखते हुए पुलिस फोर्स बढ़ाया गया। भोपाल उत्तर विधानसभा से लाडली बहना रानी अग्रवाल शिवराज सिंह चौहान को सीएम बनाने के पक्ष में बीजेपी प्रदेश मुख्यालय पहुंचीं। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में विधायक दल की बैठक से पहले पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, पर्यवेक्षकगण हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण एवं पार्टी की राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शिष्टाचार बैठक में शामिल हुए। भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश कार्यालय में आयोजित विधायक दल की बैठक में पधारे नवनिर्चित विधायकों का पंजीयन और तिलक लगाकर स्वागत प्रारंभ हुआ। विधायक दल की बैठक में शामिल होने आए पर्यवेक्षकों का भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने अंगवस्त्र

पहनाकर स्वागत किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न का माहौल, उमड़ रहा है भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का सैलाब। सूत्रों का दावा है कि विधायक दल की बैठक से पहले कोर ग्रुप की बैठक होगी। इसमें संगठन के बड़े नेता, केंद्रीय पर्यवेक्षक और वरिष्ठ विधायक मौजूद रहेंगे। इस दौरान केंद्रीय नेतृत्व का संदेश उन्हें दे दिया जाएगा। बताया जाता है कि इस बैठक में पार्टी की रणनीति का खुलासा हो जाएगा। इसके बाद विधायकों को सूचित किया जाएगा। प्रदेश भाजपा कार्यालय जाने के पूर्व सीएम हाउस जाकर शिवराज सिंह से मिलने पहुंचे पर्यवेक्षक। प्रह्लाद पटेल के बंगले की सुरक्षा बढ़ाई गई। कैलाश विजयवर्गीय बोले, कोई भी नहीं है किसी रेस में। पार्टी जिसे जिम्मेदारी देगी, सभी उसके पीछे हो जायेंगे। पर्यवेक्षक सीएम हाउस पहुंचे, वहां शिवराज सिंह चौहान ने उनका स्वागत किया। इससे पहले पर्यवेक्षकों का भोपाल एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। सूत्रों का कहना है कि पर्यवेक्षक पहले विधायकों से वन-टू-वन चर्चा करेंगे। फिर चार बजे बैठक शुरू होगी। के लक्ष्मण ने भोपाल के लिए रवाना होने से पहले कहा कि हम विधायकों से चर्चा कर रिपोर्ट तैयार करेंगे। उसे केंद्रीय नेतृत्व को सौंपा जाएगा। फैसला आलाकमान लेगा। बता दें कि अब तक भाजपा के प्रदेश कार्यालय में नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल समेत करीब 40 विधायक पहुंच चुके हैं, रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है।

गोगामेड़ी हत्याकांड का अतीक, अशरफ और मूसेवाला मर्डर से कनेक्शन

जयपुर, 11 दिसंबर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्याकांड में अब एक नया एंगल भी सामने आ रहा है। दरअसल जिस तर्ज पर गोगामेड़ी की हत्या हुई है, ठीक उसी तरीके से उत्तर प्रदेश के माफिया अतीक अहमद और अशरफ की भी हत्या हुई थी। यही नहीं पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला का मर्डर भी ठीक उसी तरह किया गया, जिस तरह अतीक अशरफ और गोगामेडी का मर्डर हुआ। इस हत्याकांड की तहकीकात कर रही जांच टीम को जो सबूत मिले हैं, उसमें कई तथ्य ऐसे मिले हैं, जो न सिर्फ कॉमन हैं बल्कि उनका आपस में मजबूत कनेक्शन भी जुड़ रहा है। इसमें तुर्किये की भारत में प्रतिबंधित जिगाना पिस्टल से लेकर नेपाल का कनेक्शन सामने आया है। इसके अलावा

हत्यारों का एक दूसरे से वाकिफ न होना भी एक मॉडस ऑपरेंडी जैसी दिख रही है। सभी हत्याकांड में लॉरेंस बिश्नोई गैंग कनेक्शन ही सामने आया है। इसलिए मामले में जांच एजेंसियां सभी कड़ियों को आपस में जोड़कर देख रही हैं। गोगामेड़ी हत्याकांड की जांच कर रही एजेंसियों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पूरे मामले में लॉरेंस बिश्नोई और वीरेंद्र चारण गैंग के आपस में मिले होने के पुख्ता सबूत मिले हैं। जानकारी के मुताबिक गोगामेड़ी हत्याकांड में आरोपित नितिन फौजी और रोहित राठौर ने देश में प्रतिबंधित तुर्किए की जिगाना पिस्टल से ही ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। दरसल जिस जिगाना पिस्टल से दोनों हत्यारोपितों ने गोलियां बरसाईं, वह हाल के दिनों में हुए कई प्रमुख हत्याओं में इस्तेमाल हुई है। यह प्रतिबंध पिस्टल गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंग के पास सबसे ज्यादा हैं। बिश्नोई गैंग हत्याओं में इसी पिस्तौल का इस्तेमाल करता है और उसकी आपूर्ति भी करता है। गोगामेड़ी हत्याकांड में वीरेंद्र चारण के माध्यम से लॉरेंस बिश्नोई का सीधा नाम जुड़ रहा है। इस मामले में अब कई और कड़ियां जुड़ती जा रही हैं। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी इसी प्रतिबंधित ज़िगाना पिस्टल का इस्तेमाल किया गया था।

महुआ मोइत्रा ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, 11 दिसंबर। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा सदस्यता छीने जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गौरतलब है कि कैश के बदले सवाल मामले में घिरने और आचार समिति की तरफ से लोकसभा में रिपोर्ट रखे जाने के बाद सदन के अध्यक्ष ने उन्हें निष्कसित कर दिया था। इसी के खिलाफ टीएमसी सांसद सर्वोच्च न्यायालय पहुंचीं हैं। गौरतलब है कि महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप लगे हैं। इन्हीं की जांच कर रही संसद की आचार समिति ने लोकसभा में महुआ की सांसदी खत्म करने की सिफारिश की थी। बाद में रिपोर्ट के आधार पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महुआ को निष्कासित कर दिया। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उनके खिलाफ लोकसभा स्पीकर से शिकायत कर जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे। लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जय ने एक विस्तृत शोध किया है जिसके आधार पर उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि हाल ही में, मोइत्रा ने संसद में उनके द्वारा पूछे गए कुल 61 में से लगभग 50 प्रश्न दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों को बचाने के लिए थे। हालांकि, महुआ मोइत्रा ने जय अनंत का जिक्र करते हुए कहा कि आरोप झूठ पर आधारित थे। आरोप यह भी है कि कारोबारी हीरानंदानी अलग-अलग स्थानों से एवं अधिकतर दुबई से सवाल पूछने के लिए मोइत्रा की 'लॉगइन आईडी' का इस्तेमाल करते थे। इन आरोपों के सामने आने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने पूरा मामला आचार समिति के पास भेज दिया था।

भाजपा और जेडीएस की हालत बिना पानी की मछली की तरह

बंगलूरू, 11 दिसंबर। जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी के कर्नाटक में सरकार कभी भी गिर सकती है वाले बयान पर अब कांग्रेस ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का कहना है कि भाजपा और जेडीएस उनकी सरकार के गिरने को लेकर भ्रम की स्थिति में हैं। गौरतलब है, भाजपा और जेडीएस ने 2024 के लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ कांग्रेस से लड़ने के लिए कर्नाटक में गठबंधन कर लिया है। सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा और जेडीएस बिना पानी के मछली जैसे परेशान होती है, वैसे ही संघर्ष कर रहे हैं। सीएम ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा और जेडीएस को गलतफहमी हैं। इसका क्या ही किया जा सकता है? गौरतलब है, जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष कुमारस्वामी ने रविवार को दावा किया था कि सत्तारूढ़ कांग्रेस का एक मंत्री भाजपा में शामिल हो सकता है।

अनुच्छेद 370 के फैसले से उमर-आजाद को हुई निराशा: कर्ण सिंह

तेजिन्दर कौर बब्बर

जम्मू कश्मीर, 11 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। इस दौरान अपने फैसले में पीठ की अध्यक्षता कर रहे देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देश के सभी राज्यों के पास विधायी और कार्यकारी शक्तियां हैं। संविधान का अनुच्छेद 370 अलग-अलग राज्यों को विशेष दर्जा देने का उदाहरण है। यह साफ तौर पर असममित संघवाद का उदाहरण है। जम्मू कश्मीर की भी अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तरह कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं है। आइए जानते हैं सुप्रीम फैसले को लेकर लोगों का क्या कहना है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सुनकर बहुत निराशा हुई। उन्होंने कहा कि वह पहले ही कह चुके हैं कि इस पर सिर्फ दो ही अदारे फैसला ले सकते हैं केंद्र सरकार या सुप्रीम कोर्ट। केंद्र सरकार तो अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को बहाल नहीं करेगी। सुप्रीम कोर्ट यह उम्मीद थी, लेकिन आज यह उम्मीद भी खत्म हो गई। अनुच्छेद 370 और 35ए के साथ प्रदेश के लोगों को भाव जुड़े हुए थे। आज ये दोनों अनुच्छेद खत्म हो गए। उमर अब्दुल्ला ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वह इस फैसले से निराश हैं, लेकिन हतोत्साहित नहीं। उनकी पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा।

यहां तक पहुंचने में भाजपा को दशकों लग गए। हम भी लंबी दौड़ के लिए तैयार हैं। महाराजा हरि सिंह के बेटे एवं कांग्रेस के विरिष्ट नेता कर्ण सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत बारीकी से हर एक चीज को देखा है। सभी परिस्थितियों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट उस नतीजे पर पहुंची है। वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। लेकिन इस फैसले से जम्मू कश्मीर के कुछ लोगों को नाखुशी होगी। हालांकि अब यह स्पष्ट हो गया है कि जो कुछ भी हुआ वह संवैधानिक रूप से वैध है। वह पीएम मोदी से अनुरोध करते हैं कि जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। जरूरी नहीं है कि पहले चुनाव हो फिर राज्य का दर्जा मिले। चुनाव हो तो राज्य के लिए हो, केंद्र शासित प्रदेश के लिए क्यों हों। चुनाव सितंबर तक कराने की बात कही गई है ये अच्छी बात है। सेना के 15 कोर के पूर्व जीओसी रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजीएस ढिल्लो ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर कहा अनुच्छेद 370 और 35ए को जाना ही था। पूर्व अधिकारी ने कहा कि उन्होंने अपनी किताब 'कितने गाजी आए, कितने गाजी गए' में बहुत पहले ही लिख दिया था। जम्मू कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के नेता सज्जाद लोन ने कहा कि अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला निराशाजनक है। एक बार फिर जम्मू-कश्मीर के लोगों को न्याय नहीं मिल पाया। अनुच्छेद 370 भले ही कानूनी रूप से खत्म कर दिया गया हो, लेकिन यह हमेशा हमारी राजनीतिक आकांक्षाओं का हिस्सा बना रहेगा।

राज्यसभा में जम्मू कश्मीर से संबंधित दो विधेयक पेश

नई दिल्ली, 11 दिसंबर। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि लोकसभा के कार्यक्रम के अनुरूप सदन के दोपहर के भोजन के बाद के सत्र का समय शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे से बदलकर दोपहर 2 बजे कर दिया गया है। इसको लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि संवैधानिक सुधार को कुछ लोग सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। राज्यसभा की कार्यवाही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डीएमके सांसद तिरुचि एन. शिवा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वे स्पष्ट करें कि क्या वह धारा 370 को वापस लाने के लिए डीएमके के एजेंडे पर बोल रहे हैं या यह पूरे इंडिया गठबंधन का एजेंडा है। कांग्रेस के सांसद रवनीत सिंह ने मांग की कि विदेश मंत्रालय आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नु के खिलाफ अमेरिका में अधिकारियों के समक्ष मजबूत मामला रखे। सिंह ने दावा किया कि भारत सरकार द्वारा अमेरिकी अधिकारियों को 26 बार पत्र लिखने के बावजूद अमेरिका ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। कई अन्य भाजपा सांसदों ने अपनी बात रखने के लिए अखबारों में नकदी बरामद होने की खबरें दिखाईं। इस पर कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे राजेंद्र अग्रवाल ने सदस्यों से राज्यसभा सदस्य का नाम नहीं लेने का आग्रह किया और उनसे समाचार पत्रों को रखने के लिए कहा।

दाखिल नहीं हुई सर्वे रिपोर्ट, सुपरिटेंडिंग आर्कियोलॉजिस्ट की तबीयत खराब

वाराणसी, 11 दिसंबर। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की ओर से सोमवार को जिला जज की अदालत में एक बार फिर दाखिल नहीं की जा सकी। भारत सरकार के स्टैंडिंग काउंसिल अमित कुमार श्रीवास्तव ने जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया है कि एएसआई के सुपरिटेंडिंग आर्कियोलॉजिस्ट अविनाश मोहंती का अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ने की वजह से उनकी तबीयत खराब हो गई है। लिहाजा वह अदालत में उपस्थित होकर रिपोर्ट दाखिल करने में असमर्थ हैं। इसलिए रिपोर्ट दाखिल करने के लिए एक हफ्ते बाद की तिथि नियत की जाए। जिला जज की अदालत ने 18 दिसंबर तक की मोहलत दी है। बता दें कि इससे पहले बीते 30 नवंबर को एएसआई को रिपोर्ट दाखिल करने के लिए तीसरी बार 10 दिन का अतिरिक्त समय अदालत ने दिया था। साथ ही, यह भी कहा था कि उम्मीद करते हैं कि एएसआई अब आगे समय की मांग नहीं करेगा। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश के आदेश से ज्ञानवापी परिसर (सील वजूखाने को छोड़ कर) में एएसआई ने बीते 24 जुलाई को सर्वे शुरू किया था। दो नवंबर को एएसआई ने कोर्ट को बताया कि सर्वे का काम पूरा हो गया है। रिपोर्ट तैयार करने के लिए 15 दिन का अतिरिक्त समय चाहिए। इसके बाद एएसआई ने दोबारा अतिरिक्त समय दिए जाने की कोर्ट से मांग की। तीसरी बार अतिरिक्त समय की मांग करने पर अदालत ने रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 10 दिन की मोहलत एएसआई को दी। इसके साथ ही इस प्रकरण की सुनवाई की अगली तिथि 11 दिसंबर नियत कर दी थी। ज्ञानवापी स्थित व्यासजी के तहखाना प्रकरण में पक्षकार बनने की अर्जी पर जिला जज की अदालत सोमवार को अपना आदेश सुनाएगी। यह अर्जी प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी की ओर से दी गई है। अदालत के आदेश से तय होगा कि वह मुकदमे में पक्षकार बनाए जाएंगे या नहीं बनाए जाएंगे।

इन्वेस्टर्स समिट के बाद आकर्षण का केंद्र बने उत्तराखंड के 'मॉडल',

देहरादून, 11 दिसंबर। राजधानी दून में आयोजित हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद आयोजन स्थल एफआरआई दूनवासियों के लिए वैसा ही छोड़ा गया है। यहां समिट के दौरान राज्य के प्रमुख स्थानों के मॉडल लगाए गए थे। जिन्हें, शहर के आमजन देखने पहुंच रहे हैं। एफआरआई में उत्तराखंड के मॉडलों के अलावा इस समय समिट के बैनर, कटआउट भी लोगों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। शहरवासियों के पास सोमवार को एफआरआई में घूमकर पूरे राज्य की छटा एक ही जगह देखने का अंतिम अवसर है। बता दें कि समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत गृह मंत्री अमित शाह ने भी उत्तराखंड के इन मॉडलों को देख सराहना की थी। यहां के अधिकारियों ने दोनों को इन मॉडलों की जानकारी दी थी। इन्वेस्टर्स समिट खत्म होने के बाद बड़े-बच्चे भविष्य के उत्तराखंड को देखने आए हैं। इसके माध्यम से बच्चों को काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। बच्चों में मॉडल को देखकर उत्तेजना और उत्साह नजर आया। - डीडी पंवार मुझे यहां टिहरी डैम का मॉडल, राज्य के कुछ बड़े हाईवे, भविष्य में बनने वाले रोपवे से संबंधित मॉडल देखकर बहुत अच्छा लगा।

मायावती के उत्तराधिकारी आकाश लड़ेंगे लोकसभा चुनाव!

सौरभ शर्मा

लखनऊ, 11 दिसंबर। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर भतीजे आकाश आनंद का नाम घोषित कर दिया। अब सियासी गलियारों में चर्चा इस बात की सबसे हो रही है कि आकाश आनंद लोकसभा का चुनाव भी लड़ेंगे। बहुजन समाज पार्टी के नेताओं ने बंद बैठक में आकाश आनंद को लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए अपील भी की है। पार्टी में इसे लेकर अभी दो अलग-अलग मत हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि बसपा के इस वक्त जो सियासी हालात हैं, उसमें अगर आकाश आनंद चुनाव लड़ते हैं, तो वह पार्टी के लिए मुफीद हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो आकाश आनंद को पूर्वांचल और पश्चिम उत्तर प्रदेश में बसपा की पारंपरिक सीट से चुनाव लड़वाया जा सकता है। वहीं पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि भी संगठनात्मक स्तर पर पार्टी को बहुत मजबूत करने की जरूरत है। इसलिए चुनाव से आकाश आनंद को दूर रखा जाए। मायावती ने आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित कर बहुजन समाज पार्टी की सियासत में नई जान फूंकने का बड़ा दांव खेल दिया है। दरअसल बसपा 2012 के बाद लगातार सियासी रूप से कमजोर होती जा रही है। 2014 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के लोकसभा में एक भी सांसद नहीं थे। उसके बाद 2019 में जब समाजवादी पार्टी के साथ बसपा का एक बार बड़ा सियासी गठबंधन हुआ, तो अनुमान लगाया जाने लगा कि बसपा को ऑक्सीजन

मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषक और जटाशंकर सिंह कहते हैं कि ऐसे वक्त में 17 जनवरी 2019 को मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पूरी तरीके से सियासत में शामिल करने का एलान किया था। मायावती ने आकाश आनंद को बसपा आंदोलन से जोड़ने की घोषणा की थी और लोकसभा चुनाव का स्टार प्रचारक घोषित किया था। जटाशंकर सिंह कहते हैं कि तय उसी वक्त हो गया था कि बसपा में देर सवेर आकाश आनंद मायावती की जगह लेंगे। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि उत्तराधिकारी बनाने के बाद क्या आकाश आनंद को लोकसभा का चुनाव भी लड़ाया जाएगा। सियासी जानकारों का कहना है कि बसपा की प्रमुख कमजोरियों में एक बड़ी वजह मायावती का खुद सक्रिय रूप से चुनाव लड़ने से दूर होना भी है। ऐसे में अगर उत्तराधिकारी घोषित होने के बाद आकाश आनंद सियासी मैदान में उतरते हैं, तो यह पार्टी के लिए बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला हो सकता है। सियासी गलियारों में चर्चा इस बात की भी हो रही है कि जब मायावती को काशीराम ने 15 दिसंबर 2001 को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था, तब वह अकबरपुर से सांसद थीं। उसके बाद 18 सितंबर 2003 को जब वह राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर चुनी गईं, तो तत्काल बाद वह फिर से अकबरपुर से चुनाव लड़ीं और जीतीं। ऐसे में कयास यह लगाए जा रहे हैं कि पार्टी में आकाश आनंद को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने के साथ आने वाले लोकसभा के चुनाव में भी उतारा जाना चाहिए।

अनुच्छेद 370: इतिहास में की गई संवैधानिक भूल: सुप्रीम कोर्ट

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 11 दिसंबर। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इतिहास में की गई संवैधानिक भूल को आखिरकार सुधार लिया है। सॉलिसिटर जनरल ने इसके लिए पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को श्रेय दिया और कहा कि देश हमेशा इनका ऋणी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि 5 अगस्त 2019 और आज की तारीख भारत के इतिहास में दर्ज हो गई। पूर्व में की गई भयंकर संवैधानिक भूल को आखिरकार सरकार ने सुधार लिया है। यह सिर्फ पीएम मोदी की मजबूत इच्छाशक्ति और हमारे गृहमंत्री अमित शाह की शानदार रणनीति से ही यह ऐतिहासिक फैसला संभव हुआ है। देश हमेशा इनका कर्जदार रहेगा। सॉलिसिटर जनरल ने अपने बयान में कहा कि वह सौभाग्यशाली हैं कि वह भी अनुच्छेद 370 हटाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल रहे। सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला भी ऐतिहासिक रहा, जिसमें शानदार बुद्धिमत्ता के साथ कानून के शासन के प्रति चिंता और मूलभूत अधिकारों और जम्मू कश्मीर के नागरिकों के अधिकारों की समानता के लिए चिंता दिखाई दी। तुषार मेहता ने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि सरदार पटेल की आत्मा आज पूरी तरह से संतुष्ट हुई होगी कि जिस प्रावधान को संविधान में शामिल करने से नहीं रोक पाए थे, वह आज आखिरकार खत्म हो गया है। वह पीएम मोदी और अमित शाह को आशीर्वाद दे रहे होंगे। संसद में अमित शाह का भाषण भी संविधान सभा के भाषणों की तरह इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। बता दें कि 11 दिसंबर के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों वाली संविधान पीठ ने 5 अगस्त 2019 के केंद्र सरकार के फैसले को संवैधानिक रूप से वैध माना है, जिसमें जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का फैसला किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी माना है कि अनुच्छेद 370 जम्मू कश्मीर में अस्थायी तौर पर लागू किया गया था और जम्मू कश्मीर की कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले पर अपना निर्णय दिया। पांच सदस्यीय संविधान पीठ की तरफ से इस मामले में तीन अलग-अलग निर्णय लिए गए। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने फैसले को पढ़ते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का केंद्र सरकार का फैसला बरकरार रहेगा। इसके साथ

ही उन्होंने याचिकाकर्ताओं के उन तर्कों को भी खारिज कर दिया, जिसमें जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छिनने और उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाने का विरोध किया गया था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में जम्मू-कश्मीर के आगे का रोडमैप भी बताया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द बहाल होना चाहिए। यहां चुनाव के लिए भी जल्द से जल्द कदम उठाए जाएं। उन्होंने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में 30 सितंबर 2024 से पहले विधानसभा चुनाव सुनिश्चित किए जाएं। गौरतलब है कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने अक्तूबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों में चुनाव का एलान करते हुए केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भी चुनाव कराने को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि इसका फैसला सुरक्षा की स्थितियों और अन्य कारकों को ध्यान में रखकर सही समय पर लिया जाएगा। सीईसी ने कहा, जब भी आयोग को समय सही लगेगा वहां चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि, आयोग की ओर से तैयारी पूरी है। उन्होंने कहा था कि अगले साल की शुरुआत में लोकसभा के चुनाव होने की पूरी संभावना है। ऐसे में साफ है कि जम्मू कश्मीर के लोगों को विधानसभा के चुनावों के लिए अभी और इंतजार करना होगा। जम्मू-कश्मीर राज्य के पांच अगस्त 2019 को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटे जाने और वहां से अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद से चुनाव नहीं हुए हैं।

पूर्वी ईरान में हाइड्रोकार्बन रिफाइनरी में आग लगने से विस्फोट

तेहरान। पूर्वी ईरान के बिरजंद विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थित हाइड्रोकार्बन रिफाइनरी में लगी आग के बाद हुए भीषण विस्फोट से हड़कंप मच गया है। आग की लपटों ने रिफाइनरी के सभी 18 भंडारण इकाइयों को अपनी चपेट में ले लिया। आग अभी बुझ नहीं सकी है। यह विशेष क्षेत्र दक्षिण खुरासान प्रांत में है।

ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार यह छोटी रिफाइनरी है। हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। नुकसान का आकलन भी अभी तक नहीं किया गया है। गवर्नर अली फजेली ने कहा है कि आग रिफाइनरी के सभी 18 भंडारण इकाइयों तक फैल चुकी है। इससे तीन भंडारण इकाइयां फट चुकी हैं। भयावह स्थिति की वजह से बचाव दल अस्थायी रूप से घटनास्थल से हट गए हैं।

हावियर मिलई ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति पद की शपथ ली, इस्राइली विदेश मंत्री बोले- वह हमारे समर्थक

अर्जेंटीना। हावियर मिलई ने अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रपति अलबर्टो फर्नांडेज ने की। शपथ ग्रहण के बाद मिलई ने अपने पहले संबोधन में कहा कि वह देश में बड़े बदलाव लेकर आएंगे। बता दें कि मिलई एक अर्थशास्त्री और पूर्व राजनीतिक कमेंटेटर रहे हैं, जिन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान अर्जेंटीना की अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव का वादा किया था। अर्जेंटीना की संसद के बाहर ग्रांड स्टेयरवैल में एक बड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए अपने संबोधन में मिलई ने कहा कि आज, अर्जेंटीना के लिए एक नए युग की शुरुआत है। आज एक लंबे अवनति और गिरावट वाले दुखी इतिहास का अंत हो रहा है और हम पुनर्निर्माण की राह पर आ गए हैं। अर्जेंटीना के लोगों ने बदलाव के लिए वोट किया है और अब हम इससे पीछे नहीं हट सकते। मिलई के शपथ ग्रहण समारोह में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोलसोनारो और इस्राइल के विदेश मंत्री एली कोहेन भी शामिल हुए। एली कोहेन ने हावियर मिलई से मुलाकात के बाद उन्हें इस्राइल का समर्थक बताया। बता दें कि कोहेने के साथ ही हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिजन भी हावियर मिलई से मिले। मुलाकात के बाद एली कोहेन ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में बताया कि मिलई ने इस्राइल का समर्थन किया है और साथ ही अर्जेंटीना की एंबेसी को यरूशलम शिफ्ट करने की भी बात कही है। बता दें कि हावियर मिलई ने अर्जेंटीना की अर्थव्यवस्था के डॉलरीकरण करने का वादा किया था।

मार्गदर्शन के लिए मसौदा दस्तावेज जारी; जलवायु परिवर्तन से निपटने में फंड की कमी बनी बड़ी बाधा

दुबई। संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता के खत्म होने से दो दिन पूर्व एक मसौदा दस्तावेज जारी किया गया है। इसमें देशों का जलवायु परिवर्तन से निपटने के अनुकूल प्रयासों व सामूहिक प्रगति पर नजर रखने के लिए मार्गदर्शन किया गया है। दस्तावेज में यह स्वीकार किया गया है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में फंड की कमी बड़ी बाधा है। वर्ष 2015 में प्रस्तुत पेरिस समझौते ने अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य (जीजीए) की अवधारणा पेश की। यह वैश्विक न्यूनीकरण लक्ष्य के समानांतर है। इसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक (1850-1900) काल के स्तर के मुकाबले 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है। अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य संबंधी ग्लासगो-शर्म अल-शेख कार्य योजना मिस्र में कॉप-26 के दौरान लाई गई थी। इसके तहत कार्यशालाएं व वार्ताएं शुरू की गईं, ताकि कॉप-28 में जीजीए के लिए कार्य योजना लाई जा सके। पिछले महीने जारी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार गरीब व विकासशील देशों को जलवायु अनूकूलन के लिए हर साल 215-387 अरब डॉलर की जरूरत है, जबकि केवल 21 अरब डॉलर मिल रहे हैं।

एक और दुर्दांत हमास कमांडर का सफाया, गाजा में ढेर हुआ इमाद क्रिके

गाजा पट्टी। दक्षिणी गाजा के प्रमुख शहर खान यूनिस में फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के खिलाफ इजराइल के सुरक्षा बलों के हमले जारी हैं। इस बीच इजराइल की सेना ने हमास के खूंखार आतंकवादी इमाद क्रिके को ढेर कर दिया है। साथ ही अपने चार शहीद सैनिकों के नामों का खुलासा करते हुए फोटो जारी किए हैं। आईडीएफ ने एक्स हैंडल पर कहा है कि इमाद क्रिके हमास की शेजैया बटालियन का कमांडर था। वह शेजैया बटालियन के पिछले कमांडर के मारे जाने से पहले डिप्टी कमांडर था। क्रिके गाजा सिटी ब्रिगेड में टैंकरोधी मिसाइल प्रशिक्षण का भी जिम्मेदार था। वह कल हमले में मारा गया। वह हमास के ताकतवर कमांडर था। इजराइल के

प्रमुख अखबार द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार खान यूनिस में रातभर के इजराइल के सुरक्षाबलों ने हमला किया है। सुबह दक्षिणी इजरायल के लोगों को हमास के संभावित हमले के लिए सचेत करते हुए वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय किया गया है। आईडीएफ ने गाजा पट्टी पर छिड़े युद्ध के 66वें दिन आज (सोमवार) अपने चार शहीद सैनिकों के फोटो और विवरण जारी किया है। इनमें सार्जेंट 55वीं पैराट्रूपर्स ब्रिगेड के 35 वर्षीय मेजर गिदोन इलानी, किरयाती ब्रिगेड की 8111वीं बटालियन के 36 वर्षीय मेजर एटे पेरी, किरयाती ब्रिगेड की 8111वीं बटालियन के 42 वर्षीय मेजर एविएटर कोहेन और उत्तरी कमान के 36वें डिवीजन के 34 वर्षीय मेजर गैल बेचर शामिल हैं। आईडीएफ ने कहा कि चारों दक्षिणी इजराइल में कल एक सैन्य वाहन की टक्कर में मारे गए। आईडीएफ ने कहा है कि इस युद्ध में उसके 102 जवानों की शहादत हो चुकी है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख अमेरिका की पहली आधिकारिक यात्रा पर रवाना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर अमेरिका की पहली आधिकारिक यात्रा पर वाशिंगटन के लिए रवाना हुए। सेना की मीडिया मामलों की शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान जनरल मुनीर का अमेरिका के वरिष्ठ सैन्य और अन्य सरकारी अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है। पाकिस्तान इस समय नकदी संकट के साथ गंभीर आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। जनरल मुनीर की यात्रा ऐसे समय हो रही है जब पाकिस्तान विभिन्न कानूनी मुद्दों के कारण देरी के बाद आठ फरवरी को होने वाले आम चुनावों की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, सुरक्षा मुद्दों और भीषण सर्दी के कारण चुनाव समय पर होंगे या नहीं, इसे लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। माना जा रहा है कि जनरल मुनीर अपने मेजबानों के साथ द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों, खासकर अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा करेंगे। दोनों देशों के रक्षा क्षेत्र के नेता आपस में संपर्क में बने हुए हैं। अक्टूबर में जनरल मुनीर और अमेरिकी रक्षा मंत्री लायड ऑस्टिन ने टेलीफोन पर बातचीत की और पारस्परिक हित के क्षेत्रों के साथ-साथ हाल के क्षेत्रीय विकास पर चर्चा की थी।

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर सारी रात किया हवाई हमला

कीव। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में ताबड़तोड़ विस्फोट किए हैं। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने आज (सोमवार) कहा है कि रूस ने कीव पर रातभर हवाई हमला किया है। यूक्रेन के प्रमुख अखबार द कीव इंडिपेंडेंट के अनुसार मेयर विटाली क्लिट्स्को ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप में यह जानकारी साझा की है। मेयर के अनुसार इस हमले में गिराए गए हथियारों का मलबा कई जिलों पर गिरा और एक आवासीय इमारत को इससे नुकसान पहुंचा। क्लिट्स्को ने कहा है कि आपातकालीन सेवाओं को कीव के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में होलोसिवस्की जिले में भेजा गया। वहां एक मिसाइल का हिस्सा एक आवासीय इमारत की छत से टकराया था । उन्होंने बताया कि

शहर के दो अन्य जिलों में भी आपातकालीन सेवाएं भेजी गई हैं। उन्होंने कहा कि कीव सिटी सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने राजधानी में हवाई हमले की चेतावनी पहले ही जारी कर दी थी। अखबार के अनुसार इस हमले में एक आवासीय इमारत की खिड़कियां टूट गईं और कांच के टुकड़ों से एक बच्चा और दो वयस्क घायल हो गए।

पाकिस्तान के बाद ईरान ने 13 हजार अवैध अफगान नागरिकों को देश से निकाला

काबुल। पाकिस्तान के बाद ईरान ने भी अवैध अफगान नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 13,204 अवैध अफगान प्रवासियों को देश से निष्कासित कर दिया है। खुरासान रजावी में सीमा सुरक्षा के कमांडर माजिद शोजाई ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अवैध प्रवासियों के निष्कासन पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन प्रवासियों की पहचान पिछले सप्ताह में की गई थी और वे डोघरौन में बारह सीमा क्रासिंग के माध्यम से अपने देश लौट गए। सीमा सुरक्षा के कमांडर ने कहा कि अवैध रूप से देश में प्रवेश करने वाले अफगान नागरिकों को गिरफ्तार कर निष्कासित कर दिया जाता है। खामा प्रेस के अनुसार हाल के महीनों में ईरान और पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों को निकालने की प्रक्रिया तेज हुई है। हाल ही में ईरान के गृह मंत्री ने चार लाख अफगान प्रवासियों को देश से बाहर निकालने की घोषणा की थी। इससे पहले करमानशाह प्रांत में विदेशी नागरिकों और अप्रवासी मामलों के महानिदेशक ने देश के 16 प्रांतों में अफगान नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के अनुसार, ईरान में छह प्रतिशत अफगान नागरिक हैं। वहीं, काबुल में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने रविवार को मानवाधिकार दिवस और मानवाधिकारों की सार्वभौम

घोषणा की 75वीं वर्षगांठ पर कहा कि तालिबान को अफगानिस्तान में मानवाधिकार दायित्वों को स्वीकार करना चाहिए और उनका पालन करना चाहिए। 2021 में सत्ता पर कब्जा करने के बाद तालिबान ने बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता को खत्म किया है, जिसका महिलाओं और लड़कियों पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

यूएन, डब्ल्यूएचओ ने चेताया, गाजा में फैल सकती है महामारी, मिस्र पर बढ़ा विस्थापन का दबाव

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इजराइल और हमास के बीच गाजा में छिड़े युद्ध पर गंभीर टिप्पणी की है। इसमें कहा गया है कि गाजा में महामारी फैलने की आशंका है। साथ ही मिस्र पर बड़े पैमाने पर विस्थापन का दबाव बढ़ेगा।

अमेरिका के प्रमुख अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कल चेतावनी दी थी कि मिस्र के साथ गाजा की सीमा के पास दबाव बढ़ रहा है। इस सीमा पर हजारों फिलिस्तीनी एकत्र हैं। यह लोग इजराइल के सैन्य अभियान से घबराकर भागे हैं।

इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सार्वजनिक व्यवस्था जल्द ही पूरी तरह से खत्म हो जाएगी और में बड़े पैमाने पर विस्थापन के लिए दबाव बढ़ सकता है।

इससे भी बदतर स्थिति सामने आ सकती है। गंभीर खतरा महामारी फैलने का है। इसके अलावा मिस्र अखबार के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन के कार्यकारी बोर्ड के आपातकालीन सत्र में महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेबियस ने कहा है कि गाजा की स्वास्थ्य प्रणाली और उपचार व्यवस्था घुटनों पर आ गई है। एन्क्लेव के 36 अस्पतालों में से केवल 14 ही आंशिक रूप से बीमारों और घायलों का इलाज करने में सक्षम हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, गाजा में भयावह हालात हैं। इजराइली सेना ने कल कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में गाजा में 250 से अधिक लक्ष्यों पर हमला किया है। पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र में गाजा में स्थायी युद्धविराम की मांग को लेकर हुए मतदान के बाद यह लड़ाई तेज हो गई। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के वीटो के कारण यह प्रस्ताव गिर गया। इसके बाद अमेरिका ने इजराइल को 13,000 राउंड टैंक गोला-बारूद देने की घोषणा की।

हमास की चेतावनी के बाद भी गाजा में हमले जारी, इस्राइल सेना ने दागे रॉकेट

गाजा। हमास की चेतावनी के बाद इस्राइल ने दक्षिणी गाजा के मुख्य शहर में सोमवार को भी हमला जारी रखा है। दरअसल, हमास ने कहा था कि जब तक कैदियों की रिहाई की उसकी मांग को पूरा नहीं किया जात, तबतक कोई भी इस्राइली बंधक इस क्षेत्र से जीवित नहीं जाएगा। हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमला किया था। इस दौरान उन्होंने करीबन 240 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे।

हमास के हमले का इस्राइन ने भी सैन्य हमले से पलटवार किया है। इस्राइल के लगातार हमले से गाजा पट्टी मलवे में तबदील हो गया। इस हमले में ज्यादातर महिलाए और बच्चे मारे गए। फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद के आतंकियों ने बताया कि उन्होंने एक घर को उड़ा दिया, जहां इस्राइली सैनिक सुरंग की तलाश कर रहे थे।

चेतावनी के बाद भी गाजा में दागे गए रॉकेट

हमास ने रविवार को चेतावनी दी कि इस्राइल बिना आदान-प्रदान के बंधकों को जीवित नहीं ले जा सकता है। इस चेतावनी के बाद भी इस्राइली सेना ने सोमवार को गाजा में रॉकेट दागे। इस्राइल का कहना है कि करीबन 137 बंधक अभी भी हमास के कब्जे में हैं। वहीं कार्यकर्ताओं का मानना है कि लगभग 7000 फलस्तीनी इस्राइली जेलों में बंद है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि गाजा के 2.4 मिलियन लोगों में से 1.9 मिलियन लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं, उनमें से आधे बच्चे शामिल हैं।

'सिर्फ देशभक्तों' को ही मतदान की इजाजत, डिस्ट्रिक्ट काउंसिल चुनाव में सिर्फ 27 फीसदी वोटिंग हुई

हॉन्ग कॉन्ग। हॉन्ग कॉन्ग में डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के लिए मतदान हुआ। बता दें कि इस मतदान में सिर्फ 27.5 फीसदी वोटिंग हुई, जो कि हॉन्ग कॉन्ग के इतिहास का सबसे कम मतदान प्रतिशत है। इतने कम मतदान प्रतिशत की वजह सरकार के उस आदेश को माना जा रहा है, जिसमें सिर्फ देशभक्तों को ही मतदान करने को कहा गया था। दरअसल हॉन्ग कॉन्ग में बीते समय लोकतंत्र की मांग जोर पकड़ रही थी, जिसके खिलाफ चीन की सरकार ने सख्त कार्रवाई की और लोकतंत्र समर्थकों को देशविरोधी करार देने की कोशिश की। यही वजह है इस बार सरकार की तरफ से अपील की गई थी कि सिर्फ देशभक्त ही मतदान करें।

पिछली बार के मुकाबले मतदान में भारी गिरावट

रविवार को हुए मतदान में महज 27.54 फीसदी मतदान हुआ और हॉन्ग कॉन्ग की कुल 43 लाख की आबादी में से 12 लाख लोगों ने ही वोट किया। इससे पहले साल 2019 में हॉन्ग कॉन्ग में डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के चुनाव हुए थे, उस दौरान देश में लोकतंत्र की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। गौर करने वाली बात है कि उस समय 71 प्रतिशत मतदान हुआ था और लोकतंत्र समर्थक पार्टियों ने जीत हासिल की थी।

चीन की सरकार ने लागू किया कड़ा कानून

हालांकि उसके बाद लोकतंत्र समर्थकों के खिलाफ चीन की सरकार ने कड़ा कानून लागू कर दिया। मई में लागू हुए इस कानून के तहत सीधे तौर पर चुनी जाने वाली 462 सीटों की संख्या घटाकर महज 88 कर दी गई। अन्य 382 सीटें सिटी लीडर और सरकार के करीबी ग्रामीण क्षेत्रों में जमींदारों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। साथ ही चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों का नामांकन सरकार द्वारा नियुक्त तीन सदस्यों वाली कमेटी करती है, जिसकी वजह से लोकतंत्र समर्थकों का चुनावी प्रक्रिया में आना लगभग असंभव हो गया है। साथ ही पुलिस भी लोकतंत्र समर्थकों पर कड़ी कार्रवाई कर रही है।

बाइडन के बेटे और मस्क में छिड़ी जुबानी जंग; हंटर ने बताया सबसे मूर्ख बुद्धिमान, टेस्ला चीफ ने दिया जवाब

हॉन्ग कॉन्ग। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन और टेस्ला एवं स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। हंटर ने मस्क को दुनिया का सबसे मूर्ख बुद्धिमान व्यक्ति बताते हुए कहा कि मस्क को लोकतंत्र या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की परवाह नहीं है। इसके अलावा उन्होंने मस्क पर गलत जानकारी फैलाने का भी आरोप लगाया। वहीं, दिग्गज कारोबारी ने भी करारा जवाब दिया।

हंटर का मस्क पर हमला

हंटर ने एक्स के मालिक को बहुत बिगड़ैल इंसान बताया। उन्होंने कहा कि एलन मस्क पहले संशोधन की चिंता नहीं करते हैं। वह खुद के अलावा किसी और की परवाह नहीं करते हैं। यह सब विचार है कि वह पहले संशोधन

के लिए चैंपियन है। क्या आपने कभी उन्हें कुछ ऐसा करता देखा है, जो लोकतंत्र की रक्षा के लिए हो?

मस्क का पलटवार

इस पर मस्क ने पूछा कि वास्तव में वह किस गलत जानकारी के बारे में बात कर रहे हैं? दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल एलन मस्क ने तंज कसते हुए कहा, 'हंटर ने अपराध करते हुए खुद के इतने सारे वीडियो बनाए कि उसे सिनेमैटोग्राफी के लिए पुरस्कार मिलना चाहिए!'

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

तकनीकी समस्या के कारण ट्रेनों में कई घंटे फंसे यात्री, अंधेरे के चलते महिला से हो गई अभद्रता

लंदन। लंदन में रात एलिजाबेथ लाइन ट्रेन में फंसी एक महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। दरअसल, शाम के करीब साढ़े छह बजे पश्चिमी लंदन के लैडब्रोक ग्रोव इलाके में ओवरहेड इलेक्ट्रिक केबल क्षतिग्रस्त होने से सैकड़ो यात्री घंटों तक ट्रेनों में फंसे रहे। कुछ यात्रियों ने पटरियों पर अपने सामानों को ले जाते हुए तस्वीरें भी साझा की। इस मौके का फायदा उठाते हुए एक व्यक्ति ने वहां मौजूद महिला के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की, जिसके कारण पुलिस को घटनास्थल पर बुलाना पड़ा। वहां मौजूद एक यात्री ने अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया, 'अंधेरा होने के कारण मुझे नहीं मालूम कि क्या हुआ। मेरी गाड़ी में एक लड़की चिल्लाई। वह कह रही थी, तुम मुझे क्यों छू रहे हो? एक अन्य व्यक्ति उसके बचाव में आया। मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया।' ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

यूरोप पहुंचा नया चीनी वायरस, ब्रिटिश वैज्ञानिक बोले-यह कोविड का ही रूप, इससे घबराने की जरूरत नहीं

न्यूयार्क। चीन में बड़ी संख्या में बच्चों को बीमार करने के बाद निमोनिया के लक्षणों वाले नए वायरस ने यूरोप में भी दस्तक दी है। इस बीच यूके मेडिकल साइंस और चेस्टर मेडिकल स्कूल के प्रोग्राम लीड डॉक्टर गैरेथ नी ने कहा, यह स्थिति कोविड-19 जैसी कोई नई बीमारी नहीं है बल्कि, यह एक और कोविड वायरस हो सकता है। ब्रिटिश वैज्ञानिक के अनुसार, कई जगह अस्पतालों में बीमार बच्चों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है, बावजूद इसके इस वायरस से फिलहाल घबराने की कोई जरूरत है।

चीन के बाद डेनमार्क और नीदरलैंड में बच्चों में दिखे लक्षण

चीन के बाद डेनमार्क और नीदरलैंड में बच्चों में निमोनिया जैसे लक्षण देखे गए हैं। इंफेक्शन डिजीज न्यूज ब्लॉग एवियन फ्लू डायरी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, माइक्रोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण महामारी के स्तर तक पहुंच गया है।

बाइडन के पूर्व सहयोगी का दावा, वुहान की लैब से ही निकला था कोविड का संक्रमण... राष्ट्रपति जो बाइडन के पूर्व विशेष सहायक डॉ. राज पंजाबी ने दावा किया है कि चीन की वुहान लैब से ही कोविड का संक्रमण निकला था। बता दें कि बाइडन ने मई 2020 में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ऐसे ही बयान की आलोचना की थी।

मोदी ने प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के राजनीतिक कौशल, बौद्धिक गहनता तथा देश सेवा में उनकी गंभीरता को याद करते हुए सोमवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा, 'मैं श्री प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिनके राजनीतिक कौशल और बौद्धिक गहराई ने हमारे देश की दिशा को गंभीरतापूर्वक स्वरूप प्रदान किया है।'

नमो भारत ट्रेन का मोदी नगर साउथ तक ट्रायल रन, जल्द शुरू होगा परिचालन

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ-गाजियाबाद आरआरटीएस कॉरिडोर पर प्राथमिक खंड के शुरू होने के बाद अब इससे आगे के खंड में ट्रायल रन शुरू किया गया है। इस कड़ी में, दुहाई से लेकर मोदी नगर साउथ स्टेशन तक नमो भारत ट्रेनों का ट्रायल रन शुरू किया गया है। ट्रायल रन इस खंड को परिचालित करने की दिशा में बड़ा कदम है। ट्रायल रन प्रक्रिया में, सबसे पहले मुराद नगर रिसीविंग सब स्टेशन से मोदी नगर साउथ तक ओएचई को 25 केवी की क्षमता के साथ चार्ज किया गया।

जिसके बाद इस खंड में ट्रेन का संचालन किया गया। नमो भारत ट्रेन दुहाई स्टेशन से आगे बढ़ते हुए मुराद नगर स्टेशन पहुंची और फिर उससे आगे मोदी नगर साउथ तक लगभग 12 किमी की दूरी तय की। ट्रायल रन के प्रक्रिया में नमो भारत ट्रेनों का ट्रैक और ट्रैकशन के साथ परीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान ट्रेन को ट्रेन कंट्रोल मैनेजमेंट सिस्टम (टीसीएमएस) के तहत मैन्यूअल तरीके से ऑपरेट किया जा रहा है। ट्रेन को मुरादनगर स्टेशन से बहुत धीमी रफ्तार से मोदी नगर साउथ तक लाया गया, जहाँ से वापसी में इसकी रफ्तार को थोड़ा बढ़ाते हुए दुहाई वापस लाया गया।

गाजियाबाद में सरकारी नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले दो युवक, एक महिला गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर और प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर लोगों के साथ ठगी करने वाले दो पुरुषों और एक महिला को गिरफ्तार किया है। ये लोग बीते 3 साल से लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे थे। ये तीनों वर्ष 2021 से अब तक गाजियाबाद नगर निगम में सरकारी नौकरी लगवाने और प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में फ्लैट या प्लाट दिलवाने के नाम पर ठगी किया करते थे। पुलिस पूछताछ में इन्होंने बताया कि अब तक यह तीन दर्जन लोगों को ठग चुके हैं, जिसमें इन्होंने एक करोड़ से ऊपर ठगी की है। एसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि लगातार इस तरह की शिकायत आई थी। कुछ लोग गाजियाबाद नगर निगम में सरकारी नौकरी दिलवाने और प्रधानमंत्री शहरी आवास में फ्लैट या प्लाट दिलवाने के नाम पर ठगी कर रहे हैं। इस बारे में जब जांच की गई तो दो पुरुष और एक महिला के नाम इस मामले में सामने आए। गाजियाबाद के थाना नंदग्राम पुलिस ने इन तीनों की गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार किए गए लोगों में पवन उपाध्याय और चंदन सरकार है। पवन जहां बिहार का रहने वाला है, वहीं चंदन सरकार बंगाल का रहने वाला है। उनके साथ उनकी एक सहयोगी महिला आरोपी भी गिरफ्तार की गई है। रवि कुमार सिंह के मुताबिक, गिरफ्तारी के बाद इन्होंने बताया कि 2021 से अब तक इन्होंने कारीब तीन दर्जन लोगों को ठगा है। सभी को गाजियाबाद नगर निगम में सरकारी नौकरी लगवाने और प्रधानमंत्री आवास योजना में फ्लैट और प्लॉट दिलाने के नाम पर ठगी करते थे।

पहले मंदिर में, फिर जन-जन के मन मंदिर में लौटेंगे रामः होसबाले

गाजियाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शनिवार को कहा कि भगवान श्री रामलला 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अपनी जन्मभूमि पर भव्य मंदिर में लौट रहे हैं और इसके बाद श्री राम जन जन के मन मंदिर में भी लौटेंगे। श्री होसबाले ने अयोध्या में जन्मभूमि पर हो रहे श्रीराम मंदिर के निर्माण की ऐतिहासिक व गौरवपूर्ण यात्रा को रेखांकित करती पुस्तक 'राम फिर लौटे' का लोकार्पण के समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वामी ज्ञानानंद महाराज, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता, विहिप के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार भी मौजूद थे। पुस्तक के लेखक वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा हैं तथा प्रकाशन प्रभात प्रकाशन ने किया है। मंच का संचालन प्रभात प्रकाशन के श्री प्रभात कुमार ने किया।

न्यायाधीशों की संपदा का ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सुशील कुमार मोदी ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की परिसंपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक करने की व्यवस्था की जानी चाहिए।श्री मोदी ने सदन में शून्य काल में 'सभापति की अनुमति से उठाए गए मामले' के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सांसद, सरकारी उच्च अधिकारी सभी को प्रतिवर्ष परिसंपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों का पद भी महत्वपूर्ण है और सार्वजनिक हित से जुड़ा हुआ है। इसलिए सरकार को कानून बनाकर या कॉलेजियम के जरिए कोई व्यवस्था बनाकर न्यायाधीशों की परिसंपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक करने की भी व्यवस्था करनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के विवेक ठाकुर ने कहा कि कंपनियां अपने मुनाफे के लिए जंक फूड में अत्यधिक नमक और चीनी का इस्तेमाल कर रहे हैं। युवाओं में जंक फूड के प्रति अत्यधिक रुचि है जिसके कारण उनमें डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा आदि की समस्याएं बढ़ रही है। सरकार को पर अपना कड़ा नियंत्रित करना चाहिए।

आम आदमी पार्टी के अशोक कुमार मित्तल ने मानव तस्करी को रोकने के लिए अलग से कड़ा कानून बनाने की मांग की।

कश्मीर पर कुहासा खत्म, अब गुलाम कश्मीर को आजाद कराने की बारीः आलोक कुमार

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए आज कहा कि इस बारे में भ्रम का कुहासा साफ हो गया है और अब गुलाम कश्मीर को पाकिस्तान के पंजे से मुक्त कराना चाहिए। विहिप के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने धारा 370 पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय अमर बलिदानी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक कृतज्ञ राष्ट्र की श्रद्धांजलि जैसा है। आज के निर्णय से यह प्रमाणित होता है कि 1947 ङ्क 48 में महाराजा हरी सिंह द्वारा हस्ताक्षर किया गया विलय पत्र अंतिम और वैध था। जम्मू कश्मीर हमेशा से भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। विहिप के नेता ने कहा 'तब की सरकार ने अपनी कुछ राजनीतिक

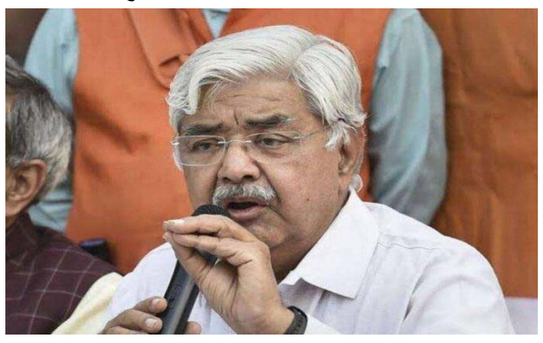

महत्वाकांक्षाओं के कारण अनुच्छेद 370 से जम्मू कश्मीर को एक विशेष दर्जा दिया हुआ था। भारत की संसद ने इस अनुच्छेद को हटा दिया था। किंतु फिर भी इस वाद के कारण कुछ कुहासा छाया हुआ था जो आज के निर्णय के बाद से साफ़ हो गया। हमें विश्वास है कि जम्मू कश्मीर में विकास की धारा इसी तेजी से बढ़ती रहेगी।' आलोक कुमार ने कहा ,'अब जम्मू और कश्मीर में एक ही बड़ा काम बचा हुआ रह गया है। वह है, गुलाम कश्मीर की पाकिस्तान के पंजे से मुक्ति। हमें विश्वास है कि सशक्त भारत और संकल्पित सरकार पाक अधिकृत कश्मीर को भी जल्द मुक्त करा सकेगी।'

जेल में ही मनेगा मनीष सिसोदिया का नया साल, इस तारीख तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को राहत नहीं दी है। कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत सोमवार को 10 जनवरी तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने मामले को 10 जनवरी को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की है और साथ ही प्रवर्तन निदेशालय के वकील को इससे संबंधित अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने की अनुमति भी दी।

बीती 21 नवंबर को कोर्ट ने मनीष सिसोदिया और अन्य की न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ा दी थी। अभी वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। दिवाली के दिन राउज एवेन्यू कोर्ट की अनुमति के बाद दिल्ली पुलिस पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को उनकी बीमार पत्नी से मिलवाने के लिए घर लेकर पहुंचे थे। दिल्ली कोर्ट ने सिसोदिया को छोटी दिवाली के दिन सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक मिलने की अनुमति दी थी। पत्नी से मिलने के बाद वे फिर से पुलिस वाहन में तिहाड़ चले गए। इससे पहले हाईकोर्ट ने जून

में भी उन्हें पत्नी सीमा से मिलने की अनुमति दी थी, लेकिन वह मुलाकात नहीं कर सके थे। उस समय पत्नी की तबीयत अचानक खराब होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सीमा मल्टीपल स्केलेरोसिस से पीड़ित हैं। सिसोदिया ने एक आवेदन दायर कर हिरासत में रहते हुए अपनी बीमार पत्नी से पांच दिनों की अवधि के लिए मिलने की अनुमति मांगी थी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने कल सिसोदिया की अर्जी पर सुनवाई की थी। कोर्ट दिल्ली एक्साइज पॉलिसी से जुड़े सीबीआई और ईडी के मामलों की सुनवाई कर रही है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सीबीआई के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी आरोपी हैं। दोनों मामलों में सिसोदिया और अन्य आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किए जा चुके हैं।

हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उनकी पिछली जमानत अर्जी हाई कोर्ट के साथ-साथ ट्रायल कोर्ट ने भी खारिज कर दी थी। हालांकि जून में उच्च न्यायालय ने उन्हें हिरासत में अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति दे दी थी।

दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में आप सांसद संजय सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। वह न्यायिक हिरासत में हैं और शुक्रवार को संबंधित अदालत में सिसोदिया को पेश किया गया। इस मामले में ईडी ने 9 मार्च को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। इससे पहले उन्हें 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस, हवा की गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि पहली बार राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान गिरकर 6.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो मौसमी औसत से तीन डिग्री कम है। इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता सोमवार सुबह भी 'खराब' श्रेणी में बनी रही। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि सोमवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है जबकि आसमान साफ रहेगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सोमवार की सुबह, आनंद विहार में हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई, जिसमें पीएम 2.5 का स्तर 347 और पीएम 10 का स्तर 284 'खराब' श्रेणी में था, जबकि एनओ2 का स्तर 86 संतोषजनक स्तर पर पहुंच गया और सीओ 20 यानी 'अच्छा' रहा। .

बवाना स्टेशन ने पीएम 2.5 को 366 पर दर्ज किया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में था, जबकि पीएम 10 'खराब' श्रेणी में 257 तक पहुंच गया, जबकि सीओ 75 'संतोषजनक' स्तर पर पहुंच गया।द्वारका सेक्टर 8 में एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन ने पीएम 2.5 को 362 और पीएम 10 को 308 पर दर्ज किया, दोनों 'बहुत खराब श्रेणी' में थे, जबकि सीओ 60 पर, 'संतोषजनक' स्तर पर था।

आईटीओ स्टेशन पर एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में था, पीएम 2.5 का स्तर 340 पर और पीएम 10 का स्तर 199 पर 'मध्यम' श्रेणी में था, जबकि सीओ 57 पर 'संतोषजनक' स्तर पर था। ओखला फेज-2 में पीएम 10 का स्तर 411 पर, गंभीर श्रेणी में और पीएम 2.5 का स्तर 382 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। एनओ2 128 पर था और सीओ 104 यानी 'मध्यम' स्तर पर था।

दिल्ली में महिला पर दंपती ने तेजाब फेंका, पीड़िता के बयान के आधार पर जांच शुरू

बिहारी दिल्ली। समयपुर बादली थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने एक दंपती पर तेजाब से हमला करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला के बयान के आधार पर जांच शुरू कर दी है। महिला ने अपने

बयान में कहा है कि एक ही बिल्डिंग में भूतल पर पति पत्नी रहते हैं। इन दोनों ने मौका देख जानलेवा हमला कर दिया।

सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत अगले आदेश तक बढ़ी, 14 दिसंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत अगले आदेश तक बढ़ा दी है। कोर्ट सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर 14 दिसंबर को सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 4 दिसंबर को कहा था कि हम देखेंगे कि अंतरिम जमानत बढ़ाई जा सकती है कि नहीं। ईडी ने 19 अक्टूबर को कहा था कि जैन का इलाज हिरासत में भी हो सकता है, इसलिए जमानत रद्द की जाए। 1 सितंबर को मामले की सुनवाई करने वाली बेंच के सदस्य जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने सुनवाई से अपने आपको अलग

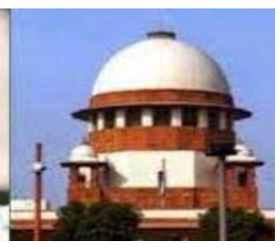

कर लिया था। जस्टिस प्रशांत मिश्रा के बेटे ईडी के वकील के रूप में पेश हो चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई को सत्येंद्र जैन को छह हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को अपनी पसंद के निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी थी। इसके बाद कोर्ट ने 10 जुलाई और फिर 24 जुलाई को जैन की अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ा दी थी। सुनवाई से पहले ईडी ने जवाब दाखिल कर कहा कि सत्येंद्र जैन अपने प्रभाव के चलते बीमारी के बारे में गलत रिपोर्ट हासिल करते रहे हैं। ईडी ने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने लोकनायक जयप्रकाश हॉस्पिटल की रिपोर्ट ठुकरा दी थी। ईडी ने कहा कि मनी लांड्रिंग मामले में जमानत तभी मिलती है, जब बीमारी से जान का खतरा हो। इससे पहले 17 नवंबर 2022 को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 में गिरफ्तार किया था।

नोएडा में किसान नेता युद्धवीर सिंह के समर्थन में भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

नोएडा। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने आज कलेक्ट्रेट सूरजपुर में किसान नेता युद्धवीर सिंह को अवैध हिरासत में लेने और यात्रा प्रतिबंध पर तथा एसकेएम के साथ हुए लिखित आश्वासन के उल्लंघन के विरोध में प्रदर्शन कर भारत के राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम संबोधित एक ज्ञापन अपर जिलाधिकारी नितिन मदान को सौंपा है। ज्ञापन में किसान नेताओं द्वारा कहा गया है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के कई नेताओं को दिल्ली पुलिस सहित केंद्र सरकार की जांच एजेंसियों द्वारा उन्हें कॉरपोरेट समर्थक कृषि अधिनियमों को निरस्त करने की मांग को लेकर राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर 13 महीने लंबे चले ऐतिहासिक किसान संघर्ष से संबंधित दर्ज आपराधिक मामलों में फंसाने के लिए जानबूझकर किए गए अनुचित कार्यों की ओर ध्यान दिलाना चाहते हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव संजय अग्रवाल द्वारा हस्ताक्षरित 9 दिसंबर 2021 के लिखित पत्र के आधार पर एसकेएम के साथ एक समझौता किया था, जिसके आधार पर किसान संघर्ष को स्थगित कर दिया गया था। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया था (पैरा रू 2 ए और बी) कि उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और हरियाणा की राज्य सरकारें किसान संघर्ष से संबंधित सभी मामलों को तुरंत वापस लेने के लिए पूरी तरह सहमत हैं। साथ ही, पत्र में केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेशों में उसकी एजेंसियों और प्रशासन ने किसानों के संघर्ष से संबंधित सभी मामलों को वापस लेने पर सहमति व्यक्त की थी और अन्य सभी राज्य सरकारों से भी किसानों के संघर्ष के खिलाफ ऐसे सभी मामलों को वापस लेने का अनुरोध करने की बात कही थी। राज्यसभा में भी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने जवाब दिया था कि गृह मंत्रालय में प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, किसानों के खिलाफ 86 मामले वापस लेने का प्रस्ताव आया है और गृह मंत्रालय ने ऐसा करने की अनुमति दे दी है। इसके अलावा, रेल मंत्रालय ने रेलवे सुरक्षा बलों द्वारा किसानों के खिलाफ दर्ज किए गए सभी मामलों को वापस लेने का निर्देश दिया है।

नोएडा में एनटीपीसी प्लांट में ट्रेन की चपेट में आया मजदूर

नोएडा। थाना जारचा क्षेत्र में स्थित एनटीपीसी प्लांट में काम करने वाले एक व्यक्ति की रविवार की रात को ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित उनके परिजनों ने जमकर हंगामा किया। एनटीपीसी की तरफ से उन्हें 20 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया है।पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना जारचा क्षेत्र के एनटीपीसी प्लांट मे विजेंद्र शर्मा पुत्र विक्की शर्मा निवासी ग्राम पटारी 15 वर्षों से ठेकेदारी के अंतर्गत काम कर रहे थे।

NAME CHANGE
I, Narayana Singh s/o Ramji Lal R/o V-605-A, Ch Fateh Singh Marg, Arvind Nagar, Ghonda Garhi Mendu, Bhajan Pura, Delhi-110053, have changed my name to Narayan Singh Rana for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Santosh Kumar s/o Narayan Singh Rana R/o V-605-A, Ch Fateh Singh Marg, Arvind Nagar, Ghonda Garhi Mendu, Bhajan Pura, Delhi-110053, have changed my name to Santosh Kumar Rana for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rais Ahmed s/o Abdul Aziz R/O 1730,gali Imli wali Sui walan Chandni mahal Darya ganj Delhi - 110002 have changed my name to Raees Ahmed for all future purposes

NAME CHANGE
I, Vakil Mohd S/o Noor Mohammad R/o 426-30, Matia Mahal, Jama Masjid,Delhi -110006, have changed my name to Vakil Mohammad for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mohd Sahid s/o Mohd Habeed R/o H.NO-294, Gali No-5, Sangam Vihar, Wazirabad, Delhi-110084, have changed my name to Mohd Shahid permanently

NAME CHANGE
I, ILIYAS MOHD S/O Shareef Mohammad R/O D-28/1, Sangam Vihar, Delhi- 110062, have changed my name to ILIYAS MOHAMMAD for all the future purposes.

NAME CHANGE
I MANJU W/O SANJAY KUMAR R/O H.N0-160 BLOCK-A, SECTOR-7, FARIDABAD, 121006 HAVE CHANGE MY NAME TO MANJU SHARMA FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I GUDIYA CHUGH W/O PRAVEEN KUMAR R/O E-207, 2ND FLOOR, SECTOR-11, ROHINI DELHI-110085 HAVE CHANGED MY SON NAME DUSHYANT TO DUSHYANT CHUGH.

NAME CHANGE
I GUDIYA W/O PRAVEEN KUMAR R/O E-207, 2ND FLOOR, SECTOR-11, ROHINI DELHI-110085 HAVE CHANGED MY NAME TO GUDIYA CHUGH.

NAME CHANGE
I, HEMANT S/O DILBAG SINGH residing at RZD-80 FLAT NO-3 UGF MAHAVIR ENCLAVE-1 DELHI-110045 have changed my name to HEMANT SANGWAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, AZRA KHAANAM W/O MOHD MOHSIN KHAN residing at H NO-956, STREET NO-8, R K MARG, CHAUHAN BANGAR, DELHI-110053 have change my name to AZRA KHANAM for all future purpose

NAME CHANGE
I, YASMEEN ROHI W/O NASEEM AHMAD Residing at H NO-T-332 GALI NO-9 NEAR WATER TANK GAUTAM PURI SEELAMPUR NORTH EAST DELHI - 110053 have changed my name to YASMEEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I RAJESH KUMAR S/O JAGANATH SINGH R/O S-988 A C NAGAR NEELAM BATA ROAD, NIT, FARIDABAD-121001 HAVE CHANGE MY NAME TO RAJESH SINGH FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, Divas Chawla S/o Kedar Nath Chawla R/o AZ/501, Parsvnath Exotica Golf Course Road, Sector - 53, Gurgaon (Haryana) - 122011, have changed my name to Divas Bhartiya Chawla for all Purposes.

NAME CHANGE
I, ANKESH YADAV son of No-4195000W Rank-HAV Name-SANJAY KUMAR R/o VPO-GUDANA (69), TEH+DIST-CHARKHI DADRI, HARYANA-127310 have changed my name from ANKESH YADAV to ANKLESH YADAV for all future purposes vide Affidavit Dated 11/12/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I. Radha W/O Sri Ranjeet Singh aged about 46 years R/O House No.A-505, Naveen Apartments, Pocket-13, Sector-5, Dwarka, New Delhi-110075, declare that name of mine has been wrongly written as RADHA SINGH in my minor son namely SIDDHANT SINGH aged 15 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is Radha which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I SHYAM SUNDER KHURANA, S/O SH. RAM SARAN KHURANA, R/O A 493, KALKA JI, NEW DELHI 110019 HAVE CHANGE MY NAME TO SHYAM SUNDER FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, DUPINDER SINGH ARORA S/O SH. NARINDER SINGH ARORA R/O J-7/115, 3RD FLOOR, RAJOURI GARDEN, NEW DELHI-110027 have changed my minor daughter name from GURASIS KAUR to GURASIS KAUR ARORA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that IJatin Mathur S/O Ravinder whictSingh R/O-HNo-504 Village Karala, North West Delhi , Delhi-110081.declare that the name of mine and my father has been wrongly written as Jatin and Ravindur Mathur in my 10th Class school certificate .The actual name of mine and my father are Jatin Mathur and Ravinder Singh. Which May be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
TO WHOMSOEVER
IT MAY CONCERN
My client Kishwer Husain, S/O Bashir Ahmed, R/O 278/A, Street D-14, Zakir Nagar, Jamia Nagar, Okhla, New Friends Colony, N.D., have severed all his relations and disowned/ Debarred his daughter in law Rizwana Parveen, W/O Late Mohammad Jameel Ansari, because of her bad activities/misbehavior, from all his moveable, immoveable properties, my client's shall not be responsible for her acts and conducts in future.
Parvez A. Siddiqui Advocate
En. No.D/1111/94
Chamber No. 815, Lawyers Chamber Block, Saket Court Complex, New Delhi -110017.
Mob: 9810213242

NAME CHANGE
I MOHD ARKHAM s/o mohd Ejaz R/o 502 Churi Walan ,Jama Masjid, Delhi 110006 havce changed my name from. MOHAMMAD AKRAM to MOHD ARKHAM for all future

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that my clients Mr. Dhirender S/o Shri Raj Singh and Mrs. Rakhi W/o Shri Shri. Dhirender both R/o Flat No. G-4, Tower-8, Amarpali Grand, Zeta-0I, Greater Noida, Sakipur, Gautam Budh Nagar U.P. 201306 has applied for the Loan against the property from Kotak Mahindra Bank Ltd. against the Property as Residential Flat/Dwelling Unit Bearing No. 601, on 6th Floor, in Tower-5, having super area measuring 190.52 Sq. Mtrs. (2050 Sq. Ft.), in the complex named "AMARPALI GRAND", Situated at Plot No. GH-09, Sector-Zeta-1, Greater Noida, District. Gautam Budh Nagar, U.P. (herein after referred as said property). She is the owner of said property and has lost Sub-Lease Deed dated 27.08.2013 executed by Greater Noida Industrial Development Authority & M/s. Bihariji Ispat Udyog Limited. in favour of Ms. Rama Lakshmi & Mrs. S. Prema in relation to property in question and the Lease Deed is duly registered as Document No. 23448 in Bahi No. 1, Jild No. 14154 on pages 21 to 62 on dated 20.09.2013. In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 10 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object as mentioned above.
RAJESH K GUPTA Advocate
F - 43, Dilshad Colony, Delhi- 110095,
8882766856,

आज जनता का पैसा जनता के लिए हो रहा खर्च : विधायक कल्याण

करनाल। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई पहल व विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा 11वें दिन रविवार को गांव नलवीपार व रसूलपुर कलां पहुंची, जहाँ घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण ने यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' मोदी सरकार की अब तक की सबसे व्यापक पहुंच वाली पहल है। समावेशी विकास के दृष्टिकोण पर आधारित इस यात्रा के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है कि सरकारी योजनाओं का लाभ देश के हर कोने में शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों व परिवारों तक पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने नलवीपार व रसूलपुर कलां के ग्रामीणों को देश को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रति शपथ भी दिलाई।

विधायक कल्याण ने देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार ने अनेक कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है और सुनिश्चित किया है कि हर पात्र व्यक्ति तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचे। इसके साथ-साथ व्यवस्था परिवर्तन के दृष्टिगत भी सरकार ने बेहतर काम करते हुए आम आदमी के जीवन का सरलीकरण किया है। आज प्रदेश में बिना पर्ची व खर्ची के मेहनती युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। इसके विपरीत पूर्व की सरकारों में पैसे लेकर सरकारी नौकरियां बेची जाती थी व विधायकों व सांसदों के रिश्तेदारों को बड़े पदों पर नियुक्ति मिलती थी। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने 1 लाख 10 हजार युवाओं को पारदर्शिता के आधार पर नौकरी देने का काम किया है और जल्द ही 60 हजार युवाओं को सरकार नौकरी देने जा रही है। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार के मामले इतने अधिक थे कि सरकारी खजाने का पता ही नहीं चलता था कि यह किसके लिए है। आज जनता का पैसा जनहित के कार्यों के लिए खर्च हो रहा है। पब्लिक का पैसा पब्लिक पर खर्च हो, तभी समाज की तरक्की संभव है। आयुष्मान भारत के तहत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त ईलाज मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीब लोगों के मकान पक्के किए जा रहे हैं।

विधायक ने अपने कार्यकाल के दौरान नलवीपार व रसूलपुर कलां में करवाए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नलवीपार गांव में आधुनिक आईटीआई बनाने की घोषणा की है। इससे दर्जनों गांवों

के युवाओं को कौशल विकास के दृष्टिकोण से फायदा होगा। यह पिछले करीब 10 सालों में घरौंडा को मिली दूसरी आईटीआई है। इससे पहले गांव बसताड़ा में भी आईटीआई की शुरूआत वर्तमान सरकार द्वारा की गई थी। इस मौके पर दोनों गांवों के ग्रामीणों ने आईटीआई की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल व विधायक हरविन्द्र कल्याण का धन्यवाद किया। विधायक ने बताया कि वर्तमान सरकार ने घरौंडा में 14 स्कूलों को अपग्रेड करते हुए दसवीं से बारहवीं तक का करने का काम किया जिससे हजारों छात्र छात्राओं को सीधा लाभ पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि घरौंडा विधानसभा में सडक़ों का जाल बिछाया गया है। नई सडक़ों के निर्माण के साथ-साथ पहले से मौजूद सडक़ों की मरम्मत व विस्तारीकरण का काम किया गया है। नई शुगरमिल की स्थापना से भी घरौंडा हलके के किसानों को सीधा लाभ मिला है। घरौंडा में करीब 12500 नए बीपीएल परिवार जुड़े हैं, जिन्हें सरकार की आयुष्मान भारत योजना, चिरायु हरियाणा, प्रधानमंत्री आवास योजना और मुफ्त राशन योजना का लाभ मिलना सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि नलवीपार गांव में 250 बीपीएल कार्ड थे, परिवार पहचान पत्र के लागू होने के बाद आज गांव में 1100 बीपीएल कार्ड बने हैं। आज पीपीपी के माध्यम से अपने आप पेंशन लागू हो रही है और सीधा लाभ लाभपात्र के खाते में पहुंचता है। विवाह शगुन राशि में बढ़ोतरी करते हुए इसे 71 हजार रुपये किया गया है जोकि पिछली सरकार के कार्यकाल से करीब 40 हजार रुपये अधिक है। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच नलवीपार जोगिन्द्र राणा ने विधायक हरविन्द्र कल्याण का स्वागत करते हुए दोनों गांवों में करवाए गए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद किया। इस मौके पर विधायक ने रसूलपुर कलां गांव की सरपंच संतोष देवी और सरपंच प्रतिनिधि रामकुमार को ओडीएफ प्लस का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विधायक ने स्कूलों के प्रांगण में परीक्षा परिणामों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित भी किया।

इन्हें मौके पर मिला आयुष्मान भारत कार्ड

गांव नलवीपार में उषा देवी, शीला देवी व तोषी देवी को आयुष्मान भारत कार्ड दिया गया तथा गांव रसूलपुर कलां में मौके पर ही 15 पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए जिनमें से रमेश, शिवानी व दीपचंद को मौके पर ही आयुष्मान कार्ड दिया गया।

इन्हें मौके पर पेंशन का लाभ

इस मौके पर विधायक हरविन्द्र कल्याण द्वारा गांव नलवीपार में सीमाबाई व लक्ष्मण सिंह को तथा रसूलपुर में लाजो देवी व आशा रानी को पेंशन प्रमाण पत्र दिए गए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से लोगों को मिल रहा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

चंडीगढ़। हरियाणा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग इस यात्रा से जुड़ रहे हैं और विकसित भारत का संकल्प लेकर भारत को एक मजबूत, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दसवें दिन की यात्रा में 62 हजार से ज्यादा लोगों ने विकसित भारत का संकल्प लिया। यह संकल्प लोगों को सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाने का प्रयास है और सभी नागरिकों को समृद्ध भविष्य की दिशा में एक साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है।

दसवें दिन 74 हजार लोगों ने की विकसित भारत संकल्प यात्रा में भागीदारी-यात्रा के दसवें दिन 9 दिसंबर को प्रदेशभर में 127 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमें 74 हजार से ज्यादा लोगों की भागीदारी रही। यात्रा के दौरान 20 हजार से ज्यादा लोग हेल्थ कैंपों में पहुंचे और अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच करवाई। 13785 लोगों की टीबी की स्क्रीनिंग की गई। यात्रा के दौरान 161 लोगों ने आयुष्मान कार्ड शिविर का लाभ उठाया, 165 लोग आधार कार्ड कैंप में पहुंचे और 97 किसानों ने नेचुरल फार्मिंग से संबंधित जानकारी ली। वहीं सैकड़ों लाभार्थियों का पीएम उज्ज्वला योजना के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया।

स्थानीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियां सम्मानित-यात्रा में जनभागीदारी बढ़ाने व समाज के लिए अच्छा कार्य करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से स्थानीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। दसवें दिन 990 मेधावी छात्रों, सामाजिक कार्य करने वाली 747 महिलाओं, 260 स्थानीय खिलाड़ियों और 231 लोक कलाकारों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिए सुनिश्चित किया जा रहा है कि पात्र लाभार्थियों को सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं और योजनाओं के बारे में सही जानकारी मिले ताकि वे इनका सही तरीके से लाभ उठा सकें। यह यात्रा पूरे राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने में कामयाब साबित हो रही है।

हरियाणा में इस बार नारी शक्ति ही लाएगी बदलाव, क्योंकि वह सबसे ज्यादा त्रस्त है: किरण चौधरी

भिवानी। पूर्व कैबिनेट मंत्री और विपक्ष की पूर्व नेता किरण चौधरी ने हरियाणा का भाजपा-जजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रदेश में पिछले 9 साल से नारी शक्ति सबसे ज्यादा त्रस्त है। प्रदेश में इस बार यह नारी शक्ति ही बदलाव लाएगी।

किरण चौधरी रविवार को भिवानी में हुए महिला सम्मेलन में राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा और पूर्व सांसद एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्रुति चौधरी के साथ मंच साझा करते हुए महिलाओं को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति की उपस्थिति देख साफ जाहिर है कि आने वाला कल प्रदेश में कांग्रेस का है। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार को जुमलेबाज बताते हुए कहा कि वायदे के मुताबिक क्या दो करोड़ लोगों को रोजगार दिया गया? क्या किसानों की आय दोगुनी हुई? क्या देश में काला धन वापस आया? क्या बैंक खातों में 15-15 लाख रुपए आए? क?या महिला सुरक्षा का वादा पूरा किया? क्या देश में महंगाई कम हुई? क्या प्रदेश सरकार के पोर्टलों से किसी का भला हुआ? उन्होंने कहा कि इन सब सवालों का जवाब एक ही है, कि कुछ भी नहीं हुआ। इस जुमलेबाज सरकार की बातें और वादे भी जुमलों से कम नहीं।

जादूगर शिव कुमार ने अपने मैजिक शो का धारूहेड़ा में किया आगाज

धारूहेड़ा। देश दुनिया के जाने-माने जादूगरों में शुमार एशिया प्राइड अवॉर्ड विजेता एकमात्र जादूगर शिवकुमार ने रविवार को धारूहेड़ा कस्बे के सुभाष चंद्र बोस चोक के समीप अपने तिलिस्मी मैजिक शो का आगाज किया। मैजिक शो का शुभारंभ धारूहेड़ा नगर पालिका चेयरमैन कंवर सिंह यादव ने फीता काट कर किया। शो के शुभारम्भ पर जादूगर शिवकुमार ने अपने केंप मेनेजर मोतीलाल के साथ कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों सहित दर्शकों का हार्दिक अभिनंदन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि रहे धारूहेड़ा नगर पालिका चेयरमैन कंवर सिंह यादव ने कहा कि मैजिक शो के जरिए जादूगर शिव कुमार काफी लंबे समय से लोगों को सामाजिक संदेश देते आ रहे हैं और मैं सभी क्षेत्र वासियों से कहना चाहूंगा की वो शांति पूर्ण तरीके से जादू शो देखे और हमारे कस्बे में पधारे हमारे अतिथि जादूगर शिवकुमार का सम्मान कर एक अच्छे कस्बेवासी होने का परिचय दें। वहीं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किसान मोर्चा रामपाल यादव ने कहा कि हमें कलाकारों की कदर करनी चाहिए। हमें गर्व है कि हमारे देश में जादूगर शिव कुमार जैसे कलाकार मौजूद हैं जो लुप्त होने जा रही एक कला को दिखाने के लिए अपने शहर में आए हैं। वहीं जादूगर ने बताया की वो प्राचीन समय से चली आ रही इस जादू कला को जिंदा रखने में अपने जी जान से लगे हुए हैं।

एक से बढ़कर एक जादूई करिश्मे देख दर्शक हुए अचंभित

वहीं जादू शो के दौरान जादूगर शिव कुमार के हैरत अंजेब कारनामों से भरे आइटम देखकर दर्शक दंग रह गए। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के इस मैजिक शो को देख कस्बेवासी बड़े प्रसन्न नजर आए। इस मौके पर धारूहेड़ा नगर पालिका चेयरमैन कंवर सिंह यादव,रामपाल यादव राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किसान मोर्चा,मंगल सेठ,सुरेश अग्रवाल,अशोक कोशलिया भाजपा महामंत्री सहित अनेक गणमान्य लोगों सहित काफी संख्या में मीडियाकर्मी व दर्शक मौजूद रहे।

पेड़ लगाना हे,पुण्य कमाना हे,मेरा यह संदेश हर एक को पहुंचाना है। - इस दौरान जादूगर शिव कुमार ने उपस्थित अतिथि व दर्शकों को संबोधित करते हुए आम जनता से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ, नशा मुक्त रहने सहित कला की कद्र करने की गुजारिश की। उन्होंने बताया कि उनका धारूहेड़ा कस्बे में यह विशेष मैजिक शो चन्द दिनों के लिए आया है जिसमें वो इस बार नए नए आइटम लेकर आए हैं जो दर्शकों को काफी लुभाएंगे। जादूगर शिव कुमार ने मानव कटिंग, लड़की को गायब करना, लड़की को हवा में उड़ाना, खाली हाथों से नोटों की बारिश करना,लड़की के आठ टुकड़े करना, वरमुंडा ट्राइंगल इफेक्ट जैसे खतरनाक आइटम दिखाए जिसको देखकर दर्शकों ने दातों तले उंगली दबा ली।

संतों के आगमन से संतमय हुआ अम्बाला

अम्बाला शहर। धुरकड़ा गांव के पास राजेश्वरानंद योगपीठ के भूमि पूजन में संतों के आगमन से अम्बाला संतमयी हो गया। योगपीठ भूमि पूजन में सनातनी, सिख व जैन संतों ने पहुंच अपना आशीर्वाद दिया। इस मौके पर योगपीठाधीश्वर राजेश्वरानंद ने कहा कि योगपीठ में रोगों के निवारण के साथ-साथ साधुवाद से जीवन मंगलमय होगा। दरअसल धार्मिक ग्रंथों में गंभीर से गंभीर शारीरिक व मानसिक रोगों का समाधान उपलब्ध है। गुरुओं द्वारा दर्शाई गई इन ज्ञान विधियों को अपनाकर लोगों का इलाज करने के लिए स्वामी राजेश्वरानंद द्वारा इस योगपीठ की नींव आज अम्बाला में आयोजित एक भव्य समारोह दौरान रखी गई। अध्यात्म, प्रकृति व विज्ञान के अनूठे संगम राजेश्वरानंद योगपीठ के भूमि पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सनातनी, सिख तथा जैन संतों के अलावा राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने शिरकत की। स्वामी राजेश्वरानंद ने कहा कि मानवता की सेवा के लिए बनाए जा रहे इस योगपीठ का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की मूल परंपराओं का संपूर्ण विश्व में प्रसार करने के साथ-साथ आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, योग व पर्यावरण संरक्षण द्वारा रोगों का संपूर्ण उपचार करना है। इस मौके मुख्य संतों के प्रवचनों से पूरा पंडाल मंगलमय हो गया। इस मौके सनातनी संतों में ज्ञान देव उदासी ब्रह्मा अखाड़ा हरिद्वार, गौ सेवा मिशन के परमाध्यक्ष कृष्णानंद, महामंडलेश्वर स्वामी संपूर्णानंद, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद, स्वामी श्री श्री 1008 कालिदास, सुमेर सिंह महंत कबीर चौरा मठ मूलगादी काशी कबीरपंथी, महंत नारायण गिरी जूना अखाड़ा गाजियाबाद, स्वामी अमित देव दिल्ली वाले, स्वामी डॉक्टर वागिश स्वरूप काशी, सिख धार्मिक हस्तियों में सचखंड श्री हरमंदिर साहिब से ज्ञानी इंद्रजीत सिंह, तख्त श्री केशगढ़

साहिब आनंदपुर साहिब से ज्ञानी गुरप्रीत सिंह, बाबा जसप्रीत सिंह सोढ़ी अंश वंश श्री गुरु हरगोबिंद सिंह विशेष तौर पर मौजूद रहे। संत रेन बाबा लखबीर सिंह खालसा, संत बाबा अमरीक सिंह बोरपुर, संत बाबा बलविंदर सिंह फतेहगढ़ चना वाले, बाबा सुरेंद्र सिंह खालसा मलोट वाले, बाबा नाजर सिंह, बाबा जगजीत सिंह खालसा, संत बाबा सुखदेव सिंह अमन नगर वाले, संत बाबा जरनैल सिंह खालसा पटियाले वाले, संत बाबा सरबजोत सिंह पटियाले वाले, संत बाबा गुरप्रीत सिंह उदासीन सोहलगढ़ वाले, संत बाबा कुलविंदर सिंह आदि मौजूद थे।

उपेक्षा का शिकार हुआ पांडवकालीन मंदिर

होडल। होडल के ऐतिहासिक महाभारतकालीन पांडव मंदिर की लगातार हो रही उपेक्षा के कारण मंदिर का अस्तित्व दिन-प्रतिदिन क्षीण होता जा रहा है। सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने इस मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग की है। उल्लेखनीय है कि महाभारत काल में अज्ञातवास के दौरान होडल क्षेत्र में पांडवों ने द्रोपदी के साथ निवास किया था। पांडवों ने यहां एक सुरंग का निर्माण किया था। पांडवों ने यहां एक तालाब तथा मंदिर का निर्माण किया था। यहां पर भगवान कृष्ण व राधा की मूर्ति भी स्थापित की गयी थी। पांडवों द्वारा बनाया गया मंदिर व तालाब पांडवकालीन यादों को समेटे हुए है। वहीं होडल के राबिया पट?टी वासियों ने इस मंदिर के लिए कई एकड़ जमीन दान में दी हुई है। इसमें पैदा होने वाली फसल से मंदिर का रखरखाव किया जाता है। प्रदेश सरकार द्वारा महाभारतकालीन पुरानी धरोहरों को सहजने के लिए होडल स्थित इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराने के निर्णय के तहत इस प्राचीन महाभारतकालीन पांडव वन मंदिर को भी लिया गया था। लेकिन इस मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए कोई भी राशि हरियाणा सरकार द्वारा नहीं प्रदान की गई थी, जिस कारण से मंदिर में बनाया गया तालाब पानी ना होने के कारण पूरी तरह से सूख गया है। सरकार की उपेक्षा के कारण मंदिर जर्जर हालत में पहुंच गया है। होडल के सामाजिक संगठनों अलॉयंस क्लब प्रधान अनिल कंसल, पूर्व प्रधान महेंद्र मंगला, महेंद्र गर्ग, मार्केट कमेटी पूर्व चेयरमैन सुनील मित्तल, महाराजा अग्रसेन सेवा समिति प्रधान राजेश गर्ग, व्यापार मंडल प्रधान श्याम सुन्दर मंगला, जैन समाज पूर्व प्रधान डॉ. राजेश जैन, लायन्स क्लब पूर्व प्रधान डॉ. रोहताश सिंगला पदाधिकारियों ने इस पांडवकालीन मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की सरकार से मांग की है।

समाज उत्थान में महिलाओं को आगे लाने के लिए प्रदेश भर में होंगे संवर्धिनी समागम

चंडीगढ़। महिलाएं देश के विकास में ज्यादा से ज्यादा भूमिका निभा सकें, इसके लिए जागृत महिलाओं को एक मंच पर लाने के लिए श्री शक्ति सेवा संस्थान हरियाणा में भी एक बड़ी पहल करने जा रहा है। प्रदेशभर में जागृत महिलाओं के सात संवर्धिनी समागम करने का फैसला लिया गया है। संवर्धिनी समागम की शुरुआत गुरुग्राम के मानेसर से होगी। मानेसर में 17 दिसंबर को होने वाले संवर्धिनी समागम में गुरुग्राम व नूहं जिले की तीन हजार से अधिक जागृत महिलाएं शामिल होंगी। जो भारतीय स्त्री दर्शन , महिलाओं के समक्ष स्थानीय समस्याएं एवं समाधान , भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका विषयों पर चर्चा करेंगी। मानेसर के बाद 24 दिसंबर को फरीदाबाद में महिलाओं का यह समागम होगा। संबंधित कार्यों के लिए टोलियां गठित कर दी गई हैं। मानेसर के सेक्टर एक कम्युनिटी सेंटर में 17 दिसम्बर को होने वाले समागम की संयोजिका प्रतिमा मनचंदा को बनाया गया है। श्रीमती प्रतिमा मनचंदा को फरीदाबाद और रेवाड़ी में होने वाले समागम की संयोजिका का दायित्व भी दिया गया है।

महिला समन्वय हरियाणा के पालक श्री प्रताप सिंह समन्वयक के रुप में हरियाणा भर में होने वाले सभी संवर्धिनी समागम में उपस्थित रहेंगे। महिला समन्वयक हरियाणा के पालक श्री प्रताप सिंह और महिला विभाग सम्मेलन की केंद्रीय संचालन समिति की प्रमुख रेणु पाठक ने बताया कि

प्रदेश भर में होने वाले सभी सातों समागमों की तिथि तय हो गई है। उन्होंने बताया कि 28 जनवरी को एक ही दिन में रोहतक, हिसार और करनाल में संवर्धिनी समागम आयोजित होंगे। इसके बाद 4 फरवरी को रेवाड़ी, 18 फरवरी को अंबाला में संवर्धिनी समागम होंगे। उनके अनुसार हर समागम में तीन हजार महिलाओं के सहभागी होने का लक्ष्य रखा गया है।

मानेसर समागम की संयोजिका श्रीमती प्रतिमा मनचंदा ने बताया कि मानेसर संख्या तीन हजार से अधिक भी हो सकती है। इस समागम में भारतीय स्त्री दर्शन, महिलाओं के समक्ष स्थानीय समस्या एवं समाधान व भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका जैसे प्रमुख विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी। इस एक दिवसीय समागम को सार्थक बनाने के लिए टोलियां गठित कर दी गई है। श्रीमती मनचंदा के अनुसार इस समागम में गांव की सरपंच, पंच, पार्षद, अधिवक्ता, चिकित्सक, सीए, खिलाड़ी, अवार्डी, शिक्षिकाएं, अन्य व्यवसाय से जुड़ी, सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाएं भाग लेंगी। ऐसे महिलाओं से संपर्क करने लिए 20 से अधिक टोलियां बनाई गई है। हर वर्ग से बहने इस विशेष समागम में भाग ले सके इसकी पूर्ण योजना बना ली गई है व उस पर कार्य भी शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही भारत की वीरांगनाओं की प्रदर्शनी, स्वदेशी उत्पाद, पर्यावरण संरक्षण के उपाय, ऑर्गेनिक खाद्य के उत्पाद का अनुकरणीय सन्देश भी दिया जाएगा।

ये महिला हस्तियां रहेंगी मौजूद

श्रीमती मनचंदा ने बताया कि समागम की गरिमा का इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि स्वागत समिति में वरिष्ठ समाज सेविका मीना जिंदल की अध्यक्षता में पद्मश्री कबड्डी कोच सुनील डबास, प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ ज्योति यादव, सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य इंदु जैन, वाईएमसीए फरीदाबाद विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार मेहा भारद्वाज व समाज सेविका अनिता गर्ग शामिल है।

महिला विभाग सम्मेलन की केंद्रीय संचालन समिति की प्रमुख रेणु पाठक ने बताया कि शक्ति सेवा संस्थान के माध्यम से समूचे भारत वर्ष में इस प्रकार के समागम का आयोजन किया जा रहा है।

विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ही संस्था का एकमात्र उद्देश्यः डॉ. के. सी. शर्मा

उकलाना। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 के अंतर्गत क्षेत्र में खंड स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खंड स्तर पर होने वाली निबंध लेखन, गीता श्लोकोच्चारण, भाषण, संवाद, प्रश्नोत्तरी व पेंटिंग आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में आर0 डी0 एम0 सरस्वती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया व उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संस्था के अध्यक्ष कृष्ण से शर्मा ने कहा की संस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है वही स्कूल पर आचार्य चालू अश्विन कटारिया ने कहा गई हमारा उद्देश्य अनुशासन ही जीत का प्रेरक है। घोषित परिणाम के अनुसार प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं की महकप्रीत व सोनल तथा कक्षा आठवीं की मानसी की टीम ने प्रथम ,संवाद में सातवीं कक्षा की चेतना व रेहाना की टीम ने द्वितीय, निबंध लेखन में कक्षा ग्यारहवीं(विज्ञान) की दीक्षा, दसवीं की मुस्कान व कक्षा नौवीं की पायल ने चतुर्थ,श्लोकोच्चारण में कक्षा सातवीं की अनुष्का व पेंटिंग में कक्षा दसवीं की विंशु ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। भाषण में कक्षा दसवीं के प्रियांश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान प्राप्त किया।

प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले विजेताओं का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए सुनिश्चित हुआ है। प्रथम, द्वितीय व तृतीय सभी विजेताओं को नगद राशि क्रमशः 1100,750, 500 व 100 रूपये सांत्वना पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

संस्था प्रबंधक डॉ0के0सी0 शर्मा व प्रधानाचार्या डॉ0शालू एस0कटारिया ने सभी विजेता विद्यार्थियों तथा आर0 डी0 एम0 सरस्वती के स्टाफ सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने विजेता टीमों को जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन के लिए अग्रिम शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुगलपुरा वासियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

उकलाना। असीजा खंड के गांव मुगलपुरा की पंचायत की ओर से ग्राम वासियों के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में थे पर बने शिव मंदिर एवं पीर की समाध को जाने वाले रास्ते की सफाई की गई वहीं बताया कि हर सप्ताह ऐसे ही स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा ताकि पूरा गांव स्वच्छ हो। गांव के पंच दीपक राजोरा ने बताया कि उन्होंने एक वीडियो देखी थी जिसमें पूर्ण गांव कैथल जिले का जो सबसे स्वच्छ गांव है और स्वच्छता पर पुरस्कार मिला है ऐसा ही पुरस्कार वह इस गांव के लिए जाना चाहते हैं इस सोच के तहत में काम कर रहे हैं और पूरे गांव का इसमें सहयोग मिल रहा है। हर सप्ताह जहां रविवार के दिन सफाई कर्मियों की छुट्टी होती है तो वही ग्रामवासी पूरे गांव को स्वच्छ करने का काम करेंगे जिसमें पंच राजकुमार, विजय ,मनजीत कौर ,नरेश ,रामनिवास आदि पंचों ने भी अपना सहयोग दिया वहीं गांव के पूर्व सरपंच धर्मपाल, रोहित एलटी, प्रवीण ,सचिन मुगलपुरा ,कृष्ण ,ललित, सुलोचना ,सुपारी आदि महिलाओं ने भी अपना सहयोग देकर गांव को स्वच्छ बनाने का बीड़ा उठाया और हर सप्ताह रविवार के दिन स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

कांग्रेस को देना होगा लूट की पाई पाई का हिसाब- एडवोकेट वेद पाल

करनाल। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के पास 300 करोड़ रुपए से ज्यादा कैश पाए जाने पर आज भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा के नेतृत्व में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मिनी सचिवालय के सामने कांग्रेस पार्टी व उसके सांसद धीरज साहू के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया एवं कांग्रेस का पुतला फूंका। इस मौके पर मौजूद भाजपा प्रदेश महामंत्री एडवोकेट वेद पाल ने कहा कांग्रेस सांसद से करोड़ों की बरामदगी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज कांग्रेस ने अपने राज्यसभा सांसद से दूरी बना ली जबकि उसे जवाब देना चाहिए कि इतनी रकम कहां से आई है

उन्होंने इस मौके पर कांग्रेस मुक्त भारत की बात पर कहा कि कहा कि भाजपा ने हमेशा कांग्रेस मुक्त भारत की बात कही है उसका मतलब भ्रष्टाचार मुक्त भारत है,भाई भतीजा वाद मुक्त भारत, घोटाले मुक्त भारत है

उन्होंने कहा कि कांग्रेसी नेताओं के जो जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी क्योंकि यह मोदी की गारंटी है। आज नोट गिनते-गिनते इंसान ही नहीं मशीनें भी थक गईं, लेकिन कांग्रेस के एक भ्रष्ट नेता के घर से लगातार पैसे बरामद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतनी बडी रकम जो कांग्रेसी सांसद से बरामद हुई है यह गरीबों से लूटी हुई रकम है जो देश के विकास मे लगाई जा सकती थी

राहुल गांधी की मुहब्बत की दुकान पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि क्या यही घोटाले ही कांग्रेस की मुहब्बत की दुकान में मिलते हैं

उन्होंने इस मौके पर बताया कि कांग्रेसी सासंद धीरज साहू राहुल गांधी की यात्रा के दौरान सबसे आगे था ओर अब कांग्रेस इससे पल्ला झाड़ रही है, उन्होंने कांग्रेसी राज्यसभा सांसद से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस को इसका जवाब देना होगा।

कांग्रेस दे रही भ्रष्टाचार को बढावा -योगेंद्र राणा

भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने इस अवसर पर कहा कि कांग्रेस नेतृत्व इस मामले में चुप है, जिससे स्पष्ट है कि वह भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। अब कांग्रेस का असली चेहरा जनता के सामने आ गया है। पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए काम कर रही है। कांग्रेस व उनके सहयोगी दल सनातन का अपमान करते हैं।

कांग्रेस नेताओं ने सत्ता का दुरुपयोग कर कालाधन जमा किया। पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा में अब एक-एक रुपये का हिसाब लेगी। जनता के सामने कांग्रेस के असली चेहरे को बेनकाब किया जाएगा ओर कांग्रेस पार्टी के इस भ्रष्टाचार की पोल खोलेगी। इसके तहत ही पुतला फूंका गया है क्योंकि भाजपा व पीएम नरेन्द्र मोदी की गारंटी है कि भ्रष्टाचार में संलिप्त किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा।

कांग्रेस कर रही इस मामले पल्ला झाड़ने का प्रयास-संजय बठला

मुख्यमंत्री प्रतिनिधि संजय बठला ने इस मौके पर बोलते हुए कहा कि इस मामले में कांग्रेस का भ्रष्टाचार से पल्ला झाड़ने का प्रयास है। जितनी बड़ी राशि राज्य सभा सदस्य से मिली है, उसको गणना करने में मशीनें तक गर्म हो गई। कांग्रेस पार्टी इसकी जिम्मेदारी भी नहीं ले रही है। अब तक पार्टी को धीरज साहू को निष्कासित कर देना चाहिए था क्योंकि राज्य सभा सदस्य महत्वपूर्ण पद है जिस पर पार्टी ही चुनकर अपने नेता या प्रतिनिधि को भेजती है। इस मौके पर भाजपा प्रदेश महामंत्री एडवोकेट वेद पाल,इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप, घरोंडा हरविंद्र कल्याण, पूर्व मंत्री शशीपाल मैहता, मुख्यमंत्री प्रतिनिधि संजय बठला,डिप्टी चैयरमेन नगर निगम राजेश अघी,

जिला उपाध्यक्ष प्रवीण लाठर, जिला महामंत्री राजबीर शर्मा, सुनील गोयल,जिला मीडिया प्रभारी डा अशोक कुमार, जिला कोषाध्यक्ष बृज गुप्ता,

पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक सुखीजा, पार्षद वीर विक्रम, मेघा भंडारी, मंडल अध्यक्ष सुनील गुप्ता, साहिल मदान, महिला मोर्चा अध्यक्षा मीनाक्षी भिंडर

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAHUL alias RAHUL SINGH S/o KARAMVIR SINGH, residing at House No. 2180, Near Gate No. 3, Sector-18 H.S.V.P., Panipat, Haryana-132103, have changed my name and shall hereafter be known as RAHUL SINGH.

मोदी सरकार के इस फैसले के बाद ड्रोन स्टॉक्स भरेंगे उड़ान, 2 साल में 1284 फीसद तक का दे चुके हैं छप्परफाड़ रिटर्न

नई दिल्ली/ दुबई। भारत अगले पांच सालों के भीतर ऐसे ड्रोन तैयार कर लेगा, जो युद्धक विमानों से उड़ान भर सकेंगे। रक्षा सूत्रों के अनुसार, एयरलांच एंटी रेडिएशन कांबेट स्वार्म ड्रोन का निर्माण देश में ही करने का निर्णय लिया गया है। मोदी सरकार के इस फैसले के बाद ड्रोन बनाने वाली कंपनियों के शेयर उड़ान भर सकते हैं।

पारस डिफेंस: सबसे पहले पारस डिफेंसकी बात करें तो यह स्टॉक महज दो साल में 43 फीसद का रिटर्न दे चुका है। 492.45 रुपये से यह 739.45 रुपये तक पहुंचने के बाद 705.55 रुपये पर है। एक समय यह 1198.30 रुपये का ऑल टाइम हाई पर भी पहुंचा था। अभी सह स्टॉक 52 हफ्ते के लो 696.75 रुपये के करीब है। पिछले एक महीने में 3.57 फीसद क रिटर्न देने वाले इस डिफेंस स्टॉक ने छह महीने में 25 फीसद और इस साल अबतक 19 फीसद का रिटर्न दिया है।

जेन टेक्नोलॉजीज : एंटी ड्रोन बनाने वाली कंपनी जेन टेक्नोलॉजीज का प्रदर्शन शानदार है। 8 साल में इसने 1235 फीसद का छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। मल्टबैगर जेन टेक्नॉलजीज ने पांच साल में 1048 फीसद और पिछले एक साल में 284 फीसद का दमदार रिटर्न देकर अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इस साल अबतक इसने अपने निवेशकों के पैसे को 297 फीसद रिटर्न के साथ करीब चार गुना कर दिया है। पिछले छह महीने के इसके प्रदर्शन की बात करें तो यह 74 फीसद से अधिक उछल चुका है। इसका 52 हफ्ते का हाई 911.40 और लो 175.15 रुपये है।

255 रुपये से टूटकर 23रुपय पर आया यह शेयर, अब लगातार बढ़ रहा भाव, निवेशक गदगद

नई दिल्ली/ दुबई। अनिल अंबानी की कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस पावर के शेयर इन दिनों फोकस में हैं। कंपनी के शेयर 3फीसदी तक चढ़कर 23.90 रुपये पर पहुंच गए थे। पिछले पांच कारोबारी दिन में यह शेयर 13.81त्न चढ़ा है और पिछले छह महीने में यह शेयर 50.79 चढ़ा है। इस साल YTD में यह शेयर 62.59फीसदी चढ़ चुका है।

92त्न टूट चुका है शेयर

आपको बता दें कि रिलायंस पावर के शेयरों में इस साल तेजी रही है। लेकिन लंबी अवधि में इस शेयर ने निवेशकों को तगड़ा नुकसान भी कराया है। 2008 में इस शेयर की कीमत 255 रुपये थी और वर्तमान में यह शेयर 23.90 रुपये के भाव पर है। यानी इस दौरान इसमें 91त्न की गिरावट आई है।

सितंबर तिमाही के नतीजे

सितंबर तिमाही में अधिक राजस्व के कारण रिलायंस पावर का समेकित शुद्ध घाटा कम होकर ?237.76 करोड़ हो गया था। फाइलिंग के अनुसार, एक साल पहले की अवधि में इसका समेकित शुद्ध घाटा ?340.26 करोड़ था। तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर ?2,130.83 करोड़ हो गई, जो पिछले साल ?1,945.14 करोड़ थी। रिलायंस पावर, रिलायंस समूह का एक हिस्सा, देश की प्रमुख निजी क्षेत्र की बिजली उत्पादन और कोयला संसाधन कंपनी है।

इस सस्ते शेयर ने पकड़ी तूफानी रफ्तार, लगातार अपर सर्किट, कंपनी के पास करोड़ों का ऑर्डर

नई दिल्ली। केबल-वायर बनाने वाली कंपनी पैरामाउंट कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयरों में अपर सर्किट लग गया। यह अपर सर्किट 5 प्रतिशत का था। BSE पर इस शेयर की कीमत 68.61 रुपये है। आठ सितंबर 2023 को इस शेयर ने 76.21 रुपये के स्तर को टच किया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। पिछले कुछ दिनों के पैटर्न को देखें तो इस शेयर में अपर सर्किट लगा और कुछ ही दिन में निवेशकों को मालामाल किया है। पिछले तीन वर्षों में शेयर में 700 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है। कैसे थे दूसरी तिमाही के नतीजे: पैरामाउंट कम्युनिकेशंस ने वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में मजबूत तेजी देखी। इसके राजस्व में साल-दर-साल 18.76 प्रतिशत और क्रमिक रूप से 19.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसका एबिट और प्रॉफिट साल-दर-साल क्रमशः 36.69 प्रतिशत और 54.44 प्रतिशत बढ़ा है। EBITDA मार्जिन 9.2 प्रतिशत तक पहुंच गया और नेट प्रॉफिट मार्जिन 7.7 प्रतिशत तक चढ़ गया। बता दें कि कंपनी के पास 361 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक है। कंपनी के ग्राहकों में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत सरकार के विभाग शामिल हैं। कंपनी के बारे में: पैरामाउंट कम्युनिकेशंस लिमिटेड भारत की अग्रणी केबल और तार निर्माण कंपनियों में से एक है। इसकी स्थापना 1955 में हुई थी। इसके उत्पाद में पावर केबल, घरेलू तार, एचटी केबल, ऑप्टिकल फाइबर केबल और अन्य टेलीकॉम केबल, सिग्नलिंग केबल, रेलवे केबल, विशेष केबल, इंस्ट्रुमेंटेशन और डेटा केबल, फायर सर्वाइवल केबल शामिल हैं।

कच्चा तेल 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में पिछले दिनों के मुकाबले कुछ तेजी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 77 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। देश में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई फेरबदल नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 90.08 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.80 रुपये और डीजल 94.40 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते

के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.30 डॉलर यानी 0.40 फीसदी की उछाल के साथ 76.14 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.19 डॉलर यानी 0.27 फीसदी की बढ़त के साथ 71.42 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

डॉ. अनीश शाह ने फिक्की के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने महिंद्रा एंड महिंद्रा के प्रबंध निदेशक और समूह सीईओ डॉ. अनीश शाह को 2023-2024 के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया है। फिक्की के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. अनीश शाह ने नई दिल्ली में आयोजित चेंबर के 96वें वार्षिक सम्मेलन में शुभ्रकांत पांडा से अध्यक्ष का पदभार संभाला लिया।फिक्की ने जारी एक बयान में जानकारी दी कि डॉ. अनीश शाह ने 2023-2024 के लिए चेंबर के अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है। शाह ने शुभ्रकांत पंडा का स्थान लिया है, जिनका कार्यकाल पिछले दिनों समाप्त हो गया। इसके अलावा इमामी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हर्ष वर्धन अग्रवाल को

फिक्की का वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आरपीजी ग्रुप के उपाध्यक्ष अनंत गोयनका को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।डॉ. अनीश शाह ने फिक्की के अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद कहा कि उनकी प्राथमिकता प्रत्येक उद्योग में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करना और व्यवसायों में मूल्य निर्माण को सक्षम करना है। शाह ने कार्नेगी मेलॉन टेपर स्कूल ऑफ बिजनेस से पीएचडी की डिग्री हासिल की है। इसके अलावा उन्होंने अहमदाबाद के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा किया है।

अडानी ग्रुप के शेयरों में तूफानी तेजी तो मालामाल हो गए LIC समेत 2 बड़े निवेशक, हफ्तेभर में 65फीसदी तक रिटर्न

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह गौतम अडानी समूह के शेयरों में 65फीसदी तक की तेजी देखने को मिली। इस तेजी की वजह से समूह के दो सबसे बड़े निवेशकों ने केवल 5 दिनों में कुल 19,500 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा कमाया। ये दो निवेशक- जीक्यूजी पार्टनर्स और एलआईसी हैं। सितंबर तिमाही तक के पैटर्न को देखें तो दिग्गज निवेशक राजीव जैन के जीक्यूजी पार्टनर्स ने अडानी समूह के 6 शेयरों में दांव लगाया था। इस हिस्सेदारी का मूल्य 28त्न या 7,287 करोड़ रुपये बढ़कर 32,887 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह, अडानी समूह के 7 शेयरों में एलआईसी की हिस्सेदारी 12,234 रुपये बढ़ बढ़कर 58,017 करोड़ रुपये हो गई। बता दें कि हिंडनबर्ग संकट के बीच जीक्यूजी पार्टनर्स ने मार्च महीने में अडानी समूह की चार

कंपनियों- अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी ट्रांसमिशन (जिसका नाम बदलकर अडानी एनर्जी सॉल्यूशन कर दिया गया है) और अडानी एंटरप्राइजेज में 15,446 करोड़ रुपये के निवेश के साथ शुरुआत की। इसके बाद अडानी पावर और समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स में भी हिस्सेदारी खरीदी। इसी तरह, बीमा कंपनी एलआईसी के पास एसीसी के अलावा उन सभी अडानी शेयरों में हिस्सेदारी है, जिस पर जीक्यूजी पार्टनर्स का भी दांव है। बता दें कि बीते सप्ताह की तेजी की वजह से अडानी के 10 शेयरों का कुल बाजार पूंजीकरण 3.14 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 14.36 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह कैलेंडर वर्ष 2023 में समूह के लिए सबसे अच्छा साप्ताहिक लाभ है। पिछले सप्ताह समूह के सभी 10 स्टॉक दोहरे अंकों में बढ़े। इसमें भी सबसे बड़ी तेजी अडानी टोटल गैस में थी। यह स्टॉक लगभग 65फीसदी बढ़ गया है।

अगले साल रेपो दर में कटौती से बढ़ सकती है खरीदारी, कीमतें और ब्याज दर बढ़ने से घटी घर खरीदने की क्षमता

नई दिल्ली। ब्याज दरों और कीमतों के बढ़ने से पिछले दो वर्षों में सात प्रमुख शहरों में घर खरीदने की लोगों की क्षमता में गिरावट आई है। जेएलएल इंडिया के अनुसार, रेपो दर में अगर कमी आती है तो अगले साल इसमें सुधार दिख सकता है। खरीदने की क्षमता में सुधार से घर की बिक्री को और बढ़ावा मिलेगा।

जेएलएल ने होम परचेज अफोर्डेबिलिटी इंडेक्स (एचपीएआई) जारी किया। इसने कहा, 2022 की तुलना में 2023 में मकान खरीदने की लोगों की क्षमता थोड़ी कम हो सकती है या समान रह सकती है। 2024 में घर खरीदने की क्षमता में सुधार दिख सकता है। उस दौरान ब्याज दरों में कटौती के संकेत हैं जिससे मकानों की बिक्री बढ़ सकती है। जेएलएल को उम्मीद है कि रेपो दर में 0.60 से 0.80 फीसदी

तक कटौती हो सकती है। एचपीएआई औसत घरेलू आय और पात्र घरेलू आय का अनुपात है। योग्य घरेलू आय वह न्यूनतम आय है जो एक परिवार को मौजूदा बाजार मूल्य पर 1,000 वर्ग फुट के अपार्टमेंट पर होम लोन के लिए योग्य हो। आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में मकान खरीदने की क्षमता 92 से घटकर 88 पर आ गई है। जबकि दिल्ली-एनसीआर में यह 125 से घटकर 121 पर आ गई है।

100 से नीचे का मतलब पर्याप्त आय नहींइंडेक्स में 100 का स्तर होने का मतलब एक परिवार के पास लोन पाने के लिए पर्याप्त आय है। 100 से कम मूल्य का अर्थ है कि एक औसत परिवार के पास होन लोन के लिए पर्याप्त आय नहीं है।

बंगलूरू-हैदराबाद भी प्रभावित

रिपोर्ट के अनुसार, बंगलूरू में घर खरीदने की क्षमता का इंडेक्स 168 से घटकर 158 पर आ गया है। हैदराबाद में यह 174 से 169 पर आ गया है। पुणे में 183 से 182 और कोलकाता में यह 194 से 193 पर आ गया है। चेन्नई का इंडेक्स 162 पर ही स्थिर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह इंडेक्स 2013 में सबसे निचले स्तर था। लेकिन 2014 से इसमें तेजी आई थी।

प्याज के बाद अब लहसुन हुआ महंगा

नई दिल्ली। प्याज के बाद अब लहसुन आंखें तरेर रहा है। अब गरीबों की चटनी पर महंगाई की बड़ी मार पड़ी है। चटनी के स्वाद में सबसे अहम रोल निभाने वाला लहसुन के भाव 400 रुपये किलो पर पहुंच गए हैं। यानी अब आपको लसून चटनी और लहसुन तड़ला को कुछ समय के लिए मेन्यू से बाहर रखना होगा। जबकि, अदरक-लहसुन के पेस्ट के बिना सब्जियों, मटन और चिकन का स्वाद भी प्रभावित होगा। बता दें नई फसल को बाजार में आने में समय लगेगा और तब तक कीमतें ऊंची रहने की उम्मीद है। दुर्भाग्य से अक्टूबर और नवंबर में बेमौसम बारिश के कारण कई हिस्सों में फसल बर्बाद हो गई। क्यों उछल रहे लहसुन के दाम-लहसुन की कीमतें खुदरा बाजार में 300-400 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है, जब नासिक और पुणे के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण खराब फसल के कारण पूरे महाराष्ट्र से सप्लाई में गिरावट आई है। इसने मुंबई के थोक व्यापारियों को पड़ोसी गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान से खरीदने के लिए प्रेरित किया है। इससे लागत और अन्य स्थानीय शुल्क बढ़ गए हैं।

महंगाई से जल्द राहत मिलने के आसार नहीं: खबर के मुताबिक कम सप्लाई के कारण पिछले कुछ हफ्तों में लहसुन की कीमत लगभग दोगुनी हो गई है और व्यापारियों का अनुमान है कि स्थिति में जल्द सुधार नहीं होगा। एपीएमसी थोक यार्ड में पिछले महीने का टैरिफ 100-150 प्रति किलोग्राम से बढ़कर 150-250 प्रति किलोग्राम हो गया है।

एक और कंपनी खरीदने की तैयारी में अडानी, लगा दी 4100 करोड़ रुपये की बोली

नई दिल्ली। गौतम अडानी एक और कंपनी खरीदने जा रहे हैं। यह कंपनी लैंको अमरकंटक पावर है। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर ने अब लैंको अमरकंटक पावर के लेंडर्स (कर्जदाताओं) को 4100 करोड़ रुपये का रिवाइज्ड ऑफर दिया है। थर्मल पावर कंपनी लैंको अमरकंटक पावर फिलहाल इनसॉल्वेंसी की प्रक्रिया से गुजर रही है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में यह बात मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से कही गई है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया है कि छह हफ्ते के भीतर अडानी पावर का यह दूसरा रिवाइज्ड ऑफर है। इससे संकेत मिलता है कि अडानी पावर, संकट से घिरी कंपनी लैंको अमरकंटर पावर को खरीदने में काफी दिलचस्पी दिखा रही है। अडानी पावर ने इससे पहले लैंको अमरकंटक पावर के लिए 3650 करोड़ रुपये का ऑफर दिया था। करीब 10-11 महीने पहले 95 पर्सेंट लेंडर्स ने पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन की अगुवाई वाले कंसोर्शियम के प्लान के पक्ष में वोट दिया था। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया है, अब भी अडानी पावर के पास मौका है, क्योंकि नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने पीएफसी की अगुवाई वाले कंसोर्शियम के 3020 करोड़ रुपये रेजॉलूशन प्लान को इंडोर्स नहीं किया है। उन्होंने बताया, लेकिन, अडानी पावर के लिए यह चुनौती भरा हो सकता है, क्योंकि दो डेटहोल्डर्स भी विनिंग बिडर कंसोर्शियम का हिस्सा हैं। पीएफसी और आरईसी दोनों ही कंसोर्शियम का हिस्सा हैं। लैंको अमरकंटक के कर्ज में इनकी संयुक्त हिस्सेदारी 41 पर्सेंट है और अडानी के लिए इनकी सहमति जरूरी है।

विश्व निवेश सम्मेलन 11 दिसंबर से नई दिल्ली में होगा आयोजित: वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली। आसान निवेश और बेहतर रिटर्न के कारण म्यूचुअल फंड पसंदीदा निवेश विकल्प बन चुका है। हाल ही में 'सेविंग कोशन्ट' नाम से जारी रिपोर्ट में यह पता चला है कि म्यूचुअल फंड उन शीर्ष-3 निवेश विकल्पों में शामिल है, जिसे भारतीय चुन रहे हैं। इसके बाद फिक्स्ड डिपाजिट का स्थान आता है। निवेश के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रकार के म्यूचुअल फंड यह तय करने में मदद करते हैं कि यहां हर निवेशक के लिए कुछ-न-कुछ उपलब्ध है। म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे सामान्य तरीका है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी)। अगर आप भी एसआईपी की शुरुआत करना चाहते हैं तो इन प्रमुख बातों का जरूर ध्यान रखें।

फायदे एक नजर में

एसआईपी के अनेक लाभों के कारण खुदरा निवेशक इसका बहुत अधिक इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, इनमें भी कई जोखिम हैं। इनकी जानकारी निवेशकों को पहले से होनी चाहिए।

छोटे योगदान से शुरुआत: आप हर महीने 500 की छोटी राशि से एसआईपी शुरू कर सकते हैं। आय बढ़ने के साथ?निवेश राशि बढ़ा सकते हैं।

रुपया कॉस्ट एवरेजिंग: बाजार गिरने पर निवेशक म्यूचुअल फंड की अधिक यूनिट खरीद सकते हैं। तेजी पर कम यूनिट खरीदी जाती है। इससे

निवेश की औसत लागत कम होती है।

कंपाउंडिंग लाभ: लंबे समय तक नियमित निवेश से कंपाउंडिंग लाभ मिलता है। निवेश पर रिटर्न को फिर लगाया जाता है, जिससे निवेश में बहुत अधिक वृद्धि हो सकती है।

ऐसे समझें निवेश व रिटर्न का गणित

अगर आप 10 साल के लिए 12 फीसदी के औसत रिटर्न पर हर महीने 10,000 रुपये निवेश करते हैं तो 10 वर्ष की अवधि खत्म होने पर आपका कुल निवेश 12 लाख रुपये होगा।?वहीं, आपको निवेश पर रिटर्न 23.23 लाख रुपये मिलेगा।

कंपाउंडिंग के साथ 20 वर्ष के बाद इतने ही निवेश पर आपको 99.91 लाख रुपये की प्राप्ति होगी। पहले वर्ष में 1.20 लाख के निवेश से 8,093 रुपये रिटर्न मिलेगा।?इस कारण कुल राशि 1.28 लाख रुपये हो जाएगी।?

20 वर्ष के बाद अगर आप और पांच साल के लिए अपने निवेश के साथ जुड़े रहते हैं तो यह राशि दोगुनी होकर 1.89 करोड़ रुपये हो जाएगी। अगले और पांच वर्ष में यह राशि बढ़कर 3.52 करोड़ रुपये हो जाएगी।

भविष्य के वित्तीय लक्ष्य पाने में मददगार

एसआईपी एक शक्तिशाली टूल है, जिसमें अनुशासन के साथ निवेश करने व कंपाउंडिंग की ताकत को पाने जैसे दोनो लाभ शामिल होते हैं। इसे शुरू करना भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों जैसे बच्चों की शिक्षा या रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए तैयार होने का शानदार तरीका है। इसमें नियमित निवेश से दीर्घकालिक पूंजी बनाने में मदद मिलती है।

एनएफओ लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न का मौका, डायनेमिक एसेट अलोकेशन फंड भी बेहतर

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड कंपनियों ने इस साल अक्तूबर तक कुल 142 नए फंड ऑफर (एनएफओ) से 51,399 करोड़ रुपये जुटाए हैं। पिछले साल इन कंपनियों ने 32,200 करोड़ जुटाए थे। शेयर बाजार की तेजी में 28,429 करोड़ रुपये इक्विटी फंडों में लगाए गए हैं। सितंबर तिमाही में यह सिर्फ 10,516 करोड़ रुपये था। इस साल 20 एनएफओ से सर्वाधिक 12,372 करोड़ थीमेटिक फंड से जुटाए गए हैं।

डायनेमिक एसेट अलोकेशन फंड भी बेहतर

विश्लेषकों का मानना है कि डायनेमिक एसेट अलोकेशन फंड भी निवेश के लिए बेहतर है। सैमको एसेट मैनेजमेंट के मुख्य निवेश अधिकारी उमेश कुमार मेहता कहते हैं कि सैमको ने इसी कैटेगरी में नया फंड ऑफर लॉन्च किया है, जो 21 दिसंबर को बंद

होगा। यह अनूठा फंड निवेशकों को स्थिरता देने, विकास क्षमता बढ़ाने और नकारात्मक पक्ष से सुरक्षा देने के लिहाज से बनाया गया है।

यह भारत का पहला इस तरह का फंड है, जो कठिन समय में पूरी तरह से डेट में स्थानांतरित हो जाता है। अधिकांश अन्य हाइब्रिड या डायनेमिक एसेट फंड आय के मूल्य या प्राइस टु बुक के मूल्यांकन का पालन करते हैं।

बाजार की अस्थिरता प्रमुख चुनौतियां

निवेशकों के सामने प्रमुख चुनौतियों में से एक है, बाजार की अस्थिरता और गिरावट का डर। ऐसे फंड इन चिंताओं को पहचानते हैं और अस्थिरता व गिरावट को कम करने पर ध्यान देते हैं। इस मॉडल के जरिये फंड को बाजार के रुझान के आधार पर अपने इक्विटी निवेश को शून्य से 100 तक किया जा सकता है।

वास्तविक समय में इक्विटी और डेट निवेश के बीच तेजी से बदलाव कर यह फंड जोखिमों को कम करता है। इससे निवेशकों को सुरक्षा और स्थिरता मिलती है। ऐसे फंड मुख्य रूप से बाजार में जब तेजी हो तो निवेश ज्यादा करते हैं। जब बाजार टूट रहे हों तो शुद्ध इक्विटी निवेश शून्य तक हो जाता है।

आईपीओ की तरह ही है एनएफओ

जिस तरह कोई कंपनी बाजार में सूचीबद्ध होने या निवेशकों से पैसा जुटाने के लिए प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाती है, उसी तर्ज पर म्यूचुअल फंड कंपनियां भी बाजार से पैसा जुटाने के लिए एनएफओ लाती हैं। इस तरह की स्कीमों में पहले 15 दिन तक निवेश का मौका मिलता है। उसके बाद फिर से ऐसी स्कीमें हमेशा के लिए खुल जाती हैं। मुझे उम्मीद है कि अगले साल भी एनएफओ का रुझान इसी तरह बना रहेगा। फंडों के वर्गीकरण को ध्यान में रखते हुए फंड हाउस नए फंड ला रहे हैं। कुछ फंड हाउसों ने थीम के आधार पर नई स्कीम लॉन्च की है। -ए बालासुब्रमणियन प्रबंध निदेशक, आदित्य बिड़ला सनलाइफ एएमसी

तूफान बन गया यह शेयर, 15 दिन में ही 32 रुपये से पहुंचा 85 रुपये के पार

नई दिल्ली। इरेडा के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। इरेडा के शेयर सोमवार को 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 85.02 रुपये पर पहुंच गए हैं। सरकारी कंपनी के शेयरों ने सोमवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। कंपनी के शेयर 70.85 रुपये पर बंद हुए थे। इरेडा के शेयरों में 15 दिन में 160 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। इस अवधि में मिनी रत्न कंपनी के शेयर 32 रुपये से बढ़कर 85 रुपये के पार पहुंच गए हैं।

15 दिन में 32 रुपये से 85 के पार पहुंचे शेयर

सरकारी कंपनी इरेडा का आईपीओ 21 नवंबर 2023 को खुला था और यह 23 नवंबर तक ओपन रहा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 30-32 रुपये था। आईपीओ में कंपनी के शेयर 32 रुपये पर अलॉट हुए हैं। इरेडा के शेयर 29 नवंबर 2023 को 50 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। लिस्टिंग के बाद से कंपनी के शेयरों में लगातार तेजी बनी हुई है। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी के शेयर 11 दिसंबर 2023 को 85.02 रुपये पर पहुंच गए हैं।

कंपनी के आईपीओ पर लगा था 38 गुना से ज्यादा दांव

सरकारी कंपनी इरेडा का आईपीओ टोटल 38.80 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 7.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 24.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 104.57 गुना सब्सक्राइब हुआ। मिनी रत्न कंपनी इरेडा के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे। कंपनी के आईपीओ की एक लॉट में 460 शेयर थे।

ब्लड शुगर लेवल को करना चाहते हैं कंट्रोल, तो इन फूड आइटम्स को बनाएं अपने किचन का हिस्सा

ब्लड शुगर लेवल बढ़ना हमारी सेहत के लिए हानिकारक होता है। इसलिए इसे कंट्रोल करना बहुत जरूरी है। शुगर लेवल का बढ़ना डायबिटीज का संकेत हो सकता है जो एक खतरनाक बीमारी है। इसे कंट्रोल करने में कुछ फूड आइटम्स आपकी मदद कर सकते हैं। जानें किन फूड आइटम्स को डाइट में शामिल कर आप ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकते हैं।

डायबिटीज एक खतरनाक बीमारी है, जिससे पिड़ितों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह काफी चिंता का विषय है। डायबिटीज, हमारे शरीर में इंसुलिन की कमी या इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ने की वजह से होता है। इस वजह से ब्लड शुगर लेवल बढ़ने लगता है, जो आगे चलकर ऑर्गन फेलियर का कारण भी बन सकता है। इसलिए डायबिटीज को स्लो डेथ कहना गलत नहीं होगा। अगर आप डायबिटीज का आसान शिकार नहीं बनना चाहते, तो जरूरी है कि आप अपने ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करें। इसमें आपकी लाइफस्टाइल के साथ-साथ कुछ फूड आइटम्स भी आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं, किन फूड आइटम्स को अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर ब्लड शुगर लेवल कम या कंट्रोल कर सकते हैं।

साबुत अनाज

साबुत अनाज, ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने में सबसे कारगर फूड आइटम्स में से एक है। इनमें हेल्दी कार्बोहाइड्रेट्स और फाइबर पाए जाते हैं, जिनसे ब्लड में शुगर लेवल कम रहता है। इसलिए अपनी डाइट में ओट्स, ज्वार, बाजरा जैसे फूड आइटम्स को शामिल करें। इनसे आपका ब्लड शुगर लेवल अचानक से नहीं बढ़ता है, जो डायबिटीज के खतरे को काफी हद तक कम करने में मददगार होते हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इस कारण से, ब्लड शुगर लेवल नहीं बढ़ता। इसकी कई डिशेज बना कर आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला फाइबर डायबिटीज के खतरे को कम करने में लाभदायक होता है।

लेंटिल्स

इनमें प्रोटीन और फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जिस कारण से ये ब्लड शुगर को कम करने में मदद करते हैं। लेंटिल्स में दाल, बीन्स, चिकन पी आदि शामिल होते हैं। इन्हें खाने से अन्य दूसरे पोषक तत्व भी मिलते हैं, जिस वजह से सेहत बेहतर बनती है।

बेरीज

बेरीज दिखने में भले ही छोटी होती हैं, लेकिन सेहत को कई फायदे दे सकती हैं। इनमें कई विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और एंटी-ऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल घटाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ये इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाने में भी मदद करते हैं।

लहसुन

लहसुन आपके खाने का स्वाद बढ़ाने के अलावा और भी कई चीजों में फायदेमंद होता है। यह शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाने के साथ-साथ, इंसुलिन सेंसिटिविटी भी बढ़ाता है। इसलिए ब्लड शुगर लेवल को कम करने में लहसुन आपकी मदद कर सकता है।

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम : नतीजों के निहितार्थ

इस बार पांच राज्यों के चुनाव को 2024 के बड़े चुनाव का पूर्वाभ्यास करार दिया गया था। कांग्रेस ने हिसाब लगाया कि कहां-कहां %लंबी सत्ता का जहर% भाजपा को मार सकता है, कहां-कहां हमारी सरकार का %अच्छा काम% हमें फायदा दे सकता है। कांग्रेस की नजर इस पर भी थी कि चुनाव का परिणाम ऐसा ही होना चाहिए कि %इंडिया% में डंडा हमारे हाथ में रहे। यह गणित बुरा भी था, अपर्याप्त भी।कभी जादूगर का खेल देखा है? राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जादूगर के बेटे हैं, लेकिन जादू दिखा कोई दूसरा रहा है। पांच राज्यों में हुआ चुनाव ऐसी जादूगरी का नमूना है। अब जब चुनावी धूल बैठ चुकी है, घायल अपने घावों की साज-संभाल में लगे हैं, विजेता अपनी जीती कुर्सियां झाड़-पोंछ रहे हैं, हम जादू के पीछे का हाल देखने-समझने की कोशिश करें।

मोदी-शाह ने जिस नई चुनावी-शैली की नींव 2014 से डाली है उसकी विशेषता यह है कि न उसका आदि है, न अंत ! यह सतत चलती है। चुनाव की तारीख घोषित होने पर चुनावी-मुद्रा में आना, चुनाव की तारीख तक चुनाव लड़ना और फिर जीत-हार के मुताबिक अपना-अपना काम करना-ऐसी आरामवाली राजनीति का अभ्यस्त रहा है यह देश, इसके राजनीतिक दल! मोदी-शाह मार्का राजनीति इसके ठीक विपरीत चलती है। वह तारीखें देखकर नहीं चलती, नई तारीखें गढ़ती है। चुनावी सफलता की तराजू पर तौलकर वह अपना हर काम करती है।उनके लिए चुनाव वसंत नहीं है कि जिसका एक मौसम आता है; यह बारहमासी झड़ी है। उनके लिए विदेश-नीति भी चुनाव है, यूक्रेन-फिलीस्तीन-गजा-इजरायल भी और पाकिस्तान भी चुनाव है; जी-20 भी चुनाव है; खेल व खिलाड़ी भी चुनाव हैं; चंद्रयान भी चुनाव है; सरकारी तंत्र व धन भी चुनाव के लिए है। उनके लिए जनता भी एक नहीं, कई हैं जिनका अलग-अलग चुनावी इस्तेमाल है।

मार्च 2018 में प्रधानमंत्री ने जनता का एक नया वर्ग पैदा किया था = विकास के लिए प्रतिबद्ध जिले! 112 जिलों की सूची बनी। ये जिले ऐसे थे जिनके विकास की तरफ कभी विशेष ध्यान नहीं दिया गया था। जो बड़े राजनीतिक पहलवान हैं वे अपने व अपने आसपास के चुनाव क्षेत्रों के लिए सारे संसाधन बटोरने में मग्न रहते हैं। नये चुनाव क्षेत्रों का सर्जन किसी के ध्यान में भी नहीं आता। मोदीजी ने अपनी रणनीति में इसे शामिल किया और 112 जिलों की सूची बना दी।किसी ने नहीं समझा कि यह चुनाव की नई कांस्टीट्यूएंसी तैयार करने की योजना है। इन जिलों में से 26 जिले ऐसे थे जो मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान तथा तेलंगाना के 81 चुनाव-क्षेत्रों में फैले थे। ये सभी अधिकांशत= आदिवासी व अन्य पिछड़े समुदायों के इलाके थे। पहली बार इन इलाक़ों को लगा कि कोई है जो इनका अस्तित्व मानता ही नहीं, बल्कि उन्हें आगे भी लाना चाहता है।यहां विकास की क्या कोशिशें हुईं उनकी समीक्षा का यह मौका नहीं है। मौका है यह समझने का कि इन 81 चुनाव क्षेत्रों में भाजपा ने इस बार कांग्रेस को कड़ी टक्कर लगाई। 2018 में जहां इन क्षेत्रों में भाजपा ने बमुश्किल 23 सीटें जीतीं थीं, 2023 में उसने यहां 52 सीटें जीती हैं- पिछले के मुकाबले दोगुने से ज्यादा। यह अपने लिए नये चुनावी आधार गढ़ने की योजना का एक हिस्सा था। %स्मार्ट सिटी योजना,% अलग-अलग समूहों को नकद सहायता की लगातार घोषणा आदि सब चुनाव के नये कारक हैं जिनके जनक मोदीजी हैं।इस बार पांच राज्यों के चुनाव को 2024 के बड़े चुनाव का पूर्वाभ्यास करार दिया गया था। कांग्रेस ने हिसाब लगाया कि कहां-कहां लंबी सत्ता का जहर भाजपा को मार सकता है, कहां-कहां हमारी सरकार का अच्छा कामहमें फायदा दे सकता है। कांग्रेस की नजर इस पर भी थी कि चुनाव का परिणाम ऐसा ही होना चाहिए कि इंडिया% में डंडा हमारे हाथ में रहे। यह गणित बुरा भी था, अपर्याप्त भी।जब एक जादूगर अपने हैट से नये-नये खरगोश निकालकर दिखा रहा हो तब मजमा उस नट को कैसे देखता रह सकता है जिसे तनी हुई रस्सी पर संतुलन साधने का एक ही खेल आता है? और वह भी ऐसा कि संतुलन बार-बार डगमगाता भी रहता है! कांग्रेस राष्ट्रीय दल है तो सही, लेकिन उसके पास राष्ट्रीय सत्ता नहीं है; जो सत्ता है उसे भी वह संभाल नहीं पा रही है। उसके पास राष्ट्रीय पहचान व कद का एक ही नेता है जिसका नाम है-राहुल गांधी !राहुल गांधी की जानी-अनजानी बहुत सारी विशेषताएं होंगी, लेकिन देश जो देख पा रहा है वह यह है कि वे अब तक राजनीतिक भाषा का ककहरा भी नहीं सीख पाए हैं; उनके पास वह राजनीतिक नजर भी नहीं है जो चुनावी विमर्श के मुद्दे खोज लाती है। कांग्रेस में दूसरा कोई पंचायत स्तर का नेता भी नहीं है। कांग्रेस के पास उसका कोई शाह, कोई योगी, कोई शिवराज, कोई हेमंता नहीं है; वह किसी को बनने भी नहीं देती।दूसरी तरफ भाजपा है। उसके पास भी एक ही राहुल है-नरेंद्र मोदी ! उनके पास हर मौसम की भाषा है, गिद्ध-सी वह राजनीतिक नजर है जो हर मुद्दे को अपने हित में इस्तेमाल करने की चातुरी रखती है। उनका कद इतना बड़ा %बनाया% गया है कि उसे कोई छू नहीं सकता। फिर नीचे कई नेता है जिनका अपना आभा मंडल है। इन सबके साथ है, एक परिपूर्ण प्रचार-तंत्र, एक परिपूर्ण धन-तंत्र तथा एक परिपूर्ण मीडिया-तंत्र। कांग्रेस का सबसे बड़ा नेता कांग्रेसियों की नजर में भी पर्याप्त नहीं है; भाजपा का नेता भाजपाइयों की नजर में राजनीतिक नेता ही नहीं, अवतार भी है। दोनों का मुकाबला बहुत बेमेल हो जाता है।इंडियाके घटक जानते हैं कि कांग्रेस के कारण ही वे इंडिया हैं, लेकिन वे जो जानते हैं, वह मानते नहीं हैं। इसलिए कोई बंगाल को तो कोई उत्तरप्रदेश को तो कोई तमिलनाडु को तो कोई बिहार को इंडिया मानकर चलता है। इस तरह सब बिखरी मानसिकता से एक होने की कोशिश करते हैं। यह असंभव की हद तक कठिन काम है। 2014 से लेकर अब तक भाजपा की रणनीति यह रही है कि वह अपना राजनीतिक आधार बनाने व बढ़ाने के लिए वक्ती नफा-नुकसान का हिसाब नहीं करती।राजनीति संभव संभावनाओं का खेल है। 2023 फिर से बताता है कि संभव संभावनाओं में असंभव संभावना छिपी होती है। भाजपा वैसी संभावनाओं को पकड़ने की हर संभव कोशिश कर, असंभव को साधती आ रही है। दूसरे संभव को असंभव बनाने के खेल से बाहर ही नहीं आ पाते। क्या 2024 इसी कहानी को दोहराएगा? देखना है .

संपादकीय

सियासी लाभ की मंशा

तृणमूल कांग्रेस पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा का संसद से निष्कासन एक बड़ी घटना है। बेशक उन पर लगे आरोप गंभीर हैं, लेकिन आरोप-प्रत्यारोप से अलग हटकर देखें तो कई और वजहें भी हैं, जिनसे यह घटना राजनीति के साथ-साथ सामाजिक परिवेश को भी लंबे समय तक उद्वेलित करती रहेगी।

राष्ट्रहित का सवाल= महुआ मोइत्रा पर न केवल निजी फायदे लेकर संसद में सवाल पूछने का बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को दांव पर लगाने का भी आरोप है। कैश का लेन-देन अभी स्थापित नहीं हुआ है, लेकिन मेकअप के सामान गिफ्ट के रूप में लेने की पुष्टि खुद मोइत्रा कर चुकी हैं। ऐसे ही लोकसभा की वेबसाइट के लॉगइन और पासवर्ड शेयर करने की बात भी वह मान चुकी हैं।

अमेज़न वॉर्डरोब रिफ्रेश सेल - महिलाओं के कपड़ों पर 60त तक की छूट - अभी देखें 7

कड़े तेवर की वजह= इतने गंभीर आरोपों को आंशिक रूप से ही सही, लेकिन कबूल कर लेने के बाद स्वाभाविक यही होता कि महुआ मोइत्रा और उनकी तरफदारी कर रहे लोग बचाव की मुद्रा में दिखाई देते। लेकिन न सिर्फ महुआ और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस बल्कि समूचा विपक्ष उनके साथ आक्रामक मुद्रा में खड़ा दिख रहा है। कारण शायद यह है कि महुआ पर लगे आरोपों के पीछे वे लोग हैं, जिनके पास उनसे नाराजगी की वजहें पहले से रही हैं।

अलग-अलग व्याख्याएं= यह प्रकरण इस लिहाज से भी खास है कि इसमें आरोपों से जुड़े तथ्यों को लेकर अभियोजन और बचाव पक्ष के स्टैंड में ज्यादा अंतर नहीं है। दोनों पक्ष उन तथ्यों पर सहमत हैं, फिर भी एक पक्ष उसे गंभीर अपराध बता रहा है और दूसरा उसे अपराध मानने से इनकार कर रहा है। जाहिर है, सजा दिए जाने के बाद भी इस मामले पर बहस नहीं खत्म होने वाली।

आक्रामक छवि= राजनीति में आने से पहले भी महुआ मोइत्रा का शानदार करियर रहा है। वह अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने के लिए जानी जाती रही हैं। इस विवाद के साथ भी उनकी पर्सनल लाइफ के कुछ पहलू जोड़े गए, जिन्हें लेकर महुआ कतई डिफेंसिव नहीं रहीं। ऐसे में महिलाओं और लड़कियों का एक हिस्सा इस प्रकरण को इस रूप में भी देख सकता है कि क्या देश की मौजूदा राजनीति का पुरुषवादी स्वरूप एक मुखर और आजाद ख्याल महिला को बर्दाश्त नहीं कर पाया?

जाहिर है इस प्रकरण से उपजे सारे सवालों के जवाब तत्काल नहीं मिलने वाले। कुछ जवाबों के लिए इंतजार करना होगा। लेकिन इतना तय है कि यह प्रकरण लंबे समय तक एक मिसाल के रूप में नागरिकों के अलग-अलग समूहों की याददाश्त में अलग-अलग वजहों से गूंजता रहेगा। फिलहाल तो इसने हालिया चुनावों में हार के बाद विपक्ष को एकजुट होने का एक मौका मुहैया कराया है। यह भी लग रहा है कि महुआ की पार्टी त्रस्ट और विपक्ष इसे राजनीतिक रूप से भुनाने की कोशिश जरूर करेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि उन्हें इसमें कामयाबी मिलती है या नहीं।

दुनियाभर में सड़कों के गड्ढ़े छीन रहे हैं लाखों जिंदगियां, क्या इस समस्या का स्थायी हल नहीं है

हालांकि आतंकवादी गतिविधियों में होने वाली जनहानि से दुनिया के देशों में सड़कों के गड्ढ़ों से होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों से तुलना करना एक तरह से उचित नहीं माना जा सकता पर जिम्मेदारों की जरा-सी लापरवाही से सड़क के गड्ढ़ों के कारण होने वाली मौतों का बढ़ता आंकड़ा गंभीर चिंता का कारण बन जाता है। हालांकि आतंकवादियों का उद्देश्य अलग होता हे वहीं सड़कों के गड्ढ़ों की मरम्मत कराकर ठीक करना तो हमारे हाथ में ही होता है। बात थोड़ी अजीब अवश्य लगेगी पर वास्तविकता तो यही है कि देश दुनिया में सड़कों के गड्ढे दुनिया की आतंकवादी गतिविधियों पर भारी पड़ रहे हैं। वैश्विक आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो 2021 में आतंकवादी गतिविधियों के कारण 5226 लोग मारे गये। वहीं दूसरी और अकेले अमेरिका में ही 2021 में सड़कों के गड्ढ़ों के कारण 15 हजार से अधिक मारे गए। इसी तरह से इंग्लैण्ड में 1390, भारत में 3565 और रूस में 431 लोग मारे गए। आतंकवाद के कारण होने वाली मौतों से यह कोई चार गुणा अधिक है।कमोबेश दुनिया के देशों में आज भी सड़कों पर गड्ढ़ों के कारण दुर्घटना से मौत के आंकड़ों में साल दर साल बढ़ोतरी ही होती जा रही है। केन्द्रीय सड़क व परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में तमाम सड़क हादसों में सबसे अधिक मौत सड़कों पर बने गड्ढ़ों के कारण हो रही है। अब सड़क में गड्ढ़ों के कारण मौत की जिम्मेदारी सरकार या स्थानीय प्रशासन से इतर किसी और को दी भी नहीं जा सकती। मौत को अलग कर भी दिया जाए तो सड़कों पर गड्ढ़ों से होने वाले अन्य नुकसान का ही विश्लेषण करें तो साफ हो जाता है कि यह कोई छोटी-मोटी राजस्व हानि नहीं अपितु बड़े नुकसान से भी जुड़ा हुआ है। उदाहरण के तौर पर चेन्नई में कराए गए एक अध्ययन के अनुसार सड़क के गड्ढ़ों के कारण प्रतिदिन 75 करोड़ के राजस्व का नुकसान होता है। यह तो एक बानगी मात्र है और इससे आसानी से कयास लगाया जा सकता है कि सड़क के गड्ढ़े जनहानि और धन हानि दोनों के ही प्रमुख कारण हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारें या दुनिया के देश इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं हों पर जो नतीजे साल दर साल देखने को मिलते हैं वह अपने आप में गंभीर है। सड़क के गड्ढ़ों की वैश्विक गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि जानकारों को मानना है कि प्रतिवर्ष 15 जनवरी को राष्ट्रीय गड्ढ़ा दिवस मनाया जाता है। इंग्लैण्ड में गड्ढ़ों से होने वाले नुकसान पर नागरिकों को मुआवजा देने का प्रावधान है। दूसरी और दुनिया के देशों द्वारा भी सड़कों के गड्ढ़ों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं व मौतों को लेकर बड़े-बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन, सेमिनार, गोष्ठियां, जनचेतना रैलियां होती रहती हैं तो सड़क निर्माण में लगे इंजीनियरों व अन्य कार्मिकों को शिक्षण प्रशिक्षण दिया जाता है। यह भी साफ है कि गड्ढ़ों के जो प्रमुख कारण हैं वे भी किसी से छिपे हुए नहीं हैं। मोटे मोटे रूप से कहा जाए तो सड़कों की खराब डिजाइन, हल्की सड़क निर्माण सामग्री, सड़क निर्माण मानकों की अनदेखी, सड़कों पर पानी भरने, रखरखाव व देखरेख में लापरवाही, ठेकेदारों व अधिकारियों की लालची प्रवृत्ति, सड़कों की मरम्मत कार्य में लापरवाही, गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देने, सड़कों पर पानी की सही निकासी नहीं होने और इसी तरह के कई कारण हैं जिनके चलते सड़कों पर गड्ढ़े बन जाते हैं। देखा जाए तो थोड़ी-सी अनदेखी, लापरवाही और छोटे से लालच के कारण यही सड़कें मौत का कारण बन जाती हैं। इसके साथ ही आम जन की परेशानी का कारण बनने के साथ ही सरकारी धन का नुकसान होता है वह अलग। केवल गड्ढ़ा होने से दुर्घटना में मौत ही नहीं अपितु कितना नुकसान होता है यह किसी से छिपा नहीं है। एक पक्ष यह भी कि गड्ढ़ों के कारण दुर्घटना के साथ अन्य होने वाले नुकसानों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

वाहनों के कलपुर्जों, टायर आदि को नुकसान, सामान्य आदमी को भी धचकों से होने वाले पीठ आदि के दर्द, बीमार आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर, ईंधन का नुकसान, समय का नुकसान सहित अनेक ऐसे नुकसान हैं जिनकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती।

पिछले दिनों केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क निर्माण में होने वाली लापरवाही के लिए संबंधित इंजीनियर्स व अन्य को जिम्मेदार बनाने, समुचित रखरखाव, ड्रोन से निगरानी और लोगों को टोल नंबर पर शिकायत करने जैसी सुविधाएं या कदम उठाने की पहल की है। इसी तरह से यह प्रावधान भी कई राज्य सरकारों द्वारा किए गए हैं व किए जा रहे हैं कि निश्चित समय सीमा से पहले सड़क क्षतिग्रस्त हो जाती है तो उसकी जिम्मेदारी सड़क बनाने वाले ठेकेदार की होगी। पर इसकी कितनी पालना हो रही है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है बल्कि देखने में तो यही आता है कि एक बार सड़क बन जाने के बाद उसका कोई धनी धोरी ही दिखाई नहीं देता और फिर कभी कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है और उसके कारण बवंडर मच जाता है तब जाकर नींद खुलती है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि आज देश दुनिया में एक से एक नई तकनीक आ गई है। इसमें सड़क निर्माण की तकनीक भी शामिल है। पानी भरने वाले स्थानों पर सीमेंट कंक्रीट की सड़कें बनने लगी हैं पर ढाक के वही तीन पात दिखाई देते हैं और सड़कों की गुणवत्ता पर आए दिन प्रश्न उठते रहते हैं। हालांकि यह प्रश्न उठाने की बात नहीं बल्कि सामने दिखने वाली बात है। हालात यहां तक हो गए हैं कि टोल सड़कों पर भी सड़कों के हालात अब ज्यादा अच्छे देखने को नहीं मिल रहे हैं। आखिर गड्ढ़ों या अन्य कारणों से किसी भी तरह की जनहानि या धनहानि होती है तो वह राष्ट्रीय नुकसान ही है। इसलिए इस क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं को आगे आना होगा और कम से कम कम सड़कों के गड्ढ़ों को तो मौत का कारण नहीं बनने दिया जाना चाहिए। सोचना यह होगा कि किसी जिम्मेदार की छोटी-सी लापरवाही किसी परिवार पर कितना कहर बन कर आती है। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ ही राज्यों के सड़क परिवहन मंत्रालयों खासतौर से सड़क निर्माण में जुटी संस्थाओं को दुर्घटनामुक्त सड़कों के निर्माण के साथ ही सड़कों के रखरखाव के प्रति ध्यान देना होगा।

जीवन में पहली नौकरी का उत्साह जहां मेहनत से मन लगा कर काम करने में मदद करता है, वहीं शुरू-शुरू में थोड़ा बहुत नर्वस होना भी स्वाभाविक है। इस दौरान जहां नियमों में बंध कर अपने कार्य को सुचारु रुप से करना जरूरी है, वहीं बॉस सहित अपने सहकर्मियों से सही तालमेल बिठाना भी अनिवार्य है। कुल मिला कर कार्यक्षेत्र में खुद को काम के अनुसार ढालना एक कला है।

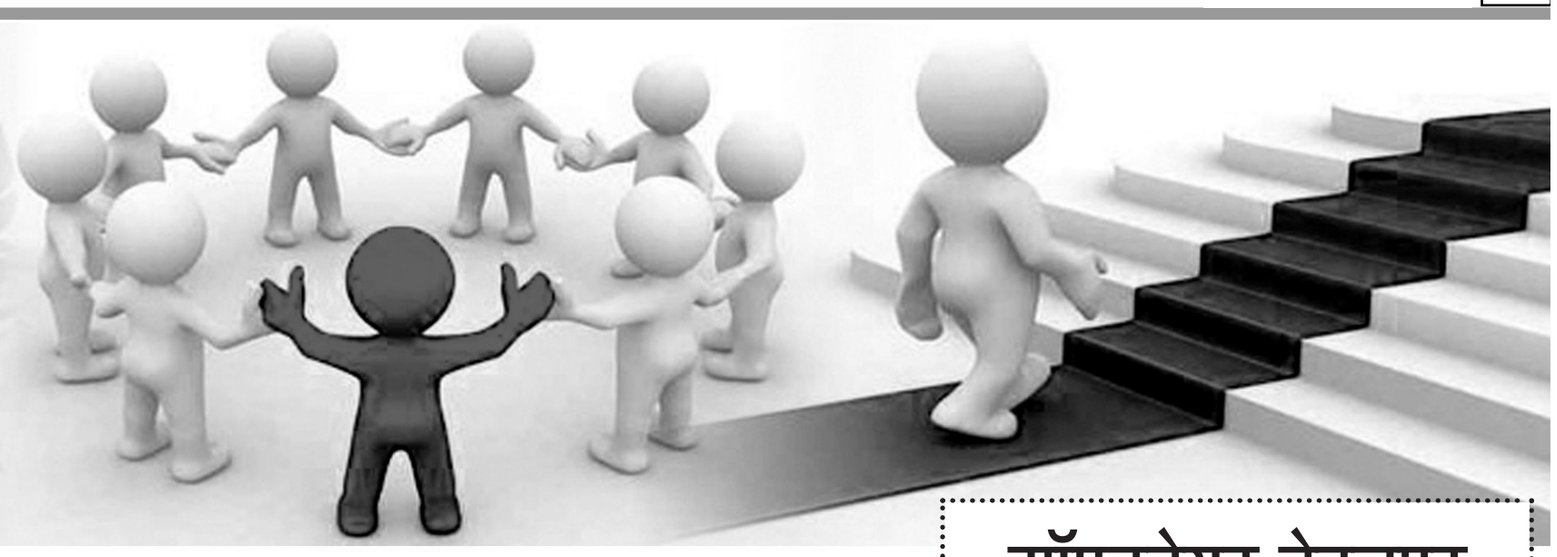

फर्स्ट जॉब उम्मीदों और चुनौतियों की शुरुआत

नई जॉब, नए अनुभव

राघव देसाई 23 साल के हैं। उनकी पहली नौकरी कैम्पस प्लेसमेंट के जरिए लगी। बकौल राघव, 'ऑफिस का वर्क कल्चर काफी अच्छा है। सभी सीनियर काफी मददगार हैं। यहां तक कि उनके द्वारा दी गई सलाह ध्यान से सुनने लायक होती है। ऐसी पॉजटिव सोच न सिर्फ सीखते रहने के गुण को बनाए रखती है, बल्कि उसे अपना कर अनुभवी व कुशल कर्मी के रूप में आपकी पहचान बनती है।

उधर अपनी 6 माह पुरानी पहली नौकरी के बारे में रीमा झा कहती हैं, 'नए कल्चर व नए लोगों के साथ काम करना जितना रोचक है, उतना ही कठिन भी। शुरुआती दिनों में नए लोगों के साथ एडजस्ट करना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल हुआ, लेकिन अब सब ठीक है।' रीमा अपनी इस जॉब से खुश हैं, लेकिन कहती हैं कि जब तक मन लगेगा, तभी तक इसे करेंगी, नहीं तो बदल लेंगी। वहीं कुछ दिन पहले अपनी पहली नौकरी ज्वॉइन करने वाले रवि आर्या कहते हैं, 'मैं फिलहाल जल्दी जॉब नहीं बदलूंगा और कम से कम एक साल तक यहीं काम सीखना चाहूंगा।' पहली नौकरी पाना जहां आपका सपना सच होने जैसा होता है, वहीं कुछ छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

ब्रांड की जगह रुचि पर ध्यान दें

बड़े ब्रांड की बजाए अपनी रुचि पर ध्यान दें। ऐसा काम करें, जो आपकी रचनात्मकता को रूप दे, फिर चाहे कंपनी बड़ी हो या छोटी। ऐसा भी देखा जाता है कि युवा अपने अभिभावकों या वरिष्ठों की सलाह पर अधिक चलते हैं और विशेषज्ञों की कम, जबकि होना इसका उलटा चाहिए। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आपको सीखने का मौका मिल रहा है तो ये काफी है। कुछ लोग पहली जॉब से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें पाल लेते हैं, लेकिन ये गलत है। पहली जॉब में आपको कितनी सैलरी मिल रही है, ये बहुत ज्यादा मायने नहीं रखता। कुछ समय अपने काम को समझने में लगाना चाहिए और अपनी स्किल्स को और मजबूत बनाना चाहिए। पहली जॉब एक मकान की बुनियाद की तरह होती है।

कंपनी को समझने का प्रयास करें

जरूरी है कि जिस कंपनी को आपने अपनी कार्य रुचि के हिसाब से चुना है, उसमें ही काम शुरू करें। एक बड़ी कंपनी में बतौर जनरल मैनेजर काम कर रहे एक शख्स ने बताया कि किस तरह उनके एक मित्र ने खुद को मिसफिट पाने पर पहली नौकरी छोड़ी थी। दरअसल उन्हें लगा था कि वह अपने कार्य के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं और इसलिए वह संस्थान के लायक नहीं हैं।

नौकरी बदलने की होड़ में शामिल न हों

अक्सर देखने में आता है कि पहली नौकरी ज्वॉइन करते ही उसे बदलने की होड़-सी लग जाती है। ये आपकी गलतफहमी है कि अगर आप जल्दी-जल्दी कंपनी बदलेंगे तो आपका प्रोफाइल मजबूत होगा। रितेश सिंह जब एक बड़े मीडिया हाउस में इंटरव्यू के लिए गए तो उनसे पूछा गया कि आखिर उन्होंने बीते 5 साल में 7 नौकरियां क्यों बदलीं? पर उनके पास उसका कोई उचित जवाब नहीं था। दरअसल जल्दी-जल्दी जॉब बदलना आपके नेगेटिव प्रोफाइल को बढ़ाता है, इसलिए इससे बचें। अगर आप जल्दी-जल्दी जॉब बदलेंगे तो किसी भी कंपनी में जाने पर सबसे पहले आपकी स्टेबिलिटी पर प्रश्नचिह्न लगेगा। दरअसल आपने किस कम्पनी में कितने समय काम किया और क्या सीखा, ये बहुत मायने रखता है। दरअसल हर कंपनी कर्मचारी की ट्रेनिंग पर अपने रिसोर्स खर्च करती है और अगर आप जल्दी ही कंपनी छोड़ देते हैं तो न तो उन स्किल्स का आप इस्तेमाल कर पाते हैं और न ही वह सब आपकी प्रोफाइल में जुड़ ही पाता है।

कैंपस सेलेक्शन के फायदे

कुछ लोग यह मानते हैं कि ग्रेजुएशन के बाद सीधे कैम्पस प्लेसमेंट से प्रगति रुक जाती है। करियर में अच्छी उन्नति नहीं मिल पाती। लेकिन ऐसा नहीं है। इसके भी रास्ते हैं। अगर आपने ग्रेजुएशन के बाद जॉब ज्वॉइन की है तो आप पोस्ट ग्रेजुएशन करके अच्छी पदोन्नति पा सकते हैं, क्योंकि आजकल ऐसा करना आम बात हो चुकी है। कुछ कम्पनियां तो अपने कर्मचारियों के लिए कई तरह के शैक्षिक प्रोग्राम भी चलाती हैं, ताकि आप कमाई के साथ-साथ पढ़ाई भी कर सकें। एक सर्वे में देश भर के एक हजार से अधिक सीईओ के विचार जाने गए, जिससे पता चला कि 80 प्रतिशत सीईओ अपनी पहली नौकरी में करीब पांच वर्ष टिके रहे थे। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि पहली नौकरी किस तरह आपके करियर की बुनियाद मजबूत करने के लिए जरूरी होती है। यदि आप पहली नौकरी में लंबा समय गुजारते हैं तो कहीं भी सफलतापूर्वक काम कर सकते हैं, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि एक सफल शुरुआत से आधा लक्ष्य पूरा हो जाता है। हालांकि एक अच्छी शुरुआत के लिए कई बातों को दिमाग में रखना होता है।

अनुशासनहीनता न हो

कुछ वरिष्ठ मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स का मानना है कि कंपनियां फ्रेशर्स को काम के जरूरी हुनर सीखने का पूरा मौका देती हैं। इसके बावजूद अगर वह जरूरी काम नहीं सीख पाते तो भी चिंता की बात नहीं होती। लेकिन याद रखना चाहिए कि अनुशासनहीनता, झूठ, गलत व्यवहार आदि को कहीं भी बर्दाश्त नहीं किया जाता।

सॉफ्टवेयर डेवलपर फिल्ड में करियर की नई संभावनाएं

जिस तरह से इंटरनेट दुनिया का विस्तार हो रहा है, माना जा रहा है कि आने वाले समय में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर डेवलपर की काफी डिमांड होगी.

टेक्नोलॉजी और कम्प्यूटर, दोनों को मिलाकर तैयार सॉफ्टवेयर डेवलपर का फील्ड आने वाले समय में और विस्तृत होगा और करियर की नई संभावनाओं को सामने लाएगा. इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी ने समाज में जबर्दस्त बदलाव लाने का काम किया है क्योंकि इसके जरिए कम्युनिकेशन सेक्टर, इंटरनेट एक्सेस प्वाइंट, इंटरनेट सिस्टम को नई दिशा मिली है. जिस तरह से इंटरनेट दुनिया का विस्तार हो रहा है, माना जा रहा है कि आने वाले समय में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर डेवलपर की काफी डिमांड होगी. मालूम हो, सॉफ्टवेयर डेवलपर वह शख्स होता है जो ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग या एप्लीकेशन डेवलप करता है.

शिक्षा- सॉफ्टवेयर डेवलपर बनने के लिए आपके पास कम्प्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग सहित इसके समकक्ष विषयों में बैचलर डिग्री होनी चाहिए. अभ्यर्थी के पास गणित की डिग्री काफी मायने रखती है क्योंकि सॉफ्टवेयर की प्रोग्रामिंग में गणित का इस्तेमाल काफी अहम है.

इंटीरियर डिजाइनर सजाते हैं घर और दफ्तर

घर हो या दफ्तर, हर जगह अगर मेरी छाप दिख सके तो बात बन जाए। शायद आज हर व्यक्ति कुछ इसी तर्ज पर सोचता है। इस सोच को पूरा करने और अपने घर और दफ्तर को मन-मुताबिक सजाने के लिए हमें एक प्रोफेशनल की जरूरत पड़ती है। ये प्रोफेशनल कहलाते हैं इंटीरियर डिजाइनर, जो अपनी कला और हमारी पसंद को मिला कर जगह को एक नया रूप देते हैं। बतौर इंटीरियर डिजाइनर, आपको प्रबंधन की कला के अलावा एक्सक्लूसिव फर्नीचर, आर्ट पीसेज और फर्निशिंग के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है।

इंटीरियर डिजाइनर का काम

एक इंटीरियर डिजाइनर का काम उपलब्ध जगह का अधिकाधिक इस्तेमाल करना है। साथ ही जगह को अपने क्लाइंट की पसंद और उसके बजट को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक व्यावहारिक बनाना भी है। वह नए-पुराने घर-दफ्तर, होटल-रेस्तरां, स्टूडियो आदि को लोगों की पसंद के मुताबिक तैयार करता है। आमतौर पर इंटीरियर डिजाइनर दीवारों और छतों के किसी भी ढांचे को सजाने का काम करता है, जिसमें वे फर्निशिंग यानी पर्दे, टेबल कवर, बेड कवर, सोफा कवर आदि के साथ फर्नीचर और घर में लाइट का प्रबंध करता है। यह प्रबंध सिर्फ देखने में ही नहीं, बल्कि रहने के लिहाज से भी व्यावहारिक होता है। आपकी किचन में कितने ड्रॉर होंगे, गैस के साथ चिमनी लगनी चाहिए या वेंटिलेशन का कोई और तरीका हो, इन सब मुद्दों पर भी वे मदद करता है। घर में हर कमरे के लिए अलग रंग, अलग फर्निशिंग्स व फर्नीचर को चुनने में वह सहायता करता है।

कैसे करें शुरुआत

इंटीरियर डिजाइनिंग में कई संस्थान डिप्लोमा कोर्स मुहैया करा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए आप 12वीं के बाद आवेदन कर सकते हैं। इनमें प्रवेश के लिए कई संस्थान प्रवेश परीक्षा के साथ आपकी ड्राइंग की कला भी आंकते हैं। बेहतर रहेगा कि आप अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए एक पोर्टफोलियो तैयार करें, जिसे आप संस्थान की ओर से आयोजित इंटरव्यू के दौरान दिखा सकते हैं। आप विभिन्न पॉलिटेक्निक या निजी संस्थानों से इस कोर्स के लिए अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा कई नामी-गिरामी संस्थान व विश्वविद्यालय, खासकर डिजाइनिंग से जुड़े हुए, अपने यहां छात्रों को 4 वर्ष का डिग्री कोर्स भी मुहैया कराते हैं, जिसमें वे डिजाइनिंग के विभिन्न पहलुओं के साथ क्राफ्टमैनशिप की भी कुछ जानकारी अपने छात्रों को देते हैं। इसके अलावा आप किसी अन्य विषय में ग्रेजुएशन करने के बाद भी इस प्रोफेशन को अपना सकते हैं। आमतौर पर कला या विज्ञान विषयों में ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा के जरिये इंटीरियर डिजाइनिंग की विभिन्न शाखाओं जैसे रेजिडेंशियल डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग या लैंडस्केप डिजाइनिंग में स्पेशलाइजेशन हासिल करते हैं।

क्या हों खूबियां

अगर आपमें रचनात्मकता है और अधिक से अधिक लोगों के साथ मिल कर नई-नई चुनौतियों का मुकाबला करना चाहते हैं तो इंटीरियर डिजाइनिंग आपके लिए एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है।

आप किसी भी विषय की जानकारी के बाद यह पाठ्यक्रम पढ़ सकते हैं, लेकिन अगर आपको कला के अलावा डेकोरेटिव सामान, घर में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों और आर्किटेक्चर की मूलभूत जानकारी है तो आपके लिए डिजाइनिंग की राह और आसान हो जाएगी। इसके साथ ही अपने करियर को सफल बनाने के लिए आपको बातचीत की कला के साथ ही सुनने की कला भी आनी चाहिए। अगर आप थोड़ी मेहनत और हर बार नए कॉन्सेप्ट के लिए तैयार हैं तो यहां आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही आप में फैशन, परंपरा और संस्कृतियों को समझने की क्षमता होनी चाहिए, ताकि आप क्लाइंट की पसंद को अपनी रचनात्मकता से साकार रूप दे सकें।

पाठ्यक्रम - एमबीए इंटीरियर डिजाइन, एम.एससी. इंटीरियर डिजाइन, बी.एससी. इंटीरियर डिजाइन, बी.ए. ऑनर्स इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, बी.ए. इंटीरियर डिजाइन, पी.जी. डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन एंड स्टाइल, डिप्लोमा इन स्टाइलिंग फॉर इंटीरियर्स, डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर डेकोरेशन एंड डिजाइन

फीस - किसी भी अच्छे निजी संस्थान से इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा कोर्स की सालाना फीस लगभग दो से तीन लाख रुपये तक हो सकती है। वहीं पॉलिटेक्निक्स सरकार द्वारा तय नियम एवं शर्तों के मुताबिक फीस लेते हैं। फीस व स्कॉलरशिप संबंधित अधिक जानकारी के लिए संबंधित संस्थान से संपर्क करें।

वेतन - इंटीरियर डिजाइनिंग में दो वर्षीय डिप्लोमा करने के बाद कोई भी छात्र किसी बड़ी कंपनी या डिजाइनर के यहां बतौर इंटर्न 20 हजार रुपये प्रतिमाह तक कमा सकता है। अनुभव के साथ आपकी आय की कोई सीमा नहीं है। बड़े डिजाइनर एक से दो रूम के लिए दो से तीन लाख रुपये बतौर कंसल्टेंसी मांग लेते हैं।

नफा-नुकसान

- मेहनत के साथ इस क्षेत्र में शोहरत व पैसा कमाना मुश्किल नहीं है
- यहां कई जान-मानी हस्तियों के लिए काम करने का मौका मिल सकता है
- कई बार काम पूरा करने के चलते रात को देर तक या सुबह-सुबह काम करना पड़ सकता है
- इंटीरियर डिजाइनिंग का काम काफी थका देने वाला है, जिसमें कई स्तर के अलग-अलग लोगों से मिलना व उनसे काम निकलवाना पड़ता है

अगर आप क्रिएटिव हैं, मेहनत से मुंह नहीं मोड़ते और नए कॉन्सेप्ट के लिए हमेशा तैयार रहते हैं तो बतौर इंटीरियर डिजाइनर आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। अच्छे इंटीरियर डिजाइनर्स की मांग दिनोंदिन बढ़ रही है।

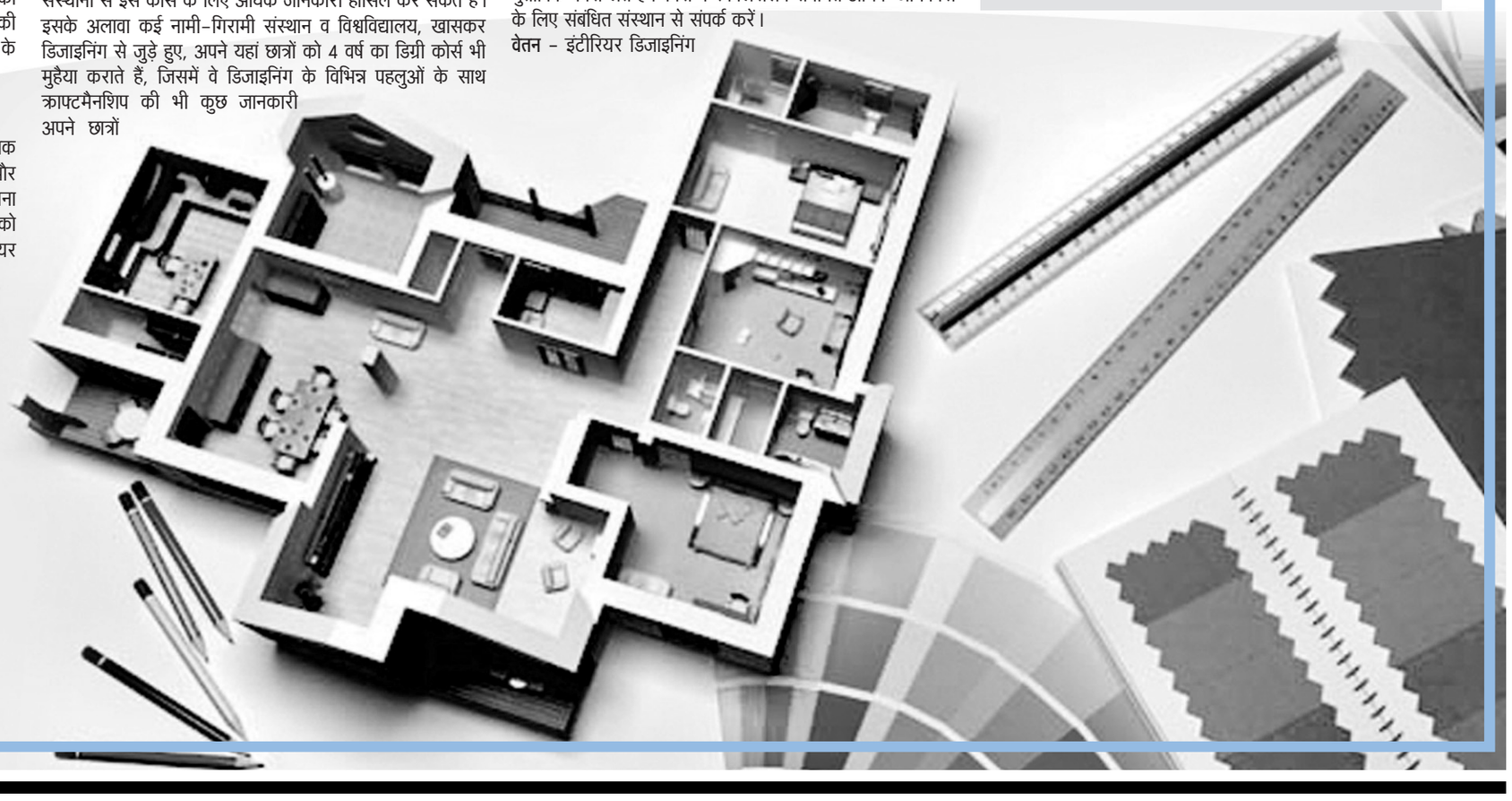

विंटर में रहें ड्राई आई से एलर्ट

सर्दी का मौसम हर लिहाज से अच्छा माना जाता है, फिर चाहे वह स्वास्थ्य के लिहाज से हो या फिर फैशन के लिहाज से। जहां आप बिना डरे हर तरह का खाना खाने से खुद को रोक नहीं पाते, वहीं फैशन करने में भी यह मौसम आड़े नहीं आता, लेकिन कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जो इस मौसम में परेशान कर सकती हैं और वह है आंखो में सूखेपन की समस्या यानी ड्राई आई की प्रॉब्लम। जी हां, ड्राई आई का मतलब वैसी आंख से है, जब आंख में स्थित आंसू ग्रंथियां पर्याप्त आंसू का निर्माण नहीं कर पाती। यह समस्या सर्दी के मौसम में ज्यादा होती है। यह बीमारी कनेक्टिव टिशू के डिसआर्डर होने से होती है। यह समस्या अधिक होने की स्थिति में आंख की सतह को नुकसान पहुंचा सकती है और जिसके परिणामस्वरूप अंधेपन की समस्या भी हो सकती है। इस समस्या से ग्रसित व्यक्ति में कई तरह के लक्षण दिखाई पड़ते हैं।

लक्षण

आंखों में सूखेपन जैसा महसूस होना, आंखों में खुजली एवं जलन का एहसास, हर वक्त आंखों को मलते रहना, ऐसा महसूस होना कि जैसे की आंखों में कंकड़ घुस गया हो, आंखों से बिना कारण पानी का निकलते रहना, बिना कारण आंखों का थक जाना या सूजन के फलस्वरूप सिकुड़कर छोटा हो जाना।

कारण

मौसम के अलावा आंखों के ड्राई होने के और भी कई कारण हो सकते हैं। विटामिन सी की कमी के कारण, महिलाओं में मेनोपॉज के बाद, कुछ दवाओं जैसे सल्फा ग्रुप इत्यादि के एलर्जी रीएक्शन के कारण, एलर्जी की समस्या से ग्रसित होने पर कुछ बीमारी जैसे की थॉयरायड जैसी समस्या होने पर, लंबे समय तक बिना पलक झपकाएं कंप्यूटर पर काम करते रहने से अधिक देर तक टीवी देखने से व उच्च स्तर के प्रदूषण के कारण।

समाधान

ड्राई आई की बढ़ती समस्याओं को देखते हुए उपचार के तौर पर अभी तक केवल आंखों में चिकनाई उत्पन्न करने वाला ड्राप बना है, लेकिन इस दिशा में और भी कुछ नए संभावित विकल्प के तौर पर उभर कर सामने आए हैं। अब साइक्लो स्पोरिन ड्राप जो कि रोगी के इमेन्यू सिस्टम के साथ काम करते हैं। रोगियों में कनेक्टिव-टिशू डिसआर्डर होने पर उनको वायरायड पैथौलॉजी करनी चाहिए। यह 40- 50 प्रतिशत मामलों में मददगार हो रहा है। यह आंखों में चिकनाई लाने वाली आई ड्राप्स की आवश्यकता को कम करता है। दूसरा विकल्प पंकटल प्लग का है। यह काफी छोटी प्लग होती है, जो आंसू के श्राव को बंद कर देती है। यह मुलायम सिमीकन की बनी होती है तथा इसे आसानी से लगाया जा सकता है। यह आंसूओं को रोकने में मदद करती है, जिससे की आंखों में नमी बरकरार रहें। इसके अलावा इस समस्या से ग्रसित लोगों को निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए। आंखों को डायरेक्ट हवा के संपर्क में न आने दें। इससे बचने के लिए चश्मे का इस्तेमाल करें। कंप्यूटर पर काम करने के दौरान बीच-बीच में पलक झपकाना नहीं भूलें। यदि कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक बार अपनी आंखों के डॉक्टर के पास जाएं। हेयर ड्रायर, कार हिटर, एसी ब्लोअर और पंखे से आंख को दूर रखें। धूप में जाने से पहले आंखों को कवर करना न भूलें। सर्दी के मौसम में कमरे को गर्म रखने वाले उपकरणों से आंखों को बचाएं। इसके लिए हीटर के पास एक मग पानी रख दें, ताकि रूम में नमी बनी रहें। कुछ लोग विशेष प्रकार के डिजायन किए गए ग्लास का उपयोग करते है। यह आंखों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। आंखों में जलन या खुजली महसूस होने पर इसे रगड़ने के बजाए आंखों पर ठंडे पानी से छींटे मारे।

■ डॉ. प्रतीप व्यास

सुबह-सुबह करें ये 4 काम नहीं बढ़ेगा बेली फैट

आप वजन कम करने की सोच रहे हैं तो सुबह कुछ बातों का ध्यान रखें। खास कर अगर आप बेली फैट कम करने की सोच रहे हैं तो आपको सुबह-सुबह हेल्दी खाना खाने के साथ एक्सरसाइज पर भी ध्यान देना होगा। सर्दियों की तुलना में गर्मियों में वजन कम करना अधिक आसान है, क्योंकि इस मौसम में अधिक व्यायाम किया जा सकता है। इसके अलावा आप इस मौसम में पानी और फल जैसे तरबूज और खरबूज लेते हैं, जो वजन कम करने में मदद करते हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं, ये टिप्स जिनका आपको सुबह के समय ध्यान रखना चाहिए:

1. सुबह एक्सरसाइज करने से कैलोरी बर्न करने में बहुत मदद मिलती है। इसलिए सुबह उठकर व्यायाम जरूर करना चाहिए।

2. सुबह-सुबह उठकर पानी पीने से वजन कम करने में मदद तो मिलती है साथ ही हेल्दी भी रहते हैं।

3. ब्रेकफास्ट में प्रोसेस फूड का इस्तेमाल न करें। इसके अलावा प्रीजर्वेटिव और शुगर से संबंधित चीजें भी ब्रेकफास्ट में नहीं लेनी चाहिए।

4. किसी भी स्थिति में सुबह का ब्रेकफास्ट नहीं छोड़ना चाहिए। एक्सपर्ट की मानें तो इससे आपके शरीर का फैट बर्निंग प्रोसेस कम हो जाता है।

प्याज का सूप

सामग्री

- 4 प्याज
- बटर: 2 चम्मच
- 1 गाजर
- पानी: 1 लीटर
- अजवायन: 2 चम्मच
- 2 लहसुन
- 2 आलू
- वेजिटेबल (अपनी पसंद के अनुसार): 1 कप
- नमक: स्वाद के अनुसार
- शक्कर: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार

विधि

प्याज, लहसुन, आलू और गाजर को छोटे- छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद मध्यम आंच पर पैन में बटर गर्म कर लें। जब बटर मेल्ट हो जाए तो उसमें प्याज और लहसुन के टुकड़े डाल दें। हल्का ब्राउन होने तक भूनें। इसके बाद मीडियम फ्लेम पर पानी गर्म करें। इसके बाद उसमें अजवायन और बाकी की सब्जियां डाल दें। साथ में शक्कर, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छे से चलाएं। इसके बाद इसे 2 से 3 मिनट तक अच्छे से मिलने दें। जब यह उबलने लगे तो इसमें प्याज और लहसुन का पहले से तैयार किया हुआ मिक्सचर डाल दें। अब पैन में आलू और गाजर के टुकड़े डालें। इसके बाद मध्यम आंच पर 15 मिनट तक इसे पकाएं। जब यह पक जाए तो इसकी प्यूरी तैयार कर लें। अब दूसरे पैन में इस प्यूरी को डालकर 5 मिनट तक चलाएं। अब गर्मागर्म सर्व करें।

नूरी गोभी

सामग्री

- गोभी: 1 किलो
- नमक: स्वादानुसार
- तेल: 150 मिली
- तेजपत्ता: 6
- हरी इलायची: 6
- विनिगर: 2 चम्मच
- जावित्री पाउडर: 1/ 2 चम्मच
- नीबू का रस 2 चम्मच
- अदरक-लहसुन पेस्ट: 2 चम्मच
- कटा हुआ प्याज: 4
- कटा हुआ टमाटर: ३
- हल्दी पाउडर: 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: स्वादानुसार
- पानी आवश्यकतानुसार
- गरम मसाला पाउडर: 2 चम्मच
- हरी मिर्च: 5
- कटी हुई धनिया पत्ती: 4 चम्मच
- कटा हुआ लहसुन: 4 चम्मच
- भुना हुआ काजू 150 ग्राम

विधि

गोभी को धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें कटा हुआ लहसुन और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक और लहसुन का पेस्ट और गोभी कढ़ाई में डालें और कढ़ाई को ढक दें। लगभग 10 मिनट बाद कढ़ाई में विनिगर, नीबू का रस और सभी पाउडर मसाला डाल दें। कुछ देर तक धीमी आंच पर पकाएं। भुने हुए काजू और धनिया पत्ती से सजा कर सर्व करें।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 2674

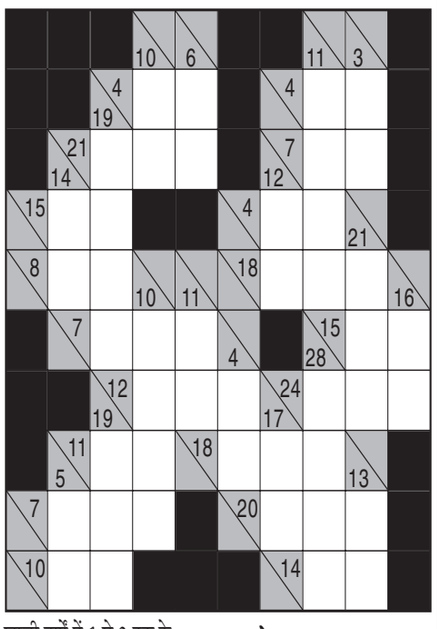

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2673 का हल

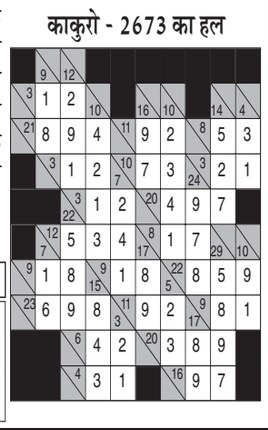

हंसी के फव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?

अपनी जगह सभी शासन करते हैं.
वह कैसे ?
मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूँ.

□ □ □

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?

मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूँ ?

□ □ □

थका हुआ पति: आज शाम का घूमना तो रद्द करो.

पत्नी: आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

□ □ □

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.

पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.

ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 2674

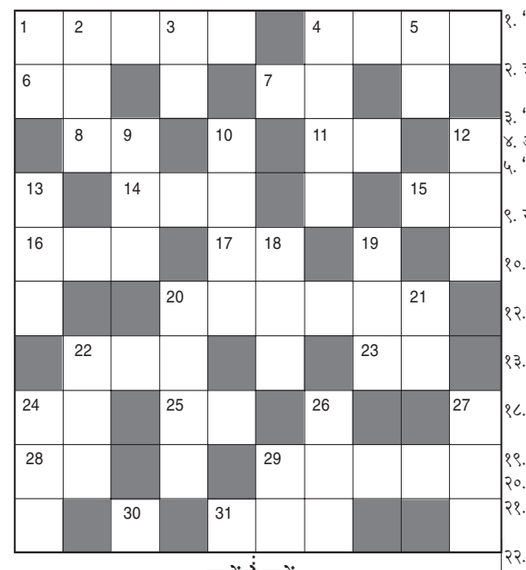

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टार फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2673

जु	दा	ई		उ	त्स	व		जं	ग
र्म		मा	सु	म		क्क		ग	
	आ	न		श	नी		दि	ल	से
भा	ई		दे	व		शृ	ल		व
	ना			जा	ल		ज	ब	क
भ		श्र	गु	न		द	ला	ल	
रे	टी		स		दो	स्त		मा	या
सा		जो		आ		क	र्ज		ग
	स	र	फ	रे	श्र			ना	ना
ह	त्या			प		सं	ग	म	

सूडोकु -2674

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2673 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 2674

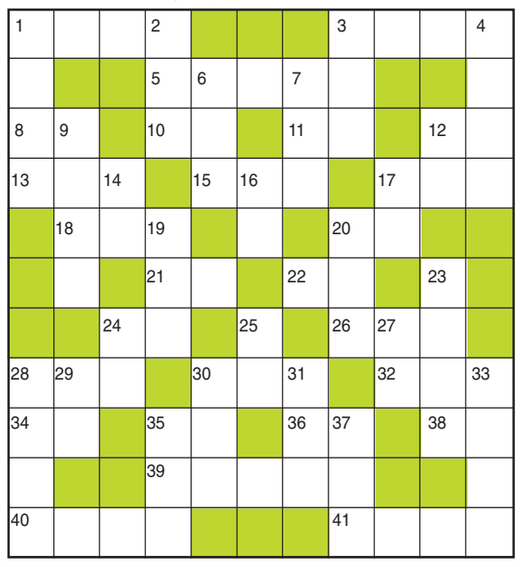

बाएँ से दाएँ

1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़,भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश,पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख,नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा,लाभ-2
21. चिट्ठी,पत्र-2
22. जी,चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना,दबाना-3
28. दाड़म,एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी,पुलाव-3
34. मां,आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब,किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1. दलाली-4
2. स्वदेश,जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड,आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक,कणिका-2
14. थोड़ा,जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित,रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट,अभिमत-2
28. धरोहर,थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि,रोकड़-3
31. संधिपत्र,मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ,तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -2673 का हल

	स	ला	म	त		म	हा	व	र	
का	म		ही	र		म	सि		थ	ल
की		शा	न		वं		ल	ब		क्ष्य
		य		म	हा	न		र		
	फ	र	मा	न		र	म	खा	न	
का	की		ल				न		र	ति
	र	नि	वा	स		ह	म	द	म	
		य		र	ज	क		स्त		
जा		म	जा		हां		श	क		का
न	शा		य	म		पा	प		सा	या
	म	हा	का	ल		ल	थ	प	थ	

प्रांतीय रक्षक दल के स्थापना दिवस का मुख्यमंत्री धामी ने किया शुभारंभ, परेड की ली सलामी

देहरादून। प्रांतीय रक्षक दल के स्थापना दिवस का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुभारंभ किया। उन्होंने परेड की सलामी ली। आज की परेड में 8 दस्ते शामिल है।

इस दौरान सीएम धामी ने पीआरडी जवानों का हौसला बढ़ाया। पीआरडी जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आपदा जैसी मुश्किल घड़ी में जवान डट कर सामना करते है। कहा इस हौसले की वजह से हम मिलकर मुश्किल हालात का सामना कर पाते हैं। वहीं समारोह में मौजूद मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि सीएम पीआरडी जवानों का मार्गदर्शन करते आए। उनका सहयोग हमें सदैव मिलता रहा है।

धर्मशाला में सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार के एक साल का जश्न, नहीं पहुंचीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। सत्ता में आने से पहले दस गारंटियों का वादा करने वाली हिमाचल प्रदेश की सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार आज एक साल का कार्यकाल पूरा होने का धर्मशाला में जश्न मना रही है। सोमवार सुबह मुख्यमंत्री सुक्खू ने धर्मशाला रवाना होने से पहले शिमला के प्रसिद्ध जाखू हनुमान मंदिर में पत्नी के साथ पूजा की। धर्मशाला पहुंचने पर सबसे पहले सीएम मुख्यमंत्री शहीद स्मारक गए। शहीद स्मारक में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद पदयात्रा की। इसके बाद मुख्यमंत्री के समारोह स्थल पर पहुंचते ही पूरा पुलिस ग्राउंड सुक्खू भाई... जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा।

सियाचिन ग्लेशियर पर तैनात होने वाली पहली मेडिकल ऑफिसर बनीं फातिमा वसीम, भारतीय सेना ने जारी किया वीडियो

नई दिल्ली। कैप्टन फातिमा वसीम ने सियाचिन ग्लेशियर पर ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनात होने वाली पहली महिला मेडिकल ऑफिसर बनकर इतिहास रच दिया है। सियाचिन बैटल स्कूल में कठोर ट्रेनिंग प्राप्त करने के बाद उन्हें 15200 फीट की ऊंचाई पर स्थित ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनाती मिली थी।

पहली मेडिकल ऑफिसर बनीं कैप्टन फातिमा वसीम

भारतीय सेना के फायर एंड फ्यूरी कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कैप्टन फातिमा वसीम से जुड़ा एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें लिखा कि सियाचिन वॉरियर्स की कैप्टन फातिमा वसीम, सियाचिन ग्लेशियर पर ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनात होने वाली पहली मेडिकल ऑफिसर बन गई हैं।

निज्जर की हत्या के लिए 'सीक्रेट मेमो' जारी करने के आरोप को भारत ने किया खारिज, अरिंदम बागची बोले- ये पाकिस्तान की साजिश

नई दिल्ली। भारत सरकार ने सिख अलगाववादियों के खिलाफ गोपनीय पत्र (सीक्रेट मेमो) जारी करने की रिपोर्ट को खारिज करते हुए इसे फर्जी और मनगढ़ंत बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि यह रिपोर्ट भारत के खिलाफ निरंतर दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि हरदीप सिंह निज्जर सहित कुछ सिख अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए अप्रैल में नई दिल्ली ने उत्तरी अमेरिका में दूतावासों को गोपनीय पत्र जारी किया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बागची ने कहा कि ऐसा कोई पत्र (मेमो) जारी नहीं किया गया है। ऐसी खबरें फर्जी और पूरी तरह से मनगढ़ंत हैं।

'मराठाओं के खिलाफ बोलने वालों को रोकें', कोटा को लेकर फडणवीस पर भड़के जारांगे

मुंबई। मराठा आरक्षण की मांग करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के कुछ करीबी लोग मराठाओं के खिलाफ बोल रहे हैं। जारांगे ने अपील की कि फडणवीस लोगों को ऐसा करने से रोकें। लातूर में पत्रकारों से बात करते हुए जारांगे ने कहा कि उन्हें सीएम एकनाथ शिंदे पर विश्वास है कि वह मराठा समुदाय को आरक्षण देंगे।

अनुच्छेद 370: 'इतिहास की गलती..', सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पक्ष रखने वाले वकील बोले-

देश पीएम मोदी-शाह का कर्जदार रहेगा

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इतिहास में की गई संवैधानिक भूल को आखिरकार सुधार लिया है। सॉलिसिटर जनरल ने इसके लिए पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को श्रेय दिया और कहा कि देश हमेशा इनका ऋणी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि '5 अगस्त 2019 और आज की तारीख भारत के इतिहास में दर्ज हो गई। पूर्व में की गई भयंकर संवैधानिक भूल को आखिरकार

सरकार ने सुधार लिया है। यह सिर्फ पीएम मोदी की मजबूत इच्छाशक्ति और हमारे गृहमंत्री अमित शाह की शानदार रणनीति से ही यह ऐतिहासिक फैसला संभव हुआ है। देश हमेशा इनका कर्जदार रहेगा। सॉलिसिटर जनरल ने अपने बयान में कहा कि 'वह सौभाग्यशाली हैं कि वह भी अनुच्छेद 370 हटाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल रहे। सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला भी ऐतिहासिक रहा, जिसमें शानदार बुद्धिमत्ता के साथ कानून के शासन के प्रति चिंता और मूलभूत अधिकारों और जम्मू कश्मीर के नागरिकों के अधिकारों की समानता के लिए चिंता दिखाई दी।' तुषार मेहता ने कहा कि 'मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि सरदार पटेल की आत्मा आज पूरी तरह से संतुष्ट हुई होगी कि जिस प्रावधान को संविधान में शामिल करने से नहीं रोक पाए थे, वह आज आखिरकार खत्म हो गया है। वह पीएम मोदी और अमित शाह को आशीर्वाद दे रहे होंगे।

वायु सेना के हिंडन एयर बेस के पास सुरंग खोदकर सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश

गाज़ियाबाद। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद में वायु सेना के हिंडन एयर बेस की चाहरदीवारी के पास सुरंग खोदकर सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने की कोशिश की गई है। यह खबर जब पुलिस व एयरबेस प्रशासन को मिली तो हड़कंप मच गया। पुलिस ने रविवार देर रात तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की तो पता चला कि वहां पर 4 फीट गहरी सुरंग खोदी गयी है। यह स्थान थर्मल स्कैनर व सीसीटीवी कैमरे की रेंज से बाहर है। मुकदमा दर्ज करके गहराई से जांच-पड़ताल शुरू कर दी गई है। सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील हिंडन एयर बेस के सहायक सुरक्षा अधिकारी मास्टर वारंट अफसर सतीश कुमार की तहरीर पर ऑफिसियल सीक्रेसी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। ट्रांस हिंडन क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त शुभम पटेल ने सोमवार को बताया कि इरशाद कॉलोनी के पास यह गड्ढा रविवार की बीती शाम देखा गया था, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कार्रवाई की मांग की गई थी। इसको गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मौके पर जाकर छानबीन की गई तो वहां पर 4 फीट गहरी सुरंग मिली है।

महुआ मोइत्रा ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, लोकसभा सदस्यता छिनने के खिलाफ दायर की याचिका

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा सदस्यता छीने जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गौरतलब है कि कैश के बदले सवाल मामले में घिरने और आचार समिति की तरफ से लोकसभा में रिपोर्ट रखे जाने के बाद सदन के अध्यक्ष ने उन्हें निष्कसित कर दिया था। इसी के खिलाफ टीएमसी सांसद सर्वोच्च न्यायालय पहुंचीं हैं।

गौरतलब है कि महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप लगे हैं। इन्हीं की जांच कर रही संसद की आचार समिति ने लोकसभा में महुआ की सांसदी खत्म करने की सिफारिश की थी। बाद में रिपोर्ट के आधार

पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महुआ को निष्कासित कर दिया। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उनके खिलाफ लोकसभा स्पीकर से शिकायत कर जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे। लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं।

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर विपक्ष का मिलाजुला रुख, किसी ने जताई निराशा तो किसी ने स्वागत किया

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के केंद्र सरकार के फैसले को जायज ठहराते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्य में भारत का संविधान ही चलेगा।

उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने किया स्वागत

शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हमने अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन किया था इसलिए हम इस फैसले का स्वागत करते हैं।'

IMIM ने यह कहा

वहीं, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद

असदुद्दीन ओवैसी ने फैसले पर निराशा जताई है।

कांग्रेस की यह मांग

इसके अलावा, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि केंद्र को जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराना चाहिए और पूर्ण राज्य का दर्जा भी बहाल करना चाहिए। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि सरकार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करेगी और लोगों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का मौका देगी।'

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम निर्णय को प्रधानमंत्री ने बताया 'आशा, प्रगति और एकता की शानदार घोषणा'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के अनुच्छेद 370 को हटाए जाने की वैधता बरकरार रखने के फैसले को ऐतिहासिक बताया है और कहा है कि यह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर ट्वीट कर कहा, 'आज का फैसला सिर्फ कानूनी फैसला नहीं है, आशा की किरण है, उज्जवल भविष्य का वादा है और एक मजबूत, अधिक एकजुट भारत के निर्माण के हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपनी गहरी समझ से उस एकता को मजबूत किया है जिसे हम भारतीय होने के नाते बाकी सब से ऊपर मानते हैं और बनाए रखना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को आश्वस्त किया कि उनके सपनों को पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार की प्रतिबद्धता अटूट है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि प्रगति का लाभ न केवल आप तक पहुंचे बल्कि अनुच्छेद 370 के कारण पीड़ित हमारे समाज के सबसे कमजोर और हाशिए पर रहने वाले वर्गों तक भी पहुंचे।

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जेपी नड्डा सहित कई नेता ने किया स्वागत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अनुच्छेद 370 हटाने के केन्द्र सरकार के फैसले को वैध ठहराते हुए सितंबर तक वहां चुनाव कराने का फैसला सुनाया है। न्यायालय के इस फैसले का भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वागत किया है।

नड्डा ने एक्स पर अपने संदेश में कहा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 के विषय में दिये गये फैसले का भाजपा स्वागत करती है। उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने अनुच्छेद 370 और 35ए हटाने के लिए दिए गये निर्णय, उसकी प्रक्रिया और उद्देश्य को सही ठहराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्य विचारधारा में

जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया है, इसके लिए मैं और हम करोड़ों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। वहीं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महाराजा हरि सिंह के बेटे करण सिंह ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए लोगों को इसे स्वीकार करने का सुझाव दिया। उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर में एक वर्ग ऐसा है जो इस फैसले से खुश नहीं है, लेकिन अब उन्हें यह फैसला स्वीकार करना चाहिए। अब यह किया जा चुका है और सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई को बरकरार रखा है इसलिए अब अनावश्यक रूप से दीवार पर सिर मारने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने सलाह दी कि उन्हें अपनी ऊर्जा अगले चुनाव पर लगाना चाहिए। लोगों को नकारात्मकता विकसित करने के बजाय चुनाव के लिए प्रेरित करना चाहिए।

धामी बोले, न्यायालय का जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के समग्र विकास के लिए गए निर्णय पर मुहर है

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के हटाने पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया है। यह फैसला केन्द्र सरकार का देशहित, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के समग्र विकास के लिए गए निर्णय पर मुहर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया के माध्यम से जारी पोस्ट में कहा है कि भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता को बनाए रखने के लिए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का जो ऐतिहासिक कार्य प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में केंद्रीय गृहमंत्री की ओर से किया गया।

विधानसभा के पूर्व स्पीकर चौधरी छतर सिंह का 89 वर्ष की आयु में निधन

रोहतक। हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर छतर सिंह चौहान 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने रोहतक पीजीआई में अंतिम सांस ली। उन्हें अस्थमा की शिकायत थी और वह यहां एडमिट थे। उनका पूरा बचपन दादरी जिले के बौंदकलां में गुजरा है। जब वो एक दिन के थे तो बौंदकलां में उनकी बुआ उन्हें राजस्थान के कारौली गांव स्थित अपने भाई के घर से गोद ले आई थी। किसान परिवार से निकलकर वो प्रोफेसर के पद तक पहुंचे और लॉ और एमए इतिहास में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन के हाथों उन्हें दो बार गोल्ड मेडल मिला।स्वर्गीय छतर सिंह के भांजे गजेंद्र सिंह चौहान के अनुसार, छतर सिंह ने वर्ष 1991 और 1996 में मुंढाल हलके से चुनाव लड़ा। उन्होंने हरियाणा विकास पार्टी के प्रतिनिधि के तौर पर जीता हासिल की।

कथाकार हृषीकेश सुलभ को मिला 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान'

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' के 26वें वार्षिकोत्सव सह पुरस्कार अर्पण समारोह में 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मूर्धन्य कथाकार हृषीकेश सुलभ को और 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' वयोवृद्ध हिंदी सेवी बीएस शांता बाई को प्रदान किया गया।

इस मौके पर 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' से सम्मानित कथाकार हृषीकेश सुलभ ने कहा कि अज्ञेय हमारी भाषा के सिरमौर हैं। उनके नाम पर सम्मान पाना स्वप्न के सच होने की तरह है। मल्लिकार्जुन मंसूर, कुमार गंधर्व और प्रसन्ना की भूमि से सम्मानित होना मेरे लिए बड़ा महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि साहित्य के लिए यह संकट का समय है, जबकि आदमी के भीतर की करुणा को जीवित रखना आज के समय की मांग है। समारोह के मुख्य अतिथि व कन्नड़ के प्रख्यात कवि, नाटककार एचएस शिवप्रकाश ने कहा कि भारत की एकता राजनीति से नहीं, साहित्य और संस्कृति से है, किन्तु समाज के यांत्रिकीकरण के कारण आज साहित्य और संस्कृति के आस्वादन का खतरा उत्पन्न हो गया है। हर दिशा से शब्द और साहित्य पर हमले हो रहे हैं। विश्वविद्यालयों में साहित्य और संस्कृति का ऐसा संकुचन हुआ है कि आज के युवा दो-तीन सौ से ज्यादा शब्दों का उपयोग नहीं करते। यह स्थिति रही

तो भविष्य के बच्चे हमारी भाषा के शब्द बोलना भी बंद कर देंगे। समारोह में एक लाख रुपये का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मूर्धन्य कथाकार हृषीकेश सुलभ को और इक्कीस हजार रुपये का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' 96 वर्षीय वयोवृद्ध हिंदीसेवी बीएस शांता बाई को अंगवस्त्रम, स्मृति चिह्न, प्रशस्ति फलक एवं श्रीफल के साथ सम्मानित किया गया।

भारतीय सेना की टुकड़ी संयुक्त सैन्य अभ्यास 'विनबैक्स' के लिए हनोई पहुंची

नई दिल्ली। संयुक्त सैन्य अभ्यास 'विनबैक्स' के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए 45 कर्मियों वाली भारतीय सशस्त्र बल की टुकड़ी हनोई (वियतनाम) पहुंच गई है। भारतीय दल में बंगाल इंजीनियर ग्रुप के इंजीनियर रेजिमेंट के 39 कर्मी और आर्मी मेडिकल कोर के छह कर्मी हैं। वियतनाम पीपुल्स आर्मी की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व 45 सैन्य कर्मी करेंगे। वियतनाम के हनोई में 21 दिसंबर तक होने वाले अभ्यास की शुरुआत 2018 में हुई थी और पहला संस्करण जबलपुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित किया गया था। यह भारत और वियतनाम में वैकल्पिक रूप से आयोजित एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। अभ्यास का पिछला संस्करण अगस्त, 2022 में हरियाणा के पंचकूला शहर से सटे शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में स्थित भारतीय सेना की सैन्य छावनी चंडीमंदिर मिलिट्री स्टेशन में हुआ था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस अभ्यास का उद्देश्य सहयोगात्मक साझेदारी को बढ़ावा देना, अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देना और शांति स्थापना संचालन पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत दोनों पक्षों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है। यह अभ्यास एक कमांड पोस्ट अभ्यास सह फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास के रूप में आयोजित किया जाएगा।

धर्मगुरु दलाई लामा का सिक्किम पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

गंगटोक। धर्मगुरु 14वें दलाई लामा अपनी चार दिवसीय यात्रा पर सोमवार सुबह सिक्किम पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, कैबिनेट मंत्रियों और अन्य गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया। लामा हेलीपैड से राजधानी के एक स्थानीय होटल के लिए रवाना हुए, जहां वह सिक्किम की अपनी यात्रा के दौरान रुकेंगे।सुबह बागडोगरा हवाईअड्डे (पश्चिम बंगाल) से हेलीकॉप्टर से राजधानी गंगटोक के लीबिंग स्थित भारतीय सेना के हेलीपैड पर उतरे। दलाई लामा के स्वागत के लिए हेलीपैड के पास वीसी गंजु लामा द्वार से राष्ट्रीय राजमार्ग 10 के दोनों ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु कतार में खड़े थे। भक्तों ने दलाई लामा को प्रणाम कर स्वागत किया। दलाई लामा ने भी अपनी गाड़ी से हाथ हिलाकर भक्तों का अभिवादन स्वीकार किया। सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य आज होटल में दलाई लामा से मुलाकात करेंगे। दलाई लामा 12 दिसंबर को राजधानी गंगटोक के पाल्जोर स्टेडियम में एक धार्मिक प्रवचन कार्यक्रम में शामिल होंगे और 14 दिसंबर को सिक्किम से वापस लौटेंगे।उल्लेखनीय है कि दलाई लामा इस वर्ष अक्टूबर में सिक्किम का दौरा करने वाले थे।

गुलाम नबी आज़ाद ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया

श्रीनगर। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने सोमवार को संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि हमें इसे स्वीकार करना होगा। आजाद ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अदालत का फैसला दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के लोग शीर्ष अदालत की पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा दिये गये फैसले से खुश नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को सोमवार को बरकरार रखा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था और राष्ट्रपति के पास इसे रद्द करने की शक्ति है।

गोगामेड़ी हत्याकांड: सामने आया मोहाली कनेक्शन, हत्या से पहले लूटी कार! पीड़ित बोला- दो को पहचानता हूं

चंडीगढ़। राजस्थान में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के मामले में दिल्ली क्राइम ब्रांच और राजस्थान पुलिस ने आरोपियों को चंडीगढ़ सेक्टर-24 से गिरफ्तार किया है। इनके तार मोहाली से भी जुड़ रहे हैं। 28 नवंबर को सोहाना थाने के हरभजन सोसाइटी से 400 मीटर दूर ट्रैक्सी चालक जतिंदर सिंह से दो युवकों ने गन पॉइंट पर स्विफ्ट डिजायर गाड़ी लूटी थी। टैक्सी चालक जतिंदर ने शक जताया है कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या में जो हत्यारे शामिल हैं, उनमें दो लोगों ने उसकी टैक्सी लूटी थी और उससे 10 हजार रुपये भी छीने थे। वह उनके चेहरे अच्छी तरह पहचानता है। इस मामले में जतिंदर सिंह की शिकायत पर 28 नवंबर को सोहाना थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। हालांकि मामले में सोहाना पुलिस अभी तक न तो टैक्सी ढूंढ पाई थी और न ही लुटेरों का कुछ पता चल पाया था। जतिंदर ने बताया कि उसने सोहाना पुलिस को जानकारी दी है कि दिल्ली क्राइम पुलिस ने जो हत्यारे पकड़े हैं, उन्हें प्रोडक्शन वारंट पर मोहाली लाकर पूछताछ की जाए।

जतिंदर सिंह निवासी सेक्टर-115 मोहाली टैक्सी चलाता है। उसने पुलिस को दिए बयान में कहा था कि 28 नवंबर को दो युवकों ने बाकरपुर से आगे एचपी पेट्रोल पंप से राइड बुक की थी। उस समय बुकिंग पर बनी नाम शो हो था। उसने बताया कि उनको सेक्टर-114 में आंसल जंक्शन के अंदर हरभजन सोसाइटी जाना था। दो लोग उसकी स्विफ्ट डिजायर गाड़ी में बैठ गए। उनमें एक युवक आगे बैठा था। टैक्सी ड्राइवर जतिंदर सिंह ने बताया कि जब वह हरभजन सोसाइटी से 400 मीटर पहले सुनसान जगह पर पहुंचे तो पीछे बैठे युवक ने उसे उल्टी आने का बहाना बनाकर गाड़ी रुकवा ली। उसके साथ कंडक्टर सीट पर बैठा युवक उसे पानी देने लगा। काफी देर युवक ने उल्टी का बहाना बनाकर गाड़ी रुकवाकर रखी।जतिंदर ने कहा कि उसने युवक से कहा कि उनका घर अब पास ही है। वह उसे घर छोड़ देगा, वहां जाकर वह दवा ले लें लेकिन वह नहीं माने। इतनी देर में कंडक्टर सीट पर बैठे युवक ने उस पर पिस्टल तान दी और पीछे वाला युवक भी गाड़ी में बैठकर उसे किरच से डराने लगा। जतिंदर ने लुटेरों से कहा कि वह उससे पैसे ले लें। उसने उन्हें अपना पर्स दे दिया। उसके पर्स में करीब 10 हजार रुपये थे जो, उन्होंने निकाल लिए। उसके बाद पीछे से गाड़ियां आती दिखाई दीं तो पीछे बैठा युवक बाहर निकला और उसे गाड़ी से खींचकर नीचे उतार दिया।

हिन्दू धर्म में बहुत महत्व रखता है खरमास

खरमास हिन्दू धर्म और ज्योतिष में बहुत महत्व रखता है, क्योंकि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत करने से पहले शुभ समय या मुहूर्त जरूर देखा जाता हैं। साथ ही सूर्य के चाल भी देखते हैं, क्योंकि सूर्य जब धनु और मीन राशि में आते हैं तब खरमास लग जाता है। अतः शुभ कार्यों को करने की मनाही है। खरमास से संबंधित 20 खास नियम, जिनका पालन करना है आवश्यक

- खरमास 16 दिसंबर 2022 से 14 जनवरी 2022 तक जारी रहेगा। अतः इस समय में सगाई, शादी, वधु प्रवेश, गृह प्रवेश, घर निर्माण, नया व्यापार का आरंभ तथा किसी भी तरह का कोई भी मांगलिक कार्य ना करें।
- खरमास में पूरे महीने में सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि करके प्रतिदिन चढ़ते सूरज को अरघ्य अर्पित करें, यह सेहत, समृद्धि के लिए लाभदायी रहेगा और ऐसा करने से शुभ फल भी मिलेगा।
- इस महीने भगवान श्री कृष्ण के प्रसन्न करने के लिए गौशाला जाकर गौमाता को गुड़, हरा चना खिलाएं और उनका पूजन करें।
- यदि गौशाला जाना प्रतिदिन संभव ना हो तो घर में गाय की मूर्ति या तस्वीर लगाकर उसका पूजन करें।
- खरमास के महीने में आप जितने असहाय और गरीबों की मदद करेंगे उतना लाभ मिलेगा, क्योंकि खरमास ही एक ऐसा महीना है जिसमें दान और पुण्य करने का सबसे अधिक फल मिलता है।
- प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि से निवृत्त होकर श्री विष्णु का केसर मिले दूध से अभिषेक करें और कम से कम 11 बार विष्णु मंत्र- 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः' का तुलसी की माला से जाप करें।
- खरमास को मलमास भी कहा जाता है। इस माह आने वाली सभी एकादशियों का व्रत-उपवास करके भगवान श्री विष्णु का पूजन करें और उन्हें तुलसी के पत्तों के साथ खीर का भोग लगाएं।
- हिन्दू धर्म में इस महीने को शुभ नहीं माना जाता है। अतः हिन्दू धर्म के विशिष्ट व्यक्तिगत संस्कार भी निषेध हैं, जैसे नामकरण, यज्ञोपवीत, शुभ विवाह और कोई भी धार्मिक संस्कार नहीं करें।
- जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर स्थिति में हो उन्हें सूर्यदेव का पूजन, अरघ्य, उपासना आदि इस माह अवश्य करना चाहिए।
- इस माहपर्यंत श्री विष्णु का पूजन करके तीर्थस्थान पर जाकर स्नान-दान करने का भी विशेष महत्व है।
- इस महीने नई वस्तुएं, नया घर, प्लॉट, घर अथवा कार या इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी नहीं करनी चाहिए।
- नौकरी अथवा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए खरमास की नवमी तिथि को छोटी कन्याओं को भोजन करवाएं, यह पुण्य फलदायी कार्य होगा।
- इस माह में बुरे अथवा कुविचारों को त्यागें, बुरी आदतें और नशे की लत हो तो छोड़ दें, दुराचार आदि का भी त्याग करके धार्मिक कार्यों में मन लगाएं।
- इस महीने में प्रतिदिन सूर्यदेव की उपासना करके आदित्य हृरदय स्तोत्र का पाठ करें।
- इस माह सायंकाल के समय सूर्यदेव की आराधना करने से जहां जीवनपर्यंत भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है, वहीं अन्न, जल आदि किसी भी वस्तु की जीवन में कमी नहीं रहती।
- यश-कीर्ति की चाह रखने वालों को, उत्तम स्वास्थ्य, शिक्षा, संतान और करियर में सफलता के लिए प्रतिदिन प्रातःकाल में उग रहे लाल सूर्यदेव को अरघ्य दें।
- इस महीने अपने इष्टदेव की पूजा-अर्चना और सेवा करने तथा दान-पुण्य देने से पुण्य का संचय होता है।
- खरमास में पीपल वृक्ष का पूजन करना शुभ फलदायी माना जाता है, क्योंकि पीपल में भगवान श्री विष्णु का वास माना जाता है।

ज्ञान का अद्भुत भंडार है श्रीमद्भगवद्गीता

- श्रीमद्भगवद्गीता एक दिव्य ग्रंथ है। गीता मरना सिखाती है, जीवन को तो धन्य बनाती ही है। यह हमें पलायन से पुरुषार्थ की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है।
- श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दुओं के पवित्रतम ग्रंथों में से एक है।
- गीता जयंती मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को मनाई जाती है।
- गीता केवल धर्म ग्रंथ ही नहीं यह एक अनुपम जीवन ग्रंथ है। जीवन उत्थान के लिए इसका स्वाध्याय हर व्यक्ति को करना चाहिए।
- श्रीमद्भगवद्गीता की पृष्ठभूमि महाभारत का युद्ध है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्याय हैं और महाभारत का युद्ध भी 18 दिन ही चला था।
- अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था।
- गीता में कर्तव्य को ही धर्म कहा है। भगवान कहते हैं कि अपने कर्तव्य को पूरा करने में कभी भी लाभ-हानि का विचार नहीं करना चाहिए।
- गीता के 700 श्लोकों में हर उस समस्या का समाधान है, जो हर इंसान के सामने कभी न कभी आती हैं।
- गीता एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी जयंती मनाई जाती है।

भगवान ने अर्जुन को निमित्त बनाकर, गीता के ज्ञान द्वारा विश्व के मानव को पुरुषार्थ करने की प्रेरणा दी है।

गीता कहती है कि जीवन रोने के लिए नहीं, भाग जाने के लिए नहीं है, हंसने और खेलने के लिए हैं। यह हमें संकटों से, हिम्मत से लड़ने की प्रेरणा देती है। गीता मानव मात्र को जीवन में प्रतिक्षण आने वाले छोटे-बड़े संग्रामों के सामने हिम्मत से खड़े रहने की शक्ति देती है। श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान का अद्भुत भंडार है। हम हर काम में तुरंत नतीजा चाहते हैं लेकिन भगवान ने कहा है कि धैर्य के बिना अज्ञान, दुख, मोह, क्रोध, काम और लोभ से निवृत्ति नहीं मिलेगी। आइए जानें खास बातें.

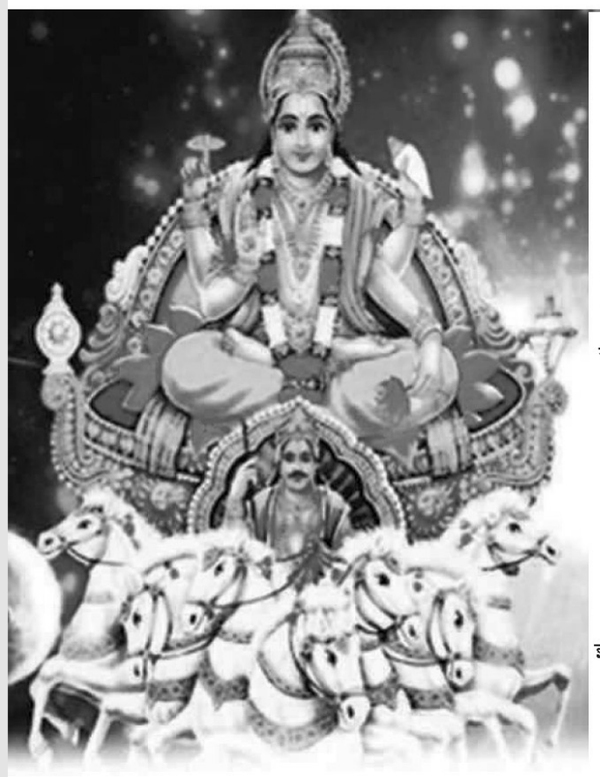

खरमास में करें सूर्य देव की उपासना

क्यों खरमास में मंगल कार्यों (शादी-विवाह, मुंडन, जनेऊ संस्कार, नूतन गृह प्रवेश इत्यादि) को करना उत्तम नहीं बताया गया है। गुरु का ध्यान सूर्य देव पर रहता है। खरमास में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, किंतु मंगल शहनाई नहीं बजती। खरमास 15 जनवरी की रात तक रहेगा। काशी पंचांग के अनुसार सूर्य जब गुरु की राशि धनु या मीन में विराजमान रहते हैं, तो उस घड़ी को खरमास माना जाता है और

में जनेऊ संस्कार, मुंडन संस्कार, नव गृह प्रवेश, विवाह आदि नहीं करना चाहिए। इसे शुभ नहीं माना गया है, वहीं विवाह आदि शुभ संस्कारों में गुरु एवं शुक्र की उपस्थिति आवश्यक बताई गई है। ये सुख और समृद्धि के कारक माने गए हैं। खरमास में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, किंतु मंगल शहनाई नहीं बजती। इस माह में सभी राशि वालों को सूर्य देव की उपासना अवश्य करनी चाहिए।

गुरु का ध्यान सूर्य देव पर

इसका एक धार्मिक पक्ष यह भी माना जाता है कि सूर्य देव जब बृहस्पति के घर में प्रवेश करते हैं, तो देव गुरु का ध्यान एवं संपूर्ण समर्पण उन पर ही केंद्रित हो जाता है। इससे मांगलिक कार्यों पर उनका प्रभाव सूक्ष्म ही रह जाता है जिससे कि इस दौरान शुभ कार्यों का विशेष लाभ नहीं होता इसलिए भी खरमास में मंगल कार्यों को करना उत्तम नहीं बताया गया है।

क्या होता है मासिक कार्तिगाई दीपम

हिंदी पंचांग के अनुसार हर माह की त्रयोदशी को दक्षिण भारत में कार्तिगाई दीपम का पर्व मनाया जाता है। मार्गशीर्ष माह में इसका खासा महत्व रहता है। इस दिन सूर्यास्त के पश्चात दीप जलाकर भगवान शिव और उनके पुत्र कार्तिकेय की पूजा की जाती है। इस दिन का नाम कर्तिका नक्षत्र से लिया गया है, क्योंकि इस दिन कृतिका नक्षत्र प्रबल रहता है।

इस दिन भगवान शिव और कार्तिकेय की पूजा करने से जीवन में नकारात्मकता शक्ति का नाश होकर सकारात्मक ऊर्जा और प्रकाश का संचार होने लगता है। भगवान कार्तिकेय की कृपा से परिवार में सबकुछ कुशल मंगल रहता है। कहते हैं कि यह पर्व ब्रह्मा और विष्णु की उस प्रतियोगिता से जुड़ा है जिसमें वे दोनों शिवजी को अपनी श्रेष्ठता का परिचय देने के लिए एक ज्योति स्तंभ के अंतिम छोर को देखने के लिए जाते हैं। कार्तिगाई दीपम पर भगवान शिव के इसी ज्योति स्वरूप का पूजन किया जाता है।

- इस दिन भगवान शिव के दिव्य ज्योति स्वरूप की पूजा होती है। इस दिन पंक्तिबद्धि तरह से दीपक जलाते हैं।
- प्रातः काल उठने के बाद स्नानादि से निवृत होकर व्रत संकल्प लें। इसके बाद भगवान शिवजी की पूजा-उपासना और आरती करें।
- यदि आप दिनभर निराहार उपवास करने में सक्षम नहीं हैं तो फलाहार कर सकते हैं।
- संध्याकाल में शुभ मुहूर्त में दीप प्रज्वलित करके भगवान शिव का आह्वान करें और पुनः उनकी पूजा और अरती करें।
- अगले दिन प्रातः भगवान की पूजा-अरती करने के बाद स्वयं भोजन ग्रहण करके व्रत का पारणा करें।

शनिदेव को समर्पित रत्न है नीलम

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार नीलम रत्न व्यक्ति को रंक से राजा बना सकता है। यह रत्न शनिदेव को समर्पित होता है। इस रत्न को हर कोई धारण नहीं कर सकता है। जहां ये रत्न रंक से राजा बना देता है वहीं अशुभ होने पर ये रत्न राजा को भी रंक बना सकता है। ज्योतिष गणनाओं के अनुसार नीलम रत्न को धारण करने से पहले कुंडली का विचार करना जरूरी होता है।.

नीलम रत्न के फायदे

- जिन लोगों के लिए नीलम शुभ होता है उन्हें इसका तुरंत फायदा दिखने लगता हैं।
- स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।
- धन- लाभ होने लगता है।
- नौकरी और व्यापार में तरक्की होने लगती है।
- शनि की वक्री चाल से इन राशियों को हो रहा है फायदा, जानें क्या आप भी हैं इस लिस्ट में शामिल

नीलम रत्न के अशुभ होने पर इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है

- नीलम हर किसी को शुभ फल नहीं देता है। जिन लोगों के लिए ये शुभ नहीं है, उन्हें स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।
- धन- हानि हो सकती है।
- कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

ऐसे करें पहचान नीलम आपके लिए शुभ है या नहीं

नीलम रत्न को धारण करने से पहले उसको तकीया के नीचे रखकर सोएं। अगर आपको रात में कोई भी बुरा स्वप्न नहीं आता है और अच्छी गहरी नींद आती है तो इसका मतलब है ये रत्न आपके लिए शुभ है। अगर आपको अच्छी और गहरी नींद नहीं आती है तो इस रत्न को धारण न करें। रत्न धारण करने के बाद अशुभ घटना होने पर इस रत्न को तुरंत उतार दें।

बंद किस्मत खोल सकती हैं मिट्टी ये तीन चीजें

प्राचीन काल से ही मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल होता आ रहा है। हालांकि वर्तमान समय में मिट्टी के बर्तनों की जगह प्लास्टिक या अन्य धातु से बने बर्तनों ने ले ली है। लेकिन आज भी सजावट के लिए ज्यादातर लोग मिट्टी से बनी चीजों का प्रयोग करते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी के बर्तन व्यक्ति की बंद किस्मत को जगा सकते हैं। विद्वानों के अनुसार, घर पर मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल शुभ माना जाता है। कहते हैं कि ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जानिए वास्तु में किन तीन मिट्टी की चीजों को घर पर रखना शुभ माना जाता है।

मिट्टी का घड़ा

वास्तु के अनुसार, मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि घर आती है। मिट्टी का घड़ा सदैव उत्तर दिशा की ओर रखना चाहिए। इसके साथ ही घड़े को कभी खाली नहीं छोड़ना चाहिए। मान्यता है कि घर पर मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि का वास होता है। आपको बता दें कि आज भी आयुर्वेदाचार्य मिट्टी के घड़े का पानी सेहतमंद बताते हैं।

मिट्टी का प्रतिमाएं

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पूजा स्थल पर मिट्टी से बनीं देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखना शुभ हता है। इसलिए घर के मंदिर में हमेशा मिट्टी से बनी देवी-देवताओं की मूर्ति रखनी चाहिए। इन प्रतिमाओं को हमेशा घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) या दक्षिण-पश्चिम दिशा में ही रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मिट्टी का दीपक

वर्तमान समय में पूजा स्थल पर मिट्टी के दीपक का बहुत कम लोग इस्तेमाल करते हैं। मिट्टी के दीपक की जगह धातु से बने दीपक का इस्तेमाल होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी से बने दीपक को घर पर जलाना शुभ होता है। कहते हैं कि ऐसा करने से घर पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

टीम इंडिया ने जीता आखिरी टी20 मुकाबला, इंगलैंड ने सीरीज

वानखेड़े। टीम इंडिया ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंगलैंड के खिलाफ वापसी करते हुए तीसरा टी20 मुकाबला जीत लिया। हालांकि वह सीरीज 2-1 से हार गई। इंगलैंड टीम ने पहले खेलते हुए कप्तान हीदर नाइट के अर्धशतक के बावजूद मात्र 126 रन बनाए

थे। तीन मैचों की श्रृंखला के शुरूआती दोनों मैचों में हार का सामना करने वाली भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में सैका इशाक और श्रेयंका पाटिल ने तीन-तीन विकेट जबकि रेणुका सिंह और अमनजोत कौर ने दो-दो विकेट चटकाए। जवाब में टीम इंडिया ने 127 रन का लक्ष्य स्मृति मंधाना की 48 रनों की पारी की बदौलत 19 ओवर में हासिल कर लिया।

लोग रिंकू सिंह से दूसरे युवराज सिंह बनने की उम्मीद कर रहे हैं, महान क्रिकेटर ने की युवा बल्लेबाज की तारीफ

डरबन । भारत के महान पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि रिंकू के अपनी क्षमताओं पर विश्वास ने उन्हें बाकियों से अलग दिखने में मदद की है। अगस्त में आयरलैंड के खिलाफ पदार्पण के बाद से इस युवा बल्लेबाज ने टी20आई में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इस साल इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान आखिरी ओवर में यश दयाल को लगातार पांच छक्के लगाने के बाद रिंकू ने सुर्खियां बटौरी जिससे कोलकाता नाइट राइडर्स ने अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की। भारत के महान पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि रिंकू के अपनी क्षमताओं पर विश्वास ने उन्हें बाकियों से अलग दिखने में मदद की है। गावस्कर ने कहा, 'प्रतिभा - यह हर किसी को नहीं दी जाती है। आप खेल से प्यार कर सकते हैं। आप पूरे दिन खेल सकते हैं, लेकिन कभी-कभी आप जानते हैं कि आपके पास पर्याप्त प्रतिभा नहीं है लेकिन उसे विश्वास है कि वह ऐसा कर सकता है, और उसने यही किया है।' गावस्कर ने कहा, 'पिछले 2-3 साल, फिर यहां आईपीएल में, जब उन्हें आखिरकार मौका मिला तो वह कई टीमों से अंदर-बाहर होते रहे और जिस तरह से उन्होंने इसे भुनाया (वह अद्भुत था)।' रिंकू ने छह टी20 पारियां खेलकर 60 की औसत और 187.50 की स्ट्राइक रेट से 180 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दौरान वह भारत के लिए अहम होंगे। गावस्कर ने उल्लेख किया कि भारतीय प्रशंसक दक्षिणपूर्वी की क्षमताओं की तुलना युवराज सिंह से कर रहे हैं, जो सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारत के महानतम मैच विजेताओं में से एक हैं।

पाकिस्तानी बल्लेबाज ने की संन्यास की घोषणा, चयनकर्ता बनना तय

कराची। पाकिस्तान के टेस्ट बल्लेबाज असद शफीक ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कह दिया चूंकि उन्हें महसूस हो रहा था कि खेल के लिए उनके जुनून में कमी आई है। सैतीस वर्ष के शफीक ने रविवार को यह ऐलान किया। उन्होंने राष्ट्रीय टी20 चैम्पियनशिप में कराची व्हाइट्स को खिताब दिलाने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मुझे अब क्रिकेट खेलने को लेकर पहले सा रोमांच या जुनून महसूस नहीं हो रहा और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए फिटनेस का स्तर भी वैसा नहीं रह गया है। इसीलिए मैने खेल को अलविदा कहने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के वेतनभोगी राष्ट्रीय चयनकर्ता बन सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे बोर्ड से करार मिला है और मैं इस पर गौर कर रहा हूं। जल्दी ही इस पर हस्ताक्षर करूंगा। असद ने पाकिस्तान के लिए 2010 से 2020 के बीच 77 टेस्ट में 4660 रन बनाए जिसमें 12 शतक और 27 अर्धशतक शामिल है। इसके अलावा उन्होंने 60 वनडे और 10 टी20 मैच भी खेले हैं।

इंग्लिश प्रीमियर लीग : जीत की राह पर लौटा मैनचेस्टर सिटी, चेल्सी को फिर मिली हार

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने वापसी करते हुए ल्यूटन टाउन पर 2-1 से जीत हासिल की और चार मैचों से चले आ रहे हार के सिलसिले को भी समाप्त कर दिया। एर्लिंग हालैंड (पैर की चोट के कारण बाहर) के बिना सिटी को पहले हाफ में संघर्ष करना पड़ा और हाफटाइम से ठीक पहले एलिजा एडेबायो ने एंड्रोस टाउनसेंड के क्रॉस पर गोल कर ल्यूटन टाउन को 1-0 से आगे कर दिया। मैच के 62वें मिनट में बर्नार्डो सिल्वा ने गोल कर मैनचेस्टर सिटी को 1-1 से बराबरी दिला दी। इसके तुरंत बाद, जैक ग्रीलिश ने जूलियन अल्वारेज़ के क्रॉस पर गोल करके सिटी की जीत पक्की कर दी। फुलहम ने मध्य सप्ताह में नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट को 5-0 से हराने के बाद वेस्ट हैम को उसी स्कोर से हराकर अपनी फॉर्म बरकरार रखी। फुलहम के लिए राउल जिमेनेज़, विलियन, टोसिन

अदाराबियोयो, हैरी विल्सन और कार्लोस विनीसियस ने गोल किया। वहीं, टोटेनहम ने न्यूकैसल यूनाइटेड पर 4-1 से जीत के साथ अपनी हालिया हार से वापसी की। डेस्टिनी उडोगी के शुरुआती गोल के बाद, रिचर्डसन के दो और सोन ह्युंग-मिन के पेनल्टी पर किये गए गोल की बदौलत टोटेनहम ने जीत हासिल की, न्यूकैसल के लिए एकमात्र गोल जोएलिंटन ने किया। चेल्सी की मुश्किलें जारी रहीं, और उन्हें एवर्टन के हाथों 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। अब्दुलाये डौकौरे और लुईस डोबिन ने एवर्टन के बेहतर संगठन और कमजोर चेल्सी के खिलाफ प्रतिबद्धता का फायदा उठाते हुए गोल किया। क्रिस्टल पैलेस में 2-1 की जीत के बाद शनिवार को लिवरपूल प्रीमियर लीग में शीर्ष पर पहुंच गया। पैलेस के शुरुआती बढ़त लेने के बावजूद, लिवरपूल ने मोहम्मद सलाह और हार्वे इलियट के गोल से मैच का रुख पलट दिया।

जॉन मैकगिन के शुरुआती गोल के कारण आर्सेनल को एस्टन विला से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। बोर्नमाउथ ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 3-0 से जीत के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड को चौंका दिया। बोर्नमाउथ के लिए डोमिनिक सोलांके, फिलिप बिलिंग और मार्कोस सेनेसी ने गोल किया। ब्रैमल लेन में, शेफ़ील्ड युनाइटेड ने जेम्स मैकएटी के गोल की बदौलत ब्रेंटफ़ोर्ड के ख़िलाफ़ 1-0 से जीत हासिल की।

पहला टी20 मैच बारिश के कारण हुआ रद्द, अगला मुकाबला मंगलवार को

डरबन । भारतीय टीम का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन के मैदान पर होने वाला पहला टी20 बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। मुकाबला शाम साढ़े 7 बजे शुरू होना था लेकिन बुंदाबांदी न रुकने से टॉस ही नहीं हो पाई। अंपायरों ने निश्चित समय तक बारिश न रुकती देखकर खेल को रद्द घोषित कर दिया। अब टीम इंडिया का आगामी मुकाबला सेंट जॉर्ज पार्क में 12 दिसंबर दिन मंगलवार को होगा।

टीम इंडिया के लिए अहम है यह सीरीज

वनडे विश्व कप में हार के बाद टीम इंडिया की नजरें आगामी टी20 विश्व कप 2024 पर टिकी हुई हैं।विश्व कप से पहले भारतीय टीम ने सिर्फ 6 टी20 मुकाबले ही खेलने थे। इससे पहले टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज में 4-1 से हरा दिया था लेकिन उनकी असली परीक्षा दक्षिण अफ्रीका की तेज पिचों पर होनी थी। ऐसे में यंग बिग्रेड पर नजरें टिकी हुई हैं। जो अच्छा प्रदर्शन करेगा उसे आगामी टी20 विश्व कप में मौका मिल सकता है।

बड़े प्लेयर नहीं खेल रहे

टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और हार्दिक पांड्या जैसे दिग्गज नहीं हैं। बीसीसीआई चाहता है कि आगामी टी20 सीरीज के लिए यंग टीम चुनी जाए क्योंकि भारतीय दिग्गज रोहित और विराट पहले से ही 35 से ज्यादा साल के हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने ज्यादातर युवाओं को ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस टी20 सीरीज के लिए चुना है। अगर इस सीरीज से 2-3 प्लेयर निकले तो यह टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया में आई खामियों को दूर कर सकते हैं।

कोलंबिया ने दोस्ताना फुटबॉल मैच में वेनेजुएला को 1-0 से हराया

फोर्ट लॉडरडेल। कोलंबिया ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां एक दोस्ताना मैच में दक्षिण अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी वेनेजुएला पर 1-0 से जीत दर्ज की। वेनेजुएला के केंद्रीय डिफेंडर एंड्रेस फेरो ने हाफ टाइम से ठीक पहले कैफेटेरोस को बढ़त का तोहफा दिया जब उन्होंने अनजाने में गेंद को अपने ही गोल पोस्ट में डाल दिया। इसके बाद कोलंबियाई टीम ने मैच में अपना नियंत्रण बनाए रखा और वेनेजुएला की टीम को कोई मौका नहीं दिया, परिणामस्वरूप कोलंबिया ने अंतिम सीटी बजने तक 1-0 की बढ़त कायम रखी और मैच

जीत लिया। इस परिणाम से कोलंबिया का पिछले साल सितंबर से अब तक का अजेय क्रम 14 मैचों तक बढ़ गया है। नेस्टर लोरेंजो की टीम अब अपना ध्यान अगले शनिवार को लॉस एंजिल्स में मेक्सिको के खिलाफ एक और दोस्ताना मैच पर केंद्रित करेगी। मैच फीफा की आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय विंडो के बाहर हैं, जिसका अर्थ है कि क्लब अपने खिलाड़ियों को रिलीज़ करने के लिए बाध्य नहीं हैं।

पीकेएल :यूपी योद्धा को बेंगलुरु बुल्स के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का भरोसा

बेंगलुरु। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) टीम यूपी योद्धा सीजन दस के अपने चौथे मैच में बेंगलुरु बुल्स का सामना करेगी। यह मैच यहां श्री कांतीरावा इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा। पीकेएल में उत्तर प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए, यूपी योद्धाओं ने तेलुगु टाइटंस और हरियाणा स्टीलर्स के खिलाफ अपने पिछले दो मुकाबलों में क्रमशः 15 और 30 अंकों के पर्याप्त अंतर से प्रभावशाली जीत हासिल की। वर्तमान में 11 अंकों के साथ यूपी योद्धा की टीम लीग में दूसरे स्थान पर काबिज है। सांख्यिकीय रूप से, पीकेएल इतिहास में दोनों टीमों ने 13 मौकों पर एक-दूसरे का सामना किया है। इनमें से पांच मुकाबलों में यूपी योद्धा ने और 8 में बेंगलुरु बुल्स ने

जीत दर्ज की है, कोई भी मैच टाई पर समाप्त नहीं हुआ। मैच से पहले यूपी योद्धा के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, 'हालांकि हम अपने समग्र प्रदर्शन पर गर्व करते हैं, हमारा पूरा ध्यान अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें सुधारने पर है। हम अपने गेमप्ले को उन्नत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे प्रशंसकों और प्रबंधन दोनों को हमारी उपलब्धियों से खुशी मिले। हमारी प्रतिबद्धता न केवल परिणाम देने की है बल्कि यूपी योद्धाओं से जुड़े सभी लोगों के लिए जश्न के पल भी लाने की है। स्टार रेडर सुरेंदर गिल सनसनीखेज फॉर्म में हैं और आंकड़े बताते हैं कि वह अपने विरोधियों के लिए कितने खतरनाक हो सकते हैं। वर्तमान में गिल रेड पॉइंट्स (34) और प्लेयर सक्सेसफुल रेड्स (27) के चार्ट में दूसरे स्थान पर हैं, इस सीज़न में दो सुपर 10 के साथ, गिल हाल के खेलों में अजेय साबित हुए हैं।

वसीम जाफर ने आईपीएल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम हटाने की मांग उठाई

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं पंजाब किंग्स के बल्लेबाजी कोच वसीम जाफर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लागू इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि इस नियम की वजह से ऑलराउंडर ज्यादा गेंदबाजी नहीं कर पा रहे हैं। जाफर ने इस नियम को आईपीएल से हटाने की मांग की है।

वसीम जाफर ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मुझे लगता है कि आईपीएल को इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाने की जरूरत है, क्योंकि यह

ऑलराउंडरों को ज्यादा गेंदबाजी करने के लिए प्रोत्साहित नहीं कर रहा है। ऑलराउंडरों की कमी और बल्लेबाजों का गेंदबाजी न करना भारतीय क्रिकेट के लिए चिंता का एक प्रमुख क्षेत्र है। उल्लेखनीय है कि आईपीएल 2023 सीजन में लागू किया गया इम्पैक्ट प्लेयर नियम टीमों को एक एक्स्ट्रा गेंदबाज या बल्लेबाज को खिलाने की अनुमति देता है। इस नियम के आने के बाद आईपीएल टीमें अधिकतर 6 बल्लेबाजों और 5 गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरना पसंद कर रही हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम मैच की स्थिति के आधार पर उन्हें एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज खिलाने देता है।

लिवरपूल ने क्रिस्टल पैलेस को 2-1 से हराया, प्रीमियर लीग की तालिका में शीर्ष पर पहुंचा

लंदन ।हार्वे इलियट के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से लिवरपूल ने क्रिस्टल पैलेस को 2-1 से हराया, जिससे वह इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल प्रतियोगिता की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। मोहम्मद सलाह ने प्रीमियर लीग में अपना 150वां और लिवरपूल की तरफ से सभी प्रतियोगिताओं में 200वां गोल करके लिवरपूल को बराबरी दिलाई थी। इसके बाद

स्थानापन्न खिलाड़ी इलियट ने 91वें मिनट में विजयी गोल दागा। क्रिस्टल पैलेस को जीन फिलिप माटेटा ने 57वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके बढ़त दिलाई थी। लिवरपूल इस जीत से आर्सेनल से एक अंक आगे हो गया है। आर्सेनल को एस्टन विला ने 1-0 से हराया। लिवरपूल के अब 16 मैच में 37 अंक हो गए हैं जबकि आर्सेनल के इतने ही मैचों में 36 अंक हैं। एस्टन विला के 35 अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप टीम की घोषणा की, कप्तानी पर फैसला अभी भी बाकी

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले महीने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी अंडर-19 पुरुष विश्व कप में भाग लेने के लिए टीम की घोषणा कर दी है। हालांकि अभी तक टीम के कप्तान की घोषणा नहीं की गई है। पिछले सप्ताह एल्बरी ??में 2023 अंडर 19 पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के समापन के बाद युवा चयन पैनल (वाईएसपी) ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी। टीम में ऐसे खिलाड़ियों का एक मजबूत दल शामिल है जिन्होंने इस साल दोहरी अंडर-19 एशेज श्रृंखला में भाग लिया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम को एंथोनी क्लार्क प्रशिक्षित करेंगे जिन्होंने इंग्लैंड और श्रीलंका के हाल के दौरों पर अंडर 19 टीम का नेतृत्व भी किया है। सैम कोनस्टास समय पर प्रदर्शन के साथ टीम में एक असाधारण खिलाड़ी के रूप में उभरे। उन्होंने अंडर 19 नेशनल चैंपियनशिप फाइनल में क्वींसलैंड के खिलाफ नाबाद 63 रन बनाकर एनएसडब्ल्यू मेट्रो के लिए खिताब हासिल किया। एडेन ओ'कॉनर ने भी नेशनल्स में अपने लगातार दम पर स्थान अर्जित किया। हैरी डिक्सन पहले ही अंडर-19 स्तर पर ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट और वनडे शतक लगा चुके हैं, को भी चैंपियनशिप में 222 रन बनाने के बाद चुना गया है। ऑलराउंडर ह्यू वीबगेन पीठ की चोट के कारण अंडर-19 राष्ट्रीय चैंपियनशिप से

बाहर हो गए थे, को भी इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में टीम का नेतृत्व करने के बाद चुना गया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन ने कहा, 'इस साल की अंडर 19 पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रतिभा की मात्रा को देखना रोमांचक रहा है। हमने कुछ शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन देखे हैं। आगामी अंडर 19 विश्व कप खिलाड़ियों को प्रदान करता है।' एक उत्कृष्ट विकास अवसर के साथ और हम इस टीम को विश्व मंच पर प्रदर्शन करते देखने के लिए उत्सुक हैं। आगामी अंडर-19 विश्व कप पुरुषों का 15वां संस्करण है और इसमें एक संशोधित टूर्नामेंट प्रारूप होगा, जिसमें सेमीफाइनलिस्ट निर्धारित करने के लिए ग्रुप चरण के बाद एक नया सुपर सिक्स चरण शामिल है। भाग लेने वाली 16 टीमों को जनवरी में निर्धारित कार्यक्रम के साथ चार-चार समूहों में विभाजित किया गया है। फरवरी में खेले जाने वाले फाइनल के साथ 41 मैच होंगे। ग्रुप चरण में ऑस्ट्रेलिया का सामना श्रीलंका, जिम्बाब्वे और नामीबिया से होगा और आईसीसी आने वाले दिनों में अद्यतन तारीखों और समय की घोषणा करेगा।

ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 विश्व कप टीम:

लाचलान एटकेन, चार्ली एंडरसन, हरकीरत बाजवा, महली बियर्डमैन, टॉम कैंपबेल, हैरी डिक्सन, रयान हिक्स, सैम कोनस्टास, राफेल मैकमिलन, एडन ओ%कॉनर, हरजस सिंह, टॉम स्ट्रैकर, कैलम विडलर, कोरी वास्ले , ह्यू वेइबगेन

पिच उतनी चुनौतीपूर्ण नहीं थी जितना हमने उसे बना दिया, इंग्लैंड से हार के बाद बोली दीप्ति

मुंबई ।भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपनी टीम के लचर बल्लेबाजी प्रदर्शन के लिए पिच पर दोष मढ़ने से परहेज करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए तैयार किया गया विकेट उतना चुनौतीपूर्ण नहीं था जितना कि वह लग रहा था। भारतीय टीम शनिवार को खेले हुए मैच में 16.2 ओवर में केवल 80 रन ही बना पाई। पहला मैच 38 रन से गंवाने वाली भारतीय टीम दूसरे मैच में चार विकेट से हार गई जिससे इंग्लैंड तीन मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने में सफल रहा। दीप्ति ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'पिच इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं थी कि उसमें केवल 70 या 80

रन ही बन पाते। हमें कुछ और रन बनाने चाहिए थे जिससे हमारा स्कोर 110-115 के आसपास पहुंच जाता। उन्होंने कहा, 'अगर हमने बीच में साझेदारियां निभाई होती तो हम अच्छे स्कोर तक पहुंच सकते थे। हम इससे सबक लेकर अगले मैच में उतरेंगे। दीप्ति ने गेंदबाजों के प्रयास की प्रशंसा की जिन्होंने इंग्लैंड को आसानी से लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। उन्होंने कहा, 'हम मैच को जितना संभव हो उतना खींचना चाहते थे और गेंदबाजों ने अच्छी भूमिका निभाई। हमने पूर्व में भी इस तरह के मैच खेले हैं। हम सकारात्मक बने रहना चाहते थे।

दीप्ति ने कहा, 'पहले मैच के लिए विकेट बेहतर था और गेंद अच्छी तरह से बल्ले पर आ रही थी। दूसरे मैच की तुलना में पहले मैच में बल्लेबाजी करना आसान था।% इंग्लैंड की ऑफ स्पिनर चार्ली डीन ने भी कहा कि उन्हें पिच से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने कहा, 'दूसरे मैच में काफी विकेट गिरे, लेकिन मुझे पिच को लेकर किसी तरह की शिकायत नहीं है। मैं एक गेंदबाज हूं और मुझे बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन पिच में किसी तरह की खराबी नहीं थी।

केट क्रॉस के आने से WPL 2024 में टीम की गेंदबाजी मजबूत : RCB कप्तान स्मृति मंधाना

मुंबई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने उम्मीद जताई कि इंग्लैंड की अनुभवी तेज गेंदबाज केट क्रॉस के टीम में आने से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 के दूसरे सत्र में गेंदबाजी में पैनापन आयेगा और वह खासकर पावरप्ले में रेणुका सिंह की मदद करने में सफल रहेंगी। रॉयल चैलेंजर्स ने शनिवार को खिलाड़ियों की नीलामी में क्रॉस को 30 लाख रुपये की बोली में शामिल किया। 32 साल की इस खिलाड़ी को फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अच्छा अनुभव है। वह ब्रिस्बेन हीट और मैनचेस्टर ओरिजनल्स जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तानी टीम के पास चिकित्सक नहीं, वीजा और पासपोर्ट से जुड़ा है मसला

कराची। वीजा और पासपोर्ट से जुड़े मसलों के कारण ऑस्ट्रेलिया गई पाकिस्तान की सीनियर टीम के पास चिकित्सक नहीं है जबकि अंडर-19 टीम बिना टीम मैनेजर के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंची है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे के लिए सोहेल सलीम को टीम का आधिकारिक चिकित्सक नियुक्त किया गया था लेकिन वह अभी तक टीम से नहीं जुड़ पाए हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया, 'पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अभी डॉक्टर सलीम के लिए वीजा हासिल करने का प्रयास कर रहा है। वीजा मिलने के तुरंत बाद ही वह पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट मैच में टीम से जुड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह से पूर्व टेस्ट बल्लेबाज शोएब मोहम्मद को यूएई में एशिया कप में भाग ले रही पाकिस्तान की जूनियर टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया था लेकिन वह भी टीम के साथ नहीं जा पाए। सूत्रों ने कहा, 'शोएब के पासपोर्ट की समय सीमा खत्म हो गई थी और बोर्ड उसे सुलझाने में लगा है। उम्मीद है कि वह जल्द ही यूएई में टीम से जुड़ जाएंगे। यही नहीं अबरार अहमद की जगह पाकिस्तान की टीम में चुने गए ऑफ स्पिनर साजिद खान भी वीजा कारणों से ऑस्ट्रेलिया रवाना नहीं हो पाए हैं।

सोनाक्षी सिन्हा

ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड को कहा साइको, वीडियो शेयर कर Zaheer Iqbal को इस अंदाज में किया बर्थडे विश

हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं. सोनाक्षी, जिनके जहीर इकबाल के साथ रिश्ते में होने की अफवाह है, ने आज, 10 दिसंबर को उनके बर्थडे पर प्यार भरे अंदाज में विश किया. उन्होंने अपने प्यारे पलों को कैद करते हुए एक प्यारा सा वीडियो पोस्ट किया और जहीर के लिए एक स्पेशल नोट भी लिखा.

सोनाक्षी ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड को कहा साइको

आज 10 दिसंबर को, सोनाक्षी सिन्हा ने अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल को उनके बर्थडे पर विश करने के लिए अपने इंस्टाग्राम हैंडल का सहारा लिया. एक्ट्रेस ने एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें लवबर्ड्स के कई प्यारे फोटोज को दिखाया गया. वीडियो पोस्ट करते हुए सोनाक्षी ने कैप्शन में लिखा- मेरे°(द्रद्र) और मेरे पर्सनल साइको जहीर इकबाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं.

वीडियो शेयर कर जहीर इकबाल को किया बर्थडे विश

बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल जब अर्पिता खान की दिवाली पार्टी में एक साथ शामिल हुए थे तो इस कपल ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया था. अक्सर ये लव बर्ड्स हर स्पेशल इवेंट में भी साथ में ही नजर आते हैं. ये जोड़ी अपने रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों के कारण सुर्खियों में बनी हुई है. सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के कपल होने की अफवाहें काफी समय से चल रही हैं. हालांकि दोनों ने आधिकारिक तौर पर इन अफवाहों पर आज तक भी रिएक्ट नहीं किया है, लेकिन इंस्टाग्राम पर उनके पोस्ट ने अक्सर अटकलों को हवा दी है.

सोनाक्षी सिन्हा का वर्क फ्रंट

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा की हॉरर-कॉमेडी फिल्म काकुडा में दिखाई देने वाली हैं. इसके अलावा वह निकिता रॉय और द बुक ऑफ डार्कनेस में अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नैय्यर के साथ-साथ बड़े मियां छोटे मियां में स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं, जहां वह अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ होंगी.

पान मसाले के विज्ञापन ने बढ़ाई इन स्टार्स की मुश्किलें, Shah Rukh-Akshay और Ajay Devgn को मिला हाईकोर्ट से नोटिस

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच की ओर से शाहरुख खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन को नोटिस जारी किया गया है. पान मसाला कंपनियों के विज्ञापन करने के मामले में यह नोटिस जारी हुआ है. केंद्र सरकार के वकील ने इस अवमानना याचिका पर लखनऊ पीठ को इस अपील को खारिज करने की अर्जी भी दी.

इस दिन होगी सुनवाई

केंद्र सरकार के वकील ने लखनऊ पीठ को ये भी बताया कि इस मामले की सुनवाई उच्चतम न्यायालय भी कर रहा है. इस वजह से इस याचिका को खारिज कर दिया जाए. न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने इस अवमानना याचिका को पारित किया है. साथ ही अगली सुनवाई के लिए 9 मई, 2024 की तारीख को निर्धारित कर दिया गया है.न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की पीठ ने पहले केंद्र सरकार को याचिकाकर्ता के प्रतिवेदन पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था. दलील दी थी कि इन अभिनेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए जिन्हें उच्च सम्मान दिए गए हैं, लेकिन वे गुटखा कंपनियों के लिए विज्ञापन कर रहे हैं.

केंद्र सरकार को मिला नोटिस

इस मामले के याचिकाकर्ता ने कहा कि 22 अक्टूबर को सरकार को प्रतिवेदन दिया गया था, लेकिन मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई. इसके बाद अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिव को नोटिस जारी किया था.

शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से उप सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडे ने बताया कि केंद्र ने अक्षय कुमार, शाहरुख खान और अजय देवगन को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है. वहीं, अदालत को यह भी जानकारी दी गई कि अभिनेता अमिताभ बच्चन ने करार रद्द करने के बावजूद उन्हें विज्ञापन में दिखाने पर संबंधित पान मसाला कंपनी को कानूनी नोटिस भेजा है.

एक साथ दो लड़कियों को डेट कर रहे हैं मुनव्वर फारुकी? आयशा सिंह ने स्टैंडअप कॉमेडिन पर लगाया गंभीर आरोप

फेमस स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी इन दिनों बिग बॉस में अपना दम दिखा रहे हैं. शो में उन्हें काफी पसंद किया जा रहा है. बाहर उनकी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है. घर में भी हर कोई उनके साथ बॉन्ड बनाने की कोशिश कर रहा है. मुनव्वर नाजिला सिताशी संग ओपन रिलेशनशिप में हैं. लेकिन इस बीच एक लड़की ने खुलासा किया है कि मुनव्वर उन्हें भी डेट कर रहे हैं.

आयशा सिंह ने मुनव्वर फारुकी पर लगया डबल डेटिंग का आरोप

ये लड़की कोई और नहीं बल्कि इन्फ्लुएंसर आयशा खान हैं. आयशा ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में बात करते हुए बताया कि- बिग बॉस में इस वक्त एक कंटेस्टेंट्स हैं जिन्होंने उन्हें एक म्यूजिक वीडियो के लिए मुझे मैसेज किया था. मैं उसे जानती थी इसलिए मैंने म्यूजिक वीडियो के लिए हां कर किया था. वीडियो को हो नहीं पाई लेकिन उसने मुझसे कहा कि वो मुझसे प्यार करने लगा है. धीरे-धीरे मैं भी उसे पसंद करने लगी. इसके बाद हम दोनों रिलेशनशिप में आ गए. मैं जानती थी कि वो रिलेशनशिप में हैं लेकिन उसने मुझे कहा कि उसका ब्रेकअप हो गया है.

आयशा ने आगे बताया कि जब वो बिग बॉस में जा रहा था तो मैंने सोशल मीडिया पर गर्लफ्रेंड के साथ उसकी फोटो देखी और तब मुझे रिलाइज हुआ कि वो मेरे साथ होते हुए एक और लड़की को डेट कर रहा है. आयशा ने आगे बताया कि उन्होंने उनकी गर्लफ्रेंड से बात भी की और उसने कहा कि बिग बॉस के आने के बाद वो उससे शादी करेगा.

इसी वजह से नाजिला नहीं कर रहीं मुनव्वर को सपोर्ट ?

आयशा सिंह ने तो मुनव्वर का नाम नहीं लिया है लेकिन द खबरी ने इस वीडियो को उनके नाम से पोस्ट किया है. साथ ही यूजर्स का भी मानना है कि शायद ये कंटेस्टेंट मुनव्वर फारुकी हैं. यही वजह है कि उनकी गर्लफ्रेंड नाजिला बाहर उन्हें सपोर्ट करती नहीं दिख रही हैं.

Bigg Boss 16 में आने से पहले अंकित गुप्ता-प्रियंका चौधरी में नहीं थी बातचीत, एक्टर ने कहा- हमारे बीच लड़ाई थी

बिग बॉस 16 में एक से बढ़कर एक प्रतियोगी आए. इन्हीं में से एक थे अंकित गुप्ता और प्रियंका चाहर चौधरी. पूरे शो में दोनों के कंपोज्ड बिहेवियर की खूब तारीफ हुई. खबरें तो यहां भी आईं कि अंकित और प्रियंका रियल लाइफ में डेटिंग कर रहे हैं. हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते को सिर्फ बेस्ट फ्रेंड्स करार दिया है. यही नहीं, हाल में एक इंटरव्यू के दौरान अंकित गुप्ता ने कहा कि बिग बॉस 16 में आने से पहले उनकी बातचीत भी नहीं होती थी.

अंकित ने क्या कहा ?

अंकित ने बिग बॉस में एंट्री इसलिए की ताकि प्रियंका को सपोर्ट कर सकें, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- नहीं ऐसा नहीं है. जब हम लोग घर के अंदर जा रहे थे तब तो प्रियंका और मेरी बात ही नहीं होती थी. हम को-स्टार थे लेकिन हम बात करते थे और उसके बाद हमारी लड़ाई हो चुकी थी. हमारी लड़ाई की सबसे अच्छी बात ये थी कि प्रोफेशनल लाइफ पे कोई फर्क नहीं पड़ता था उस चीज का. हम सीन के वक्त एक जैसे ही थी लेकिन सीन के बाद हम एकदम अलग हो जाते थे.

नहीं होती थी हमारी बात

अंकित ने आगे कहा- जब हम लोग घर के अंदर जा रहे थे तो हमारी बात नहीं होती थी. मैं जानता भी नहीं था कि प्रियंका जा रही है कि नहीं क्योंकि मेरा कन्फर्मेशन बहुत लास्ट मोमेंट पर था. मैं कुछ नहीं जानता था. मेरे पास तो कपड़े भी नहीं थे, मैं चंडीगढ़ से आाय था. मैंने कोई तैयारी भी नहीं कर रखी थी. तो ऐसा नहीं है कि मैं प्रियंका को सपोर्ट करने गया था.

घर के अंदर कैसे हुए बदलाव

सड्डा हक, बेगूसराय और कुंडली भाग्य जैसे सीरियल्स में काम करने वाले अंकित गुप्ता ने आगे कहा- घर के अंदर गया तो मुझे नहीं लगा कि ये मेरे लिए है. मैं सब चीजों से नहीं लड़ सकता था. मैं किसी पर बिना वजह नहीं चिल्ला सकता. मैं खाने के लिए नहीं लड़ सकता. लेकिन घर के अंदर मैंने और प्रियंका ने जब एक साथ इतना टाइम स्पेंड किया तो हमरा बॉन्ड जो पहले था फिर से हो गया.